Page 11

खेल

जन-जन की वाणी...

हिन्दी दैनिक

सोन वर्षा वाणी

दुमका,औरंगाबाद, आरा, एवं पटना से प्रकाशित

Page 10

देश

टी-20 में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर ईशान की 42 बॉल में सेंचुरी, संजू प्लेइंग-11...

ममता ने चुनाव आयुक्त को फिर लिखा पत्र, सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की भूमिका पर उठाया प्रश्न

रजि नं.-JHAHIN/2022/82776 • दुमका • सोमवार • 02 फरवरी 2026 • वर्ष 04 • अंक 348 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

वित्त मंत्री ने पेश किया बजटः आत्मनिर्भरता और 7 प्रतिशत विकास दर पर केंद्रित रहा भाषण

- आत्मनिर्भर भारत और सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 से नई क्रांति की तैयारी
- देश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का संकल्प

देश में खोले जायेंगे 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

एजेंसी, नई दिल्ली

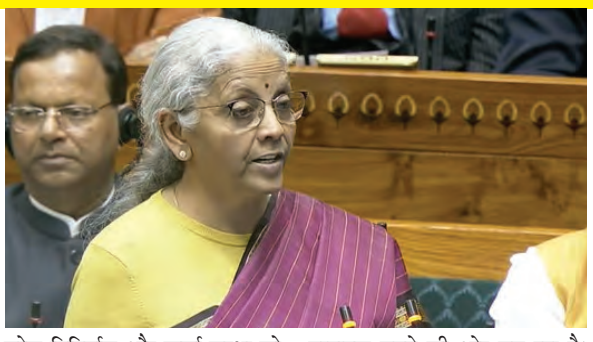

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश कर भारतीय राजनीति और अर्थव्यवस्था के इतिहास में एक नया अध्याय लिख दिया। अपने बजट भाषण की शुरुआत में उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार की नीतियों का मुख्य केंद्र आत्मनिर्भरता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस विजन से न केवल देश की मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, बल्कि आम नागरिकों के जीवन स्तर में भी सकारात्मक सुधार आया है। वित्त मंत्री ने गर्व के साथ उल्लेख किया कि सरकार द्वारा किए गए निरंतर संरचनात्मक सुधारों का ही परिणाम है कि भारत आज वैश्विक चुनौतियों के बावजूद लगभग 7 प्रतिशत की उच्च विकास दर बनाए रखने में सफल रहा है। उन्होंने सदन को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मनिर्भरता को मार्गदर्शक मानते हुए

घरेलू विनिर्माण और ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ किया गया है। इन ठोस कदमों के कारण अब महत्वपूर्ण आयात पर भारत की निर्भरता में भारी कमी आई है, जो भविष्य के सशक्त भारत की नींव है। देश की आर्थिक दशा और दिशा निर्धारित करते हुए केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज संसद में लगातार नौवीं बार केंद्रीय बजट पेश कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वर्ष 2026-27 का यह बजट भारत को एक ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने और भविष्य की तकनीक पर अपनी पकड़ मजबूत करने के संकल्प के साथ पेश किया गया है। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि पिछले 12 वर्षों के दौरान सरकार द्वारा लिए गए कड़े और सोच-समझकर लिए गए फैसलों के कारण ही आज भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिरता, वित्तीय अनुशासन और कम मुद्रास्फीति के दौर से गुजर रही है। इस बजट का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा भविष्य की तकनीक और डिजिटल संप्रभुता से जुड़ा है। वित्त मंत्री ने इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन 2.0 की घोषणा करते हुए साफ कर दिया कि भारत अब केवल चिप का खरीदार नहीं, बल्कि उत्पादक बनने की ओर बढ़ रहा है। इसके तहत देश भर में उद्योग-आधारित अनुसंधान और प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएंगे, ताकि तकनीक के साथ-साथ एक कुशल कार्यबल भी तैयार हो सके। इसके अतिरिक्त, ओडिशा, केरल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में रेयर-अर्थ कॉरिडोर बनाने का प्रस्ताव खनिज सुरक्षा की दिशा में एक बड़ा कदम है, जिससे घरेलू स्तर पर अत्याधुनिक ऊर्जा उपकरणों का निर्माण सुगम होगा। वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वर्तमान में दुनिया भर में सप्लाई चेन बाधित हो रही है और व्यापारिक गठबंधन बदल रहे हैं।

ऐसी परिस्थितियों में भारत अपनी आत्मनिर्भरता की नीति के कारण सुरक्षित खड़ा है। उन्होंने कहा कि भारत अब वैश्विक बाजारों के साथ और अधिक गहराई से जुड़ेगा और दीर्घकालिक विदेशी निवेश को आकर्षित करने पर ध्यान देगा। आर्थिक विकास के पहिए को गति देने के लिए वित्त मंत्री ने छह प्रमुख क्षेत्रों में व्यापक सुधारों का प्रस्ताव रखा है। इनमें पुराने औद्योगिक क्षेत्रों का कायाकल्प करना, छोटे उद्योगों को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाना और सात रणनीतिक क्षेत्रों में उत्पादन को बढ़ाना शामिल है।

देश में खोले जायेंगे 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान

एजेंसी, नई दिल्ली । केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट में स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी अहम घोषणाएं की हैं। जिसके तहत देश में 3 नए अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान खोले जाएंगे। अभी इनकी जगह नहीं बताई गई है। इसके साथ बेहतर मानसिक स्वास्थ्य इलाज के उद्देश्य से वित्त मंत्री ने निमहंस 2.0 स्थापना की घोषणा की जो देश के लिए प्रमुख मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के तौर पर काम करेगा। इसके साथ ही उत्तर भारत में दो मानसिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित करने की घोषणा की गई। निर्मला सीतारमण ने भारत को मेडिकल टूरिज्म हब के तौर पर बढ़ावा देने के लिए देश में 5 रीजनल हब स्थापित करने में मदद की योजना का प्रस्ताव रखा। इससे मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ेगी, प्रशिक्षण और शोध को मजबूती मिलेगी और मरीजों को उच्च गुणवत्ता वाली देखभाल उपलब्ध कराई जा सकेगी। इसके अलावा 5 साल में एक लाख विशेषज्ञ हेल्थकेयर प्रोफेशनल बनेंगे। 1.5 लाख केयर गिवर्स को प्रशिक्षण दिया जाएगा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि नॉन कॉम्यूनिकेबल डिजिज की दवाइयों की कीमत सस्ती की जाएगी। इसमें कैंसर की दवाओं पर जोर दिया गया है।

बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता हैः प्रधानमंत्री

एजेंसी, नई दिल्ली

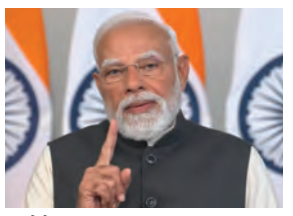

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय बजट 2026-27 पर प्रतिक्रिया देते हुए इसे ऐतिहासिक बताया और कहा कि यह बजट 140 करोड़ भारतीयों की आकांक्षाओं को दर्शाता है और विकसित भारत के लिए एक स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत करता है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह बजट वर्तमान के सपनों को साकार करता है और भारत के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखता है। उन्होंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लगातार नौवीं बार बजट प्रस्तुत किए जाने को नारी शक्ति का सशक्त उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि यह बजट अपार अवसरों का राजमार्ग है और 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में मजबूत आधार तैयार करता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत आज जिस "रिफॉर्म एक्सप्रेस" पर सवार है, इस बजट से उसे नई रफ्तार मिलेगी। पाथ ब्रेकिंग रिफॉर्म्स देश के साहसी, प्रतिभाशाली और आकांक्षाओं से भरे युवाओं को आगे बढ़ने के लिए खुला आसमान देते हैं।

केंद्रीय बजट में ऑपरेशन 'सिंदूर' के बाद रक्षा क्षेत्र के लिए 15 फीसदी आवंटन बढ़ा

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑपरेशन 'सिंदूर' में पिछले साल पाकिस्तान के साथ हवाई संघर्ष के बाद भारत सरकार ने अपने केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 15 फीसदी आवंटन बढ़ाया है। केंद्र सरकार ने रविवार को केंद्रीय बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए 7.85 लाख करोड़ रुपये दिए, जो पिछले वित्त वर्ष में दिए गए 6.81 लाख करोड़ रुपये से 15 फीसदी ज्यादा है। इससे सेनाओं के आधुनिकीकरण पर सरकार के लगातार ध्यान देने का संकेत मिलता है। हालांकि, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अपने बजट भाषण में रक्षा क्षेत्र से जुड़ी कोई खास नीति की घोषणा नहीं की, लेकिन केंद्र ने रविवार को रक्षा खर्च में भारी बढ़ोतरी की घोषणा की, जिससे मौजूदा वित्त वर्ष के लिए कुल रक्षा बजट पिछले साल के 6.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 7.85 लाख करोड़ रुपये हो गया, जो लगभग 15 फीसदी की बढ़ोतरी है।

मजबूत इरादों के साथ हर कर्तव्य को पूरा करने वाला है बजट : संजय सेठ

रांची। रांची के सांसद एवं रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने केंद्रीय बजट को वायदों का नहीं, बल्कि कर्तव्य और मजबूत इरादों का बजट बताते हुए कहा कि यह बजट देश की जनता के प्रति सरकार के प्रत्येक दायित्व को पूरा करने का संकल्प दर्शाता है। बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए संजय सेठ ने रविवार को कहा कि इसमें हर क्षेत्र, हर वर्ग और हर नागरिक को सशक्त बनाने का स्पष्ट दृष्टिकोण है। यह केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रोत्साहन और सहयोग देने वाला विजन प्रस्तुत करता है, जो नागरिकों को हर कदम पर आगे बढ़ने में सहायता करेगा। रक्षा राज्य मंत्री ने रांची में निमहंस-2 की स्वीकृति के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि यह संस्थान राष्ट्रीय स्तर का मनोचिकित्सा केंद्र होगा, जहां आधुनिक उपचार एवं शोध की व्यापक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट में रांची को राष्ट्रीय महत्व के संस्थान की सौगात मिलना झारखंडवासियों के लिए गौरव का विषय है। संजय सेठ ने कहा कि प्रधानमंत्री विरासत और विकास को साथ लेकर आगे

बढ़ने का मार्गदर्शन देते हैं, जिसकी स्पष्ट झलक इस बजट में देखने को मिलती है। उन्होंने कहा कि यह बजट विनिर्माण से लेकर बुनियादी ढांचे तक, स्वास्थ्य से लेकर पर्यटन तक, ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर एआई तक, खेल से लेकर तीर्थों तक-हर क्षेत्र को समाहित करते हुए विकसित भारत की परिकल्पना को साकार करता है। यह बजट गांव, कस्बे और शहर के युवाओं, महिलाओं और किसानों के सपनों को नई ऊर्जा देने वाला है। उन्होंने कहा कि बजट में गांव से शहर तक, राजमार्ग से समुद्र तक, शिक्षा से स्वास्थ्य तक सभी क्षेत्रों का संतुलित समन्वय किया गया है। यह बजट विकसित भारत के लक्ष्य को एक मजबूत आधार प्रदान करता है। रक्षा बजट को 7.85 लाख करोड़ रुपये किए जाने पर संजय सेठ ने प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे देश का रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भरता की दिशा में और मजबूत होगा। साथ ही सीमा क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा सुदृढ़ होगा और भूतपूर्व सैनिकों के कल्याण को भी बल मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह पहली बार है जब खेल क्षेत्र को बजट में विशेष प्राथमिकता दी गई है। खेल क्षेत्र रोजगार, कौशल विकास और आजीविका के अनेक अवसर प्रदान करता है। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत अगले दशक में खेल क्षेत्र को रूपांतरित करने के लिए खेलो इंडिया मिशन शुरू करने का प्रस्ताव सराहनीय है। संजय सेठ ने इस बजट को युवा शक्ति को समर्पित बजट बताते हुए कहा कि इसमें शिक्षा, रोजगार और कौशल विकास के माध्यम से देश की आर्थिक वृद्धि को बनाए रखने का स्पष्ट लक्ष्य रखा गया है। अंत में उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास और हर नागरिक के प्रति कर्तव्य को केंद्र में रखकर यह बजट तैयार किया गया है। इस समावेशी बजट के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण एवं पूरी केंद्र सरकार के प्रति आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय बजट लोक-कल्याणकारी और विकसित भारत का रोडमैपः रघुवर दास

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने केंद्रीय बजट को लोक-कल्याणकारी, सर्वसमावेशी और दूरदर्शी बताया है रघुवर दास ने रविवार को कहा कि यह बजट देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में एक सशक्त आधार प्रस्तुत करता है। उन्होंने कहा कि बजट समाज के प्रत्येक वर्ग—गांव, गरीब, किसान, युवा, नारी शक्ति, आदिवासी, दलित, पिछड़ा, अत्यंत पिछड़ा और मध्यम वर्ग को सशक्त एवं सक्षम बनाने पर केंद्रित है। रघुवर दास ने कहा कि यह बजट सर्वस्पर्शी और सर्वसमावेशी है, जिसमें देश के जन-जन और सभी क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास एवं कल्याण की स्पष्ट झलक मिलती है। उन्होंने कहा कि बजट में आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक संतुलन और समावेशन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जिससे यह आमजन के हितों से जुड़ा एक प्रभावी बजट बनता है। पूर्व मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को इस बजट के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगा।

पलामू में अंधविश्वास का खूनी तांडवः एक ही परिवार के तीन लोगों की टांगी से काटकर हत्या

ओझा-गुनी के शक में पड़ोसी भाइयों ने दिया वारदात को अंजाम, गांव में दहशत

पलामू ,झारखण्ड। पलामू जिले में अंधविश्वास ने इंसानियत को एक बार फिर शर्मसार कर दिया। पांकी थाना क्षेत्र के कुसड़ी गांव में रविवार सुबह एक ही परिवार के तीन लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। हमलावरों ने टांगी और चाकू से हमला कर विजय भुइयां, उनकी पत्नी हेमंती देवी और पुत्र छोटू कुमार को मौत के घाट उतार दिया। इस हमले में 12 वर्षीय बेटी ममता गंभीर रूप से घायल हो गई, जबकि विजय की बड़ी बहु किसी तरह जान बचाकर बच्ची को अस्पताल पहुंचाने में सफल रही। यह सनसनीखेज वारदात सुबह करीब 7 बजे की बताई जा रही है। अचानक हुए हमले से पूरे गांव में चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते विजय भुइयां का घर खून से लथपथ हो गया। घटना के बाद पूरे कुसड़ी गांव में दहशत का माहौल है और लोग अपने घरों में दुबकने को मजबूर हैं। ग्रामीणों और पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, इस वारदात को गांव के ही रविंद्र भुइयां और प्रमोद भुइयां ने अंजाम दिया। बताया जा रहा है कि रविवार तड़के करीब 3 बजे दोनों आरोपियों के पिता महेशी भुइयां

(65) की बीमारी के कारण मौत हो गई थी। पिता की मौत से आक्रोशित दोनों भाइयों ने इसका दोष पड़ोसी विजय भुइयां और उसके परिवार पर मढ़ दिया। आरोपियों का मानना था कि विजय भुइयां ने ओझा-गुनी और भूत-प्रेत के जरिए उनके पिता को बीमार कर दिया, जिससे उसकी मौत हुई। इसी अंधविश्वास के चलते दोनों भाइयों ने हथियार उठाकर पूरे परिवार पर हमला कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, विजय भुइयां और महेशी भुइयां के परिवारों के बीच कई वर्षों से ओझा-गुनी को लेकर विवाद चला आ रहा था।

इस विवाद को सुलझाने के लिए गांव में कई बार पंचायत भी हुई, समझौते की कोशिशें की गईं, लेकिन अंधविश्वास की जड़ें इतनी गहरी थीं कि मामला शांत नहीं हो सका। महेशी भुइयां लंबे समय से बीमार थे। उनके परिजन इस बीमारी को इलाज या प्राकृतिक कारण मानने के बजाय भूत-प्रेत और टोना-टोटका से जोड़ते रहे, जिसका खामियाजा अंततः निर्दोष परिवार को अपनी जान देकर चुकाना पड़ा। हमले में घायल ममता कुमारी (12) को पहले पांकी में प्राथमिक उपचार दिया गया, इसके बाद हालत गंभीर होने पर मेदिनीनगर रेफर किया गया है। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची की हालत नाजुक बनी हुई है। विजय की बड़ी बहु ने सूझबूझ दिखाते हुए खुद को और बच्ची को बचाया, जिससे एक और जान जाने से बच गई।घटना की सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। एसडीपीओ मनोज झा भी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक जांच में ओझा-गुनी के शक में हत्या की पुष्टि हुई है। वारदात के बाद दोनों आरोपी फरार हैं, वहीं उनके परिवार की एक महिला सदस्य के भी फरार होने की बात सामने आई है। पुलिस लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। घटनास्थल की जांच के बाद तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए MMCH भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

गाजा में इजराइली हवाई हमलों में महिलाओं और बच्चों समेत 37 लोगों की मौत

गाजा। गाजा पट्टी में शनिवार सुबह इजराइल द्वारा किए गए भीषण हवाई हमलों में कम से कम 37 फिलिस्तीनियों की जान चली गई। अक्टूबर में हुए संघर्ष विराम समझौते के बाद से किसी एक दिन में मरने वालों की यह सबसे बड़ी संख्या है। अस्पताल अधिकारियों और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, इजराइल ने हमास पर संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया था, जिसके ठीक एक दिन बाद गाजा के कई रिहायशी इलाकों, अपार्टमेंटों और विस्थापितों के शिविरों को निशाना बनाया गया। इन हमलों में सबसे अधिक तबाही खान यूनिस के उन इलाकों में देखी गई, जहां बेघर हुए लोगों ने तंबुओं में शरण ले रखी थी। इन घातक हमलों में दो परिवारों की दो महिलाएं और छह बच्चों की मौत की पुष्टि हुई है। गाजा शहर के प्रमुख शिफा अस्पताल के निदेशक ने बताया कि शहर के एक पुलिस थाने पर भी जबरदस्त हवाई हमला हुआ, जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों लोग मलबे में दबकर घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब मिस्र की सीमा पर स्थित राफा क्रॉसिंग को खोलने की तैयारी चल रही थी। वर्तमान में इलाके की सभी सीमाओं को पूरी तरह बंद कर दिया गया है, जिससे मानवीय सहायता और घायलों के इलाज के लिए बाहर जाने के रास्ते अवरुद्ध हो गए हैं। शनिवार के घटनाक्रम ने यह साफ कर दिया है कि तमाम अंतरराष्ट्रीय समझौतों के बावजूद गाजा में आम नागरिकों के हताहत होने का सिलसिला थम नहीं रहा है। नासिर अस्पताल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, खान यूनिस के तंबू शिविर पर हुए हमले के कारण भीषण आग लग गई। इस अग्निकांड में एक ही परिवार के सात सदस्य जिंदा जल गए, जिनमें तीन मासूम बच्चे भी शामिल थे। वहीं, गाजा सिटी की एक बहुमंजिला इमारत पर हुए हमले में एक बुजुर्ग महिला, उनकी बहू और तीन पोते-पोतियों की मौत हो गई। पुलिस थाने पर हुए हमले के बारे में बताया गया है कि वहां तैनात चार महिला पुलिसकर्मियों समेत कई अधिकारी और हवालात में बंद कैदी भी मारे गए हैं। हमास के आंतरिक मंत्रालय ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिक सुरक्षा का खुला उल्लंघन करार दिया है। हमास ने इन हमलों को लेकर अमेरिका और अन्य मध्यस्थ देशों से हस्तक्षेप की अपील की है ताकि इजराइल पर सैन्य कार्रवाई रोकने का दबाव बनाया जा सके। दूसरी ओर, इजराइली सैन्य अधिकारियों का कहना है कि ये हमले शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक केवल उन ठिकानों पर किए गए, जहां से संघर्ष विराम का उल्लंघन किया गया था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, 10 अक्टूबर को संघर्ष विराम की घोषणा होने के बाद से अब तक इजराइली गोलीबारी और बमबारी में 500 से अधिक फिलिस्तीनियों की जान जा चुकी है। क्षेत्र में लगातार बढ़ती हिंसा ने एक बार फिर बड़े मानवीय संकट की आशंका पैदा कर दी है।

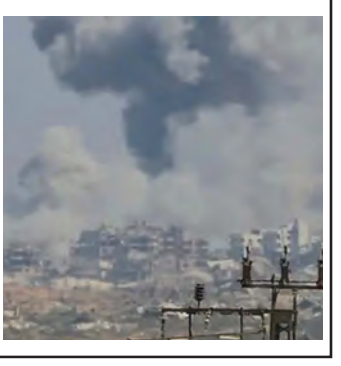

संक्षिप्त समाचार

आउटर सिग्नल पर महिला यात्री का पर्स झपटा

धनबाद, एजेंसी। मौर्या एक्सप्रेस में सफर कर रही एक महिला यात्री का पर्स धनबाद स्टेशन के आउटर पर एक उचक्के ने झपट कर फरार हो गया। इस संबंध में भुक्तभोगी महिला पूर्वी चंपारण निवासी अनामी शरण के पति ने रेल थाना में शिकायत की है। उन्होंने शिकायत में कहा है कि उसकी पत्नी गौरोल से झारसुगड़ा के लिए ए-2 कोच में छह साल के बच्चे के साथ सफर कर रहा थी। ट्रेन के धनबाद स्टेशन के आउटर सिग्नल के पास पहुंचते ही एक उचक्के ने सिर के नीचे रखा पर्स झपट कर भाग गया। घटना के बाद उचक्के को पकड़ने की कोशिश की गयी, लेकिन वह भागने में सफल रहा। पर्स में तीन पीस चेन, तीन पीस अंगुठी, कान का झुमका, कान का टॉप, बच्चे का लॉकेट, मंगल सूत्र, ज्योतिया, पायल, तीन हजार रुपये समेत कई जरूरी दस्तावेज थे।

मोबाइल छीन भाग रहा धैया का युवक गिरफ्तार, एक फरार

धनबाद, एजेंसी। सरायढेला थाना क्षेत्र में शनिवार को मोबाइल छीन कर भाग रहे धैया के लाहबनी निवासी किशन राम को सरायढेला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं उसका एक अन्य साथी भागने में सफल रहा। पुलिस फरार आरोपी की तलाश में जुट गयी है। इस संबंध में सरायढेला पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया। बताया जाता है कि हीरापुर के अजंतापाड़ा निवासी फूड डिलीवरी कंपनी के कर्मी चिंटू कुमार शुक्रवार को किसी काम से सरायढेला आये थे। इसी दौरान वह सरायढेला के पास सड़क किनारे खड़ा होकर अपना मोबाइल देख रहा था। इसी क्रम में एक बाइक पर दो युवक वहां पहुंचे और उनके हाथ से मोबाइल छीन कर भागने लगे। चिंटू ने साहस दिखाते हुए दोनों युवकों का पीछा किया और कुछ दूरी पर उसने उन्हें रोका। इस दौरान बाइक पर पीछे बैठा युवक फरार हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से बाइक चला रहे युवक को पकड़ लिया गया। सूचना पर सरायढेला पुलिस मौके पर पहुंची और पकड़े गये युवक को हिरासत में लेकर थाना ले गयी। पूछताछ के दौरान युवक ने अपना नाम किशन राम बताया। उसने अपने फरार साथी का नाम फैजल बताया, जो भेलाटांड़ का रहने वाला है। फरार आरोपी की तलाश में छापेमारी सरायढेला पुलिस ने आरोपी किशन राम को शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस फरार उसके साथ फैजल की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

कोयला खोज व माइन प्लानिंग में 26 नये निजी कंपनियों की एंट्री

धनबाद, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक फैसला लेते हुए देश के कोयला क्षेत्र में कोयले की खोज और खनन से जुड़े प्लान एवं डिजाइन के कार्य में निजी कंपनियों को एंट्री दे दी है। इसके साथ ही अब तक इस क्षेत्र में एकमात्र सरकारी एजेंसी के रूप में काम कर रही सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इंस्टीट्यूट (सीएमपीडीआइ) का करीब पांच दशक पुराना एकाधिकार टूट गया है। सरकार ने अब तक 44 निजी कंपनियों को इस कार्य के लिए अधिसूचित किया है, जिससे कोयला क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा और तेज विकास की राह खुल गयी है। गौरतलब हो कि वर्ष 1973 में गठित सीएमपीडीआइ अब तक देश की सभी कोयला परियोजनाओं की योजना और डिजाइन तैयार करता रहा है। निजी कंपनियों की एंट्री के साथ ही पहली बार यह क्षेत्र प्रतिस्पर्धी ढांचे में प्रवेश कर रहा है। दो चरणों में मिली मंजूरी : सूचना के मुताबिक पहले चरण में 26 नवंबर 2025 को 18 निजी कंपनियों व 28 जनवरी 2026 को 26 निजी कंपनियों को कोयला एवं लिग्नाइट की खोज तथा खनन प्लानिंग का अधिकार दिया गया है। इसमें झारखंड, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, गुजरात, हरियाणा, तमिलनाडु और मेघालय सहित कई राज्यों की मान्यता प्राप्त कंपनियां शामिल हैं, जिससे यह साफ होता है कि सरकार राष्ट्रीय स्तर पर निजी भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। तेज होगी परियोजनाओं की रफ्तार : कोयला मंत्रालय के मुताबिक, निजी कंपनियों के आने से कोयला ब्लॉकों की खोज में तेजी आयेगी।

व्यवसायी से 2।7 करोड़ की साइबर ठगी करने वाला साइबर फ्रॉड गिरफ्तार

लातेहार, एजेंसी। लातेहार के चंदवा के एक व्यवसायी से इनवेस्टमेंट के नाम पर 2।7 करोड़ रुपये का साइबर फ्रॉड करने के मामले में सीआइडी की साइबर क्राइम थाना ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना से एक आरोपी अभिषेक बेरा (26 साल) को गिरफ्तार किया है। यह उत्तर 24 परगना के थाना घोला अंतर्गत मुरागच्छा (सीटी), जगबेरिया का रहनेवाला है। उसके पास से एक लैपटॉप, दो मोबाइल, तीन सिम कार्ड, पांच डेविड कार्ड समेत कई कागजात बरामद किये गये हैं। व्यवसायी ने 16 दिसंबर 2025 को रांची स्थित सीआइडी के साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। वहीं हेल्पलाइन नंबर-1930 पर शिकायत की थी। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के खाते में करीब 40 लाख रुपये फ्रीज कराये गये हैं।

फिल्मी स्टाइल में जमीनी रंजिश

घर में घुसे पचास लोग, पुलिस ने ऐसे कंट्रोल किए हालात

गिरिडीह, एजेंसी। अमूमन फिल्मों में राज-घरानों का झगड़ा दिखता है। मामला खूनी होता और कइयों की जान चली जाती है। गिरिडीह में भी कुछ ऐसी ही कहानी को अंजाम देने का प्रयास किया गया। हालांकि समय पर स्थानीय लोगों के जुट जाने और समय पर पुलिस के पहुंचने से स्थिति को कंट्रोल कर लिया। यह मामला मुफ्फसिल थाना इलाके के लेदा से जुड़ा हुआ है।

दरअसल, लेदा के पूर्व मुखिया बासुदेव नारायण सिंह (टिकैत परिवार) के घर पर उसके ही गोतिया (दूसरे गांव के रहने वाले) के लोगों ने हमला बोल दिया। लगभग 45-50 की संख्या में आए महिला पुरुष ने पूर्व मुखिया के पुत्र को बंधक बना लिया। पूरे घर पर कब्जा करने और मारपीट किए जाते ही पूर्व मुखिया की बहू ने शोर मचाया तो लेदा गांव के दर्जनों लोग जुट गए। इस दौरान लोगों ने ग्रामीणों पर भी धावा बोल दिया, जिसमें दो ग्रामीण घायल हो गए।

इधर, मामले की सूचना मिलते ही गश्ती दल मौके पर पहुंची। गश्ती दल के पहुंचने के बावजूद पूर्व मुखिया के घर के अंदर दाखिल हुए लोग पुलिस की सुनने को तैयार नहीं थे। चूंकि गश्ती दल में पदाधिकारी एक ही थे और बाकी जवान थे और हमलावरों की संख्या अधिक थी। वहीं, ग्रामीणों की भीड़ भी लगातार बढ़ती जा रही थी।

ऐसे में इसकी सूचना गश्ती दल के पदाधिकारी ने तुरंत ही मुफ्फसिल इंस्पेक्टर को दी। हालांकि इससे पहले ही इंस्पेक्टर श्याम ने पूरी घटना से एसपी डॉ बिमल उसके बाद एसडीपीओ जीतवाहन उरांव को अवगत कराते हुए थाना के कई पदाधिकारी के साथ महिला और पुलिस बल को लेकर निकल चुके थे। थानेदार के साथ पुलिस की अतिरिक्त टीम मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया।

दूसरी तरफ पूर्व मुखिया के घर पर हमला होने की सूचना पर लेदा के लोगों की भीड़ जमा हो चुकी थी। सभी इस घटना से आक्रोशित थे और हमलावरों के घर से निकलने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि मौके पर पहुंचे थाना प्रभारी ने न सिर्फ हमला करने वाले सभी लोगों को हिरासत में लिया बल्कि आक्रोशित जनता को भी शांत करवाया। यह भरोसा दिया कि हमला करनेवालों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। थानेदार के आश्वासन के बाद लोग शांत हुए।

मुफ्फसिल इंस्पेक्टर श्याम किशोर महतो ने बताया कि टिकैत परिवार से जुड़े दो वंशज रामेश्वर प्रसाद सिंह और ईश्वरी प्रसाद सिंह के बीच निबंधित डीड के माध्यम से मौजा का बंटवारा दशकों पहले हो चुका था। रामेश्वर प्रसाद सिंह (लेदा के पूर्व मुखिया बासुदेव नारायण सिंह के पूर्वज) को लेदा और गुरो मौजा मिला था। जबकि ईश्वरी प्रसाद सिंह (धीरेन सिंह के पूर्वज) को चेंगरबासा मौजा मिला था। इसके बावजूद जमीन को लेकर रंजिश जारी है। एक पक्ष का लगातार कहना है कि जमीन का लिखित बंटवारा नहीं हुआ है। इसी बात को लेकर विवाद किया जाता है।

वहीं, मुफ्फसिल इंस्पेक्टर सह थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पूर्व मुखिया के घर पर उनके ही गोतिया (दूसरे गांव में रहने वाले) धीरेन सिंह व उनके घरवालों ने हमला बोल दिया था। यह सब जमीन के विवाद से जुड़ा हुआ मामला है। दो दिन पहले भी धीरेन सिंह और उनके घरवालों ने इस तरह की हरकत एक तालाब को लेकर की थी। चूंकि साजिश के तहत इस घटना को अंजाम दिया गया। मामला गंभीर हो सकता था लेकिन पुलिस कप्तान के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई की गई और बड़ी घटना को टाला जा सका। आगे इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है और दोषियों को जेल भेजा जाएगा।

कांके सीआईपी के निजी सुरक्षाकर्मियों ने झामुमो से नौकरी बचाने की लगाई गुहार

रांची, एजेंसी। केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान कांके में निजी सुरक्षाकर्मियों की जगह होमगार्ड के जवानों की तैनाती का विरोध हो रहा है। जिसको लेकर शनिवार को निजी गार्ड्स का प्रतिनिधिमंडल ने राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा से मामले में हस्तक्षेप की मांग की है। रांची स्थित झामुमो केंद्रीय कैंप कार्यालय में केंद्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान कांके के सुरक्षाकर्मियों का एक प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान में 156 सुरक्षाकर्मियों को हटाकर होमगार्ड को रखे जाने के विरोध में एक मांगपत्र पार्टी के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय को सौंपा है।

इस गंभीर विषय पर निजी सुरक्षागार्डों की पूरी बातों को ध्यानपूर्वक सुनकर झामुमो नेता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि हालांकि सीआईपी भारत सरकार का संस्थान है। बावजूद इसके वह उनकी सभी बातों को सरकार के स्तर पर रखकर, समाधान का आग्रह पार्टी स्तर से करेंगे। सीआईपी के निजी सुरक्षाकर्मियों के प्रतिनिधिमंडल के साथ मुख्य रूप से झामुमो रांची मंडली सदस्य सोनू मुंडा, कांके प्रखंड अध्यक्ष नवीन तिर्की और अन्य उपस्थित रहे।

झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय महासचिव से फरियाद लगाने वाले निजी सुरक्षाकर्मियों ने कहा कि दरअसल, सीआईपी प्रबंधन ने पिछले दिनों यह निर्णय लिया था कि सीआईपी की सुरक्षा का जिम्मा अब निजी सुरक्षा गार्ड की जगह होमगार्ड्स को सौंपी जाएगी। उसी फैसले के तहत करीब 156 निजी सुरक्षाकर्मियों की जगह होमगार्ड्स के जवानों की तैनाती की गई है। अब बेरोजगार हुए निजी गार्ड्स इस पूरे मामले में झामुमो से हस्तक्षेप करने की मांग कर रहा है। जिससे की उनका घर-परिवार का गुजारा चलता रहे।

डायन-बिसाही के आरोप में पलामू के पांकी में एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या, दो गंभीर

पलामू, एजेंसी। झारखंड के पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र अंतर्गत आसेहार पंचायत के कुसड़ी गांव पुरानी बथान में अंधविश्वास ने एक बार फिर खौफनाक रूप ले लिया। डायन-बिसाही के आरोप में पति, पत्नी और बेटे की निर्मम हत्या कर दी गयी, जबकि दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। इस दिल दहला देने वाली वारदात के बाद पूरे गांव में दहशत और आक्रोश का माहौल है।

मृतकों की पहचान विजय भुईया (उम्र लगभग 45 वर्ष), उनकी पत्नी कलिया देवी (40 वर्ष) और 17 वर्षीय बेटे छोटू भुईया के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, महेशी भुईया की हालिया मृत्यु के बाद उनके पुत्र प्रमोद भुईया और रविन्द्र भुईया ने गांव के ही कुछ लोगों पर डायन-बिसाही कराने का आरोप लगाया था। यही आरोप धीरे-धीरे आपसी विवाद और फिर हिंसा में बदल गया।

इस हिंसक घटना में ममता कुमारी (14 वर्ष) और पुत्रवधू नीतू देवी (25 वर्ष) गंभीर रूप से घायल हो गयीं। दोनों को तत्काल पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है। डॉक्टरों की टीम लगातार निगरानी में इलाज कर रही है।

ग्रामीणों का आरोप है कि घटना की सूचना मिलने के बावजूद पांकी थाना पुलिस करीब चार घंटे बाद घटनास्थल पर पहुंची। इस दौरान मौके पर केवल चौकीदार मौजूद था। पुलिस की इस देरी को लेकर ग्रामीणों में भारी रोष देखा गया। लोगों का कहना है कि समय पर पुलिस पहुंचती तो शायद स्थिति इतनी भयावह नहीं होती।

ग्रामीणों ने बताया कि इलाके में डायन-बिसाही और अंधविश्वास को लेकर पहले भी तनाव की स्थिति बनती रही है। कमजोर जागरूकता, अशिक्षा और आपसी रंजिश अक्सर ऐसे मामलों को हिंसक रूप दे देती है। यह घटना इसी सामाजिक समस्या का भयावह उदाहरण मानी जा रही है।

घटना के बाद से गांव में डर का माहौल बना हुआ है। कई परिवार अपने घरों में दुबके हुए हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। साथ ही इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाने और अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाने की भी मांग उठी है।

सीबीआई ने सेना के हवलदार समेत दो गिरफ्तार, अवैध निर्माण के लिए ले रहे थे रिश्वत

रांची, एजेंसी। सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने झारखंड की राजधानी रांची में सेना के एक जवान सहित दो को गिरफ्तार किया है। पूरा मामला सेना की जमीन पर निर्माण से जुड़ा हुआ है।

सीबीआई के द्वारा दी गई आधिकारिक जानकारी के अनुसार एजेंसी ने डिफेंस लैंड यूनिट में तैनात एक आर्मी हवलदार और उसके एक निजी सहयोगी को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह मामला कथित तौर पर सेना की जमीन पर निर्माण कार्य को फिर से शुरू करने की अनुमति से जुड़ा है, जो भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों को सामने लाता है।

मामले की जांच 30 जनवरी 2026 को दर्ज एक शिकायत से हुई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी हवलदार ने उससे डिफेंस लैंड पर चल रहे निर्माण कार्य को पूरा करने या फिर से शुरू करने की अनुमति के बदले कुल 5 लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी। जांच एजेंसी के अनुसार, हवलदार ने पहले ही 13 जनवरी 2026 को शिकायतकर्ता से 50,000 रुपये ऐंठ लिए थे। इसके बाद उसने किश्तों में बाकी पैसों की डिमांड की। आखिरकार, 30 जनवरी को वह 50,000 रुपये की अगली किश्त लेने को तैयार हो गया। सीबीआई ने शिकायत के आधार पर तत्काल जाल बिछाया। ट्रैप के तहत आरोपी हवलदार और उसके निजी सहयोगी को शिकायतकर्ता से निर्धारित राशि मांगते और लेते ही दबोच लिया गया दोनों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कराया गया है।

गिरफ्तारी के बाद दोनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तारी के साथ ही सीबीआई की टीम ने दोनों आरोपियों के आवासीय परिसरों पर छापेमारी की, तलाशी में महत्वपूर्ण सबूत भी बरामद हुए हैं।

लातेहार में कोयला लदी मालगाड़ी डिरेल, पांच डब्बे पटरी से उतरे, गार्ड घायल

लातेहार, एजेंसी। जिले के बरियातू थाना क्षेत्र अंतर्गत फूलबसिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित कोयला साइडिंग पर कोयला लदी मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे विभाग की टीम घटनास्थल पर पहुंचकर राहत कार्य में जुट गई है। संभावना है कि शुक्रवार की देर शाम तक राहत कार्य पूरा हो जाएगा। रेलवे विभाग के सीएलआई सुनील कुमार ने घटना की पुष्टि की है।

दरअसल, टोरी- शिवपुरी रेलवे लाइन के फूलबसिया रेलवे स्टेशन के पास स्थित कोयला साइडिंग में मालगाड़ी पर कोयला लोड कर रवाना किया जा रहा था। इसी बीच अचानक मालगाड़ी की पांच बोगियां पटरी से उतर गई। इस कारण कोयला साइडिंग के पास यातायात प्रभावित हो गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद रेलवे की राहत टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची और मालगाड़ी की बोगियों को पटरी पर लाने का कार्य शुरू किया गया। रेलवे विभाग के सीएलआई सुनील कुमार ने बताया कि राहत कार्य शुरू कर दिया गया है। जल्द ही मालगाड़ियों का परिचालन सामान्य हो जाएगा।

बताया जाता है कि इस घटना में मालगाड़ी के गार्ड को हल्की चोट आई है। हालांकि उन्हें प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर इलाज के लिए बाहर भेज दिया गया है। बताया जाता है कि कोयला लेकर मालगाड़ी जैसे ही साइडिंग से बाहर निकलने लगी, वैसे ही मालगाड़ी की बोगियां पटरी से उतर गई। गनीमत रही कि इस घटना में किसी तरह की जान-माल की कोई क्षति नहीं हुई। यहां बताते चलें कि टोरी- शिवपुरी रेलवे लाइन का उपयोग सिर्फ मालगाड़ी परिचालन के लिए ही किया जाता है। बड़ी आबादी होने के बावजूद इस रूट पर एक भी पैसेंजर ट्रेन नहीं चलाई जाती है। हालांकि कुछ दिन पहले रेलवे विभाग के द्वारा पैसेंजर ट्रेन परिचालन को लेकर ट्रायल की गई थी, लेकिन उसके बाद मामला ठंडे बस्ते में चला गया। इधर, मालगाड़ी की बोगियों को बेपटरी होने के बाद रेलवे साइडिंग पर मालगाड़ी का परिचालन प्रभावित जरूर हुआ, लेकिन इस रूट पर एक भी पैसेंजर ट्रेन नहीं चलने के कारण आम लोगों को इससे कोई परेशानी नहीं हुई।

फुसरो नगर परिषद के वार्ड 22 और 23 की हालतः बुनियादी सुविधाओं का घोर अभाव, सड़कें और पानी बनीं लोगों की मुख्य समस्याएं

बोकारो, एजेंसी। नगर निकाय चुनावों की घोषणा के साथ ही चुनावी सरगर्मी तेज हो गई है। जहां उम्मीदवार अपनी उम्मीदवारी पेश कर रहे हैं, वहीं जनता भी मौजूदा समस्याओं को लेकर अपनी शिकायतें और चिंताएं जाहिर करने के लिए तैयार है। बोकारो जिले के फुसरो नगर परिषद के वार्ड 22 और 23 में लोग बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं।

वार्ड 22 के ब्लॉक कॉलोनी और शास्त्री नगर में, सड़कों पर अतिक्रमण के कारण कई मोहल्ले और गलियां इतनी संकरी हो गई हैं कि चार पहिया वाहन, या आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस भी वहां नहीं पहुंच सकतीं। इसके अलावा, नज जल योजना के लिए खोदे गए जगहों को ऐसे ही छोड़ दिया गया है।

पिछले वार्ड पार्षद भरत वर्मा ने दावा किया कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान जनता का पूरा ख्याल रखा। उन्होंने कहा कि उन्हें जो भी योजनाएं मिलीं, उन्हें धरातल पर उतारा गया। उन्होंने यह भी बताया कि कोरोना महामारी के कारण कई योजनाएं रुक गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने महामारी के दौरान लोगों को कोरोना वैक्सीन दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया और अपने तीन साल के बढ़े हुए कार्यकाल के दौरान भी लोगों की सेवा करते रहे। निवर्तमान पार्षद भरत वर्मा के अनुसार, इलाके में काफी काम हुआ है, लेकिन जमीनी हकीकत उनके विकास कार्यों की अलग ही कहानी बयां करती है।

वार्ड 23 में भी स्थिति ऐसी ही है, जहां हालात और भी खराब हैं। बाटा गली वार्ड 23 की मुख्य सड़क है। जहां सुधार का काम चल रहा था। लेकिन इसे भी पाइप बिछाने के लिए पूरी तरह से खोद दिया गया। फिर जनता के भारी विरोध के बाद बिना ठीक से लेवलिंग किए ही ढाल दिया गया। नतीजतन, अब पानी की पाइपलाइन भी नीचे चला गया है और पाइप जाम होने के बाद उसकी सफाई भी नहीं हो सकती। स्थानीय निवासियों ने विरोध भी किया, लेकिन उनके प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला।

वार्ड 23 के शांति नगर में सड़कों और पानी की सप्लाई की समस्याएं गंभीर बनी हुई हैं। शांति नगर में मुख्य समस्या सभी नालियों का जाम होना है, जिससे बारिश के मौसम में लोगों के घरों में पानी भर जाता है। इस मुद्दे को लेकर नगर परिषद कार्यालय में कई विरोध प्रदर्शन और धरने दिए गए। हालांकि, अध्यक्ष और कार्यपालक अधिकारी द्वारा आश्वासन जरूर दिया गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ।

इस मामले में, शांति नगर के निवासियों ने निवर्तमान वार्ड पार्षद नीरज पाठक के प्रति अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि वे आने वाले चुनावों में उन्हें सबक सिखाएंगे।

राजमहल की उत्तर वाहिनी गंगा में लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी, मरांग बुरू का जलाभिषेक

रांची, एजेंसी। झारखंड के साहिबगंज जिले के राजमहल में आयोजित राजकीय माघी पूर्णिमा मेला 2026 (आदिवासी महाकुंभ) के अवसर पर रविवार को उत्तर वाहिनी गंगा तट आस्था और श्रद्धा का विशाल केंद्र बन गया। झारखंड के अलावा बिहार, पश्चिम बंगाल, ओडिशा और नेपाल से आए लाखों आदिवासी एवं गैर-आदिवासी श्रद्धालुओं ने गंगा के विभिन्न घाटों पर पावन स्नान कर पुण्य अर्जित किया। पूरे क्षेत्र में हर-हर गंगे और पारंपरिक आदिवासी मंत्रोच्चार की गूंज सुनाई देती रही।

गंगा तट पर विदिन समाज सुसार बैसी की ओर से पारंपरिक अखाड़ा के साथ अस्थायी मांझी थान और जाहेर थान का निर्माण किया गया। धर्मगुरु अभिराम मरांडी और भुगलू मरांडी के नेतृत्व में समाज के अनुयायियों ने गंगा स्नान के बाद मांझी थान में मरांग बुरू (भगवान शिव स्वरूप) को स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजा के दौरान पूरे परिसर में आदिवासी संस्कृति की झलक देखने को मिली।

आदिवासी श्रद्धालु गंगा की पावन धारा में स्नान कर पीतल के लोटे में जल भरते हैं और गंगा में खड़े होकर सफा होड़ समुदाय द्वारा सूर्य देव 'चांदो बोंगा' की सामूहिक पूजा

करते हैं। मान्यता है कि सूर्य देव के बिना पृथ्वी पर जीवन संभव नहीं है और हर जीव में उन्हीं की कृपा निहित है। माघी पूर्णिमा के दिन श्रद्धालु 24 घंटे का उपवास रखते हैं, रात भर जागरण करते हैं और भोर में सूर्य को जल अर्पित करते हैं।

सूर्य पूजन के पश्चात श्रद्धालु अपने-अपने धर्मगुरुओं के अखाड़ों में पहुंचते हैं। यहां अस्थायी रूप से स्थापित मांझी थान में शिव-पार्वती और जाहेर थान में जाहेर आयो को गंगाजल अर्पित किया जाता है। श्रद्धालु समृद्धि, खुशहाली और निरोगी जीवन की कामना करते हैं। यह पूरी प्रक्रिया सामूहिक और अनुशासित रूप से संपन्न होती है।

साफा होड़ समुदाय संथाल समाज का ही एक अंग है, लेकिन उनकी धार्मिक मान्यताएं कुछ अलग हैं। जहां पारंपरिक संथाल धर्म में मरांग बुरू, जाहेर एरा, गोसाईं एरा और मोड़ें के तुरुई को प्रमुख देवता माना जाता है, वहीं साफा होड़ समुदाय सूर्य देव, विष्णु, महेश, शिव और राम को भी मान्यता देता है। यह समुदाय विशुद्ध संथाल परंपरा के भीतर रहकर एकेश्वरवाद की अवधारणा को अपनाता है।

साफा होड़ समुदाय सादा जीवन और शुद्ध आचरण के लिए जाना जाता है। यह समुदाय मांस भक्षण, मदिरापान और धूम्रपान से परहेज करता है। सादा वस्त्र, सरल खान-पान और अनुशासित जीवनशैली इसकी पहचान है। समुदाय के लोग दूसरों के घरों में भी सहजता से भोजन नहीं करते और आत्मसंयम को सर्वोच्च मानते हैं।

साफा होड़ धर्मगुरु अपने अखाड़ों के माध्यम से समाज को हिंसा, नशापान और जीव हत्या से दूर रहने का संदेश देते हैं। जलकुंड या जलाशयों में सूर्य देव की पूजा के साथ-साथ मरांग गुरु, पिल्चू हाड़म, पिलिचुरी बूढ़ी और जाहेर थानों की आराधना की जाती है। घरों में तुलसी पिंड और शिव का त्रिशूल स्थापित करना भी इस परंपरा का हिस्सा है।

साफा होड़ आंदोलन की जड़ें 1874 के खेरवार (साफा होड़) आंदोलन से जुड़ी हैं, जिसका नेतृत्व भागीरथ मांझी, लाल हेंब्रम और पाइका मुर्मू ने किया था। इस आंदोलन ने संथाल समाज में एक ईश्वरवाद, स्वच्छ जीवन और नशामुक्ति का संदेश फैलाया। आंदोलन को व्यापक जनसमर्थन मिला, लेकिन ब्रिटिश शासन के दमन और 1855 के संथाल हूल के बाद यह धार्मिक सुधार आंदोलन तक सीमित रह गया।

वर्तमान में राजमहल की उत्तर वाहिनी गंगा में उमड़ने वाले साफा होड़ श्रद्धालु खुद को भागीरथ मांझी के अनुयायी मानते हैं। माघी पूर्णिमा का यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक चेतना, इतिहास और सामाजिक सुधार की जीवंत मिसाल भी है। राजमहल का यह आदिवासी महाकुंभ एक बार फिर साबित करता है कि गंगा तट केवल स्नान का स्थल नहीं, बल्कि आदिवासी अस्मिता, परंपरा और सामाजिक मूल्यों का जीवंत संगम है।

संक्षिप्त समाचार

संत सम्राट शिरोमणि संत रविदास साहिब जी का भविष्य यात्रा निकाला गया

साहिबगंजःसंत सम्राट शिरोमणि रविदास साहिब जी ने रविवार को भव्य शोभा यात्रा निकाला गया शोभा यात्रा में महादेवगंज जीरवखबडी रसूलपुर डाला यह सभी जगह से एक भव्य शोभा यात्रा निकाला गया आज सवार भ्रमण करते हुए कभी आश्रम तक पहुंचा वहीं कभी आश्रम में सभी का भव्य स्वागत किया गया है अल्पाहार जल शरबत शोभा यात्रा में शामिल रविंद्र दास जमुना दास शंभू दास सीताराम दास चिंकू दास कैलाश दास श्याम दास राजू दास मनोज दास बबलू दास विक्रम दास वार्ड पार्षद पति अर्चना देवी कल्पना देवी पूनम देवी बीना देवी करुणा देवी संध्या देवी चांद मुनि देवी पिंकी देवी आशा देवी ऐसे सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु इस संघ सम्राट सद्गुरु संत रविदास जी के शोभा यात्रा में शामिल होकर शहर भ्रमण किया गया।

घर में घुसकर अज्ञात व्यक्ति ने नाबालिक किशोरी पर जानलेवा हमला किया

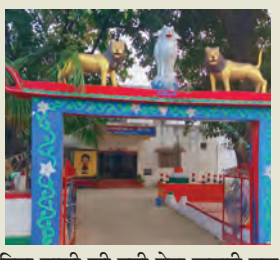

साहिबगंज /कोटालपोखर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक अज्ञात व्यक्ति ने घर में घुसकर नाबालिग किशोरी पर जानलेवा हमला किया। घटना बीते दिन शुक्रवार की रात्रि करीब 07:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम कोटाल पोखर निवासी हिना माली की पुत्री नेहा कुमारी उस समय घर के किचन में खाना बना रही थी, जबकि छोटा भाई मोबाइल पर गेम खेल रहा था। इसी दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने आंगन के रास्ते से घर में प्रवेश कर पीछे से नेहा का सिर पकड़कर किचन के स्लैब पर जोर से पटक दिया। हमलावर ने किशोरी का स्वेटर फाड़कर उसके मुंह में ठूंस दिया और उसी स्वेटर से गला दबाते हुए उसे घसीटकर सीढ़ी तक ले गया, जहाँ वह बेहोश हो गई।कुछ देर बाद जब हिना की माँ शौचालय से लौटीं और बेटी को किचन में नहीं पाया, तो खोजबीन शुरू की गई। अंततः किशोरी घर की सीढ़ी पर मूर्छित अवस्था में खून से लथपथ मिली। परिजनों ने देखा कि उसके दोनों हाथों और सिर पर धारदार नुकीले हथियार से किए गए कई जख्म के निशान थे।होश में आने के बाद नेहा कुमारी ने बताया कि हमलावर मोबाइल पर किसी से बात करते हुए कह रहा था कि आज काम नहीं हुआ, किसी ने देख लिया है, यहां से भागते हैं और इसके बाद वह छत से कूदकर फरार हो गया। किशोरी के अनुसार, सीढ़ी पर पड़ा खून हमलावर का भी हो सकता है। घटना के बाद पूरे परिवार में दहशत का माहौल है। पीड़िता के पिता शंकर माली, जो घटना के समय जरूरी कार्य से अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) में थे, सूचना मिलते ही जर्नल टिकट से लंबी यात्रा कर घर लौटे।पीड़ित परिवार ने प्रशासन से घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। इस गंभीर घटना ने क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं।

आदिवासी महाकुंभ राजकीय माघी मेला का साहिबगंज डीसी एसपी ने किया निरीक्षण

साहिबगंज :राज्य के आदिवासी महाकुंभ राजकीय माघी पूर्णिमा मेला की तैयारियों का जायजा लेने के लिए रविवार को जिला के डीसी हेमंत सती एवं एसपी अमित कुमार सिंह ने मेले का निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने मेले की समुचित व्यवस्था,सुरक्षा प्रबंधों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं का बारीकी से अवलोकन किया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान मेला प्रवेश द्वार,पार्किंग व्यवस्था, गंगा घाट पर बैराकेटिंग व्यवस्था,अस्थायी पंडाल, नियंत्रण कक्ष,मीडिया कक्ष और सांस्कृतिक कार्यक्रम स्थल का भी जायजा लिया। राजकीय माघी मेले में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जा रहा है। पदाधिकारियों ने मंच, ध्वनि व्यवस्था, दर्शक दीर्घा और प्रतिभागियों की सुविधाओं का निरीक्षण किया और कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी राजमहल बिमल सोरेन, मुख्यालय डीएसपी विजय कुशवाहा, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल विमलेश त्रिपाठी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बड़हरवा तालझारी नितिन खंडेलवाल उपस्थित थे।

नगर निकाय चुनाव में झामुमो ने घोषित किया अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को समर्थन

साहेबगंज। झारखंड मुक्ति मोर्चा केंद्रीय समिति के निर्देशानुसार साहेबगंज जिला अंतर्गत नगर निकाय चुनाव को लेकर जिला समिति ने अध्यक्ष पद के प्रत्याशियों को समर्थन देने की घोषणा की है। यह जानकारी जिला अध्यक्ष अरुण सिंह द्वारा दी गई।घोषणा के अनुसार साहेबगंज नगर पालिका से रामनाथ पासवान उर्फ छोटू पासवान, राजमहल नगर पंचायत से किताबुद्दीन शेख उर्फ भुट्टो तथा बरहरवा नगर पंचायत से बबीता कुमारी को झामुमो का आधिकारिक समर्थन प्राप्त होगा।जिला अध्यक्ष अरुण सिंह ने बताया कि पार्टी के सभी नगर एवं प्रखंड कमेटी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया गया है कि पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में एकजुट होकर कार्य करें तथा उन्हें विजय दिलाने में पूरी ताकत झोंक दें।उन्होंने कहा कि नगर निकाय चुनाव में पार्टी की नीतियों और जनसमर्थन को मजबूती देने के लिए सभी कार्यकर्ताओं की सक्रिय भूमिका आवश्यक है।

साहिबगंज में एन आर पी सेंटर ने मनाया अपना 27वां वार्षिक खेल महोत्सव

संवाददाता

साहिबगंजः बच्चों का सर्वांगीण विकास हेतु पठन-पाठन के अतिरिक्त खेलकूद में व्यापक रूचि होनी चाहिए। इस उद्देश्य में आज दिनांक 01.02.2026 रविवार पुलिस लाइन मैदान में चैती दुर्गा साहेबगंज स्थित शहर के नामचीन एकेडमिक स्कूल संस्थान एन आर पी सेंटर द्वारा अपना वार्षिक खेल महोत्सव मनाया। बच्चों ने अपने पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लेकर अपनी खेल प्रतिभा का परिचय दिया। इसके पहले प्राचार्य मनोज कुमार झा के उद्घोष के पश्चात् मुख्य अतिथि प्रो डॉ रणजीत कुमार सिंह, प्राचार्य माडल कालेज राजमहल, विशिष्ट अतिथि प्रो सुबोध कुमार झा 'आशु', डा दिवाकर झा,डा दीनानाथ झा, एडवोकेट जनार्दन साह ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ किया। तत्पश्चात् मुख्य अतिथि प्रो रंजीत के शुभाषिर्वचन के बाद मार्च पास्ट कमांडर राजीव कुमार के नेतृत्व में एक मंत्रमुग्ध, उमंग और जोश भरने वाला बच्चों के ड्रम टीम के साथ एक पैरेड से संपूर्ण मैदान का चक्कर लगाते हुए अतिथियों को सैल्यूट देते हुए स्वागत किया और अतिथियों ने भी बच्चों को सैल्यूट करते हुए उनके अभिवादन स्वीकार किया। अपने उद्बोधन में प्रो रणजीत ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास हेतु हमें उनके शैक्षणिक नैतिक विकास के साथ साथ खेल के क्षेत्र में भी भाग ले ऐसा उनमें भावना उत्पन्न करने की आवश्यकता है। आगे उन्होंने कहा कि छात्रों के लिए शुद्ध थाली, आक्सीजन, अच्छी नींद और खेल स्वस्थ जीवनशैली का आधार है।इसी क्रम में सभी बच्चों ने खेल भावना के साथ सभी इवेंट में शामिल होकर अपनी प्रतिभा को दिखाने का भरपूर प्रयास किया। विभिन्न प्रतिस्पर्धा में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथियों द्वारा पुरस्कृत किया गया। विभिन्न प्रतिस्पर्धा में बच्चों को पुरस्कृत किया गया।200m दौड़ सीनियर छात्रों के लिए प्रथम अतुकांत कुमार, द्वितीय आयुष अंसारी तथा तृतीय सोनू यादव;200m सीनियर गर्ल्स दौड़ में प्रथम अनुप्रिया कुमारी, द्वितीय स्नेहा कुमारी तथा तृतीय कोमल कुमारी।बाक़ी सभी इवेंट में बच्चों को पुरस्कृत किया गया। खेल महोत्सव सम्पन्न कराने में स्कूल के स्टाफ नवल किशोर झा, दिलरंजन झा, सुनील झा, संध्या कुमारी, किरण झा,शिवबालक झा, स्वाति कुमारी, शिवानी कुमारी, प्रशांत कुमार, सुधा कुमारी आदि ने मुख्य भूमिका निभाई। सभी इवेंट के बाद प्राचार्य मनोज कुमार झा ने धन्यवाद ज्ञापित कर वार्षिक खेल महोत्सव के समापन की घोषणा की।

सीनियर क्रिकेट लिग टूर्नामेंट में नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब ने 7 विकेट से जीता मैच

संवाददाता

साहिबगंज :जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहतरविवार को राजमहल बी बनाम नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के बीच मैच खेला गया।राजमहल सीनियर ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 112 रन बना कर ऑल आउट हो गई। मो इस्बाहुल हक़ ने 52 व राजुकमार घोष ने 22 रन की पारी खेली। नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के गेंदबाज सूरज राज, सोनू कुमार साह, अभिषेक कुमार ने 3-3 विकेट लिए।जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब ने 12.3 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 114 रन बना कर 7 विकेट से जीत दर्ज की। राहत रजा ने 52, अश्विन यादव ने 22 व बन्नी मंडल ने 15 रन बनाए। राजम सीनियर के गेंदबाज हलीम, राजकुमार व साहिल ने 1-1 विकेट लिए। नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के खिलाड़ी सोनू कुमार साह को मैन ऑफ दी मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ रणजीत कुमार सिंह ने सोनू साह को मैन ऑफ दी मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग हयातुल्लाह व तारीक अनवर ने किया। जबकि स्कोरिंग श्याम रंजन ने किया। मौके पर प्रो सुबोध झा, जिला क्रिकेट संघ सचिव अंकुर सिन्हा,टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम, चंदन यादव सहित अन्य मौजूद थे। टूर्नामेंट इंचार्ज मो अशफाक आलम ने बताया कि सोमवार को माही ब्लू बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच मैच खेला जाएगा।

सम्पूर्णता अभियान 2.0 के तहत प्रखंड मंडरो में कार्यक्रम आयोजित किया गया

संवाददाता

साहिबगंजः सम्पूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत आकांक्षी प्रखंड मंडरो एवं आकांक्षी जिला साहिबगंज के चयनित 6 इंडिकेटर लक्ष्यों की शत-प्रतिशत प्राप्ति हेतु एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन सांस्कृतिक भवन, मंडरो में किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पशुपालन सहित विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों में निर्धारित लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करना रहा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री धनंजय सोरेन, माननीय विधायक, बोरियो विधानसभा क्षेत्र उपस्थित रहे। उनके साथ जिला योजना पदाधिकारी एवं प्रखंड विकास पदाधिकारी, मंडरो ने संयुक्त रूप से सभी इंडिकेटरों पर विस्तृत चर्चा की। वक्ताओं ने बताया कि भारत सरकार द्वारा इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए 3 माह की समय-सीमा निर्धारित की गई है, जिसे सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए सभी विभागों के पदाधिकारी, कर्मियों, जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों का सक्रिय सहयोग आवश्यक है।इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि अभियान को जन-जन तक पहुँचाने एवं सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए सभी पंचायतों में विशेष ग्राम सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। उपस्थित अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों एवं ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे सम्पूर्णता अभियान 2.0 में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुए लक्ष्यों को शत-प्रतिशत पूर्ण करने में योगदान दें।कार्यक्रम में अनूप कुमार, जिला योजना पदाधिकारी; मेघनाथ उरांव, प्रखंड विकास पदाधिकारी, मंडरो; प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी; मनीष कुमार, आकांक्षी प्रखंड फेलो (नीति आयोग); अभिषेक कुमार; रजिया बेगम; अभिषेक आनंद, बीपीओ-मनरेगा; एहसान अहमद, बीपीओ-शिक्षा; अमन भारती, बीपीओ-स्वास्थ्य; मिथुन, संजय, आशित ऑपरेटर सहित प्रखंड के पंचायत सचिव, जनसेवक, रोजगार सेवक, आंगनवाड़ी सेविका एवं सहायिका, स्वास्थ्य सहिया तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थितजनों ने संकल्प लिया कि सामूहिक प्रयासों से सम्पूर्णता अभियान 2.0 के सभी लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जाएगा।

झारखंड स्थापना दिवस को लेकर झामुमो की प्रखंड स्तरीय बैठक

संवाददाता

बरहेट। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत झामुमो प्रखंड कार्यालय, बरहेट में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष सह प्रमुख बर्नार्ड मरांडी ने की।बैठक को संबोधित करते हुए श्री मरांडी ने सभी पंचायत अध्यक्षों, सचिवों एवं सम्मानित कार्यकर्ताओं से 2 फरवरी को आयोजित झारखंड स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह दिन झारखंड की अस्मिता और संघर्ष का प्रतीक है, जिसमें अधिक से अधिक संख्या में कार्यकर्ताओं की भागीदारी आवश्यक है।वहीं प्रखंड सचिव मुजिबुर रहमान ने जानकारी दी कि 2 फरवरी को झारखंड स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने के लिए पार्टी की ओर से सभी पंचायतों के कार्यकर्ताओं हेतु बस की व्यवस्था की गई है। सभी कार्यकर्ता बसों के माध्यम से दुमका प्रस्थान करेंगे। बैठक में जिला परिषद अध्यक्ष सह झामुमो नेत्री मोनिका किस्कू, जिला संगठन सचिव छवि हेंब्रम, जिप सदस्य जेठा मुर्मू, सुनिराम हांसदा, लुखिराम हेंब्रम, सुनील सोरेन, अब्दुल मजीद, एजाज अंसारी, शमीम अंसारी, गुंजन सिंघानिया, पुसा टुडू, लड्डू भगत, बाबुधन टुडू, मुश्ताक अंसारी, कौशर अंसारी, बेला किस्कू, सेलिना मरांडी सहित सभी पंचायतों के अध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सम्मानित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

माघी पूर्णिमा पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु ने लगाई आस्था की डुबकी

संवाददाता

साहिबगंज।जिले के विभिन्न गंगा नदी के घाटों पर रविवार को माघी पूर्णिमा के मौके पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगाई।जहाँ गंगा घाट पर माघी पूर्णिमा के दिन हजारों हजार की संख्या में महिला एवं पुरुष गंगा स्नान के लिए पहुंचे। वहीं माघ मास में राजकीय माघी मेला शुरू हुई इस अवसर पर उत्तरवाहिनी गंगा में स्नान करने की परंपरा है।इसके लिए सफाहोड़ आदिवासी और विदिन समुदाय के लोग बड़ी संख्या में राजमहल पहुंचे राजमहल अनुमंडल के इस राजकीय माघी मेले में कई राज्यों से सफाहोड़ आदिवासी पहुंचे थे। ये आदिवासी समुदाय सफेद कपड़े पहनते हैं और पूजा करते समय नाचते- गाते हैं। वहीं साहिबगंज शहर के स्थित मुक्तेश्वर बिजली सीढी गंगा घाट में भी सुबह से ही लोगों की भीड़ लगी रही और आस्था की डुबकी श्रद्धालुओं ने लगाई इसके बाद सूर्य मंत्र का जाप करके सूर्य देव को जल अर्पित किया। कहा जाता है कि माघ पूर्णिमा के दिन सुबह स्नान करके पीपल के पेड़ पर जल चढ़ाना और घी का दीपक जलाने से घर में सुख समृद्धि होती है।इधर नगर थाना की ओर से पुलिस प्रशासन की कड़ी व्यवस्था की गई है। ताकि किसी प्रकार की अप्रिय घटना ना घटे किसी प्रकार की कोई भी समस्या उत्पन्न ना हो और श्रद्धालुओं को दिक्कतों का सामना न करना पड़े नगर थाना क्षेत्र में पुलिस प्रशासन की कड़ी व्यवस्था की गई थी।

जीरवाबाड़ी तुरी टोला में माघी काली मां का पूजा भव्य रूप से मनाया गया

संवाददाता

साहिबगंजः जिला के जिरवाबाड़ी तुरी टोला क्षेत्र अंतर्गत माघी काली पूजा का भव्य आयोजन किया गया। वही मंदिर के भगत जितेंद्र कुमार तुरी से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि माघी काली मंदिर का स्थापना 2003 में हुआ है और हर साल माघी काली पूजा का आयोजन माघी पूर्णिया में भव्य रूप से किया जाता है। वही इस साल भी रविवार 30 जनवरी 2026 को माघी काली मां का पट खुला और 31 जनवरी को रात्रि में निशा पूजा का आयोजन भगत जितेंद्र कुमार तुरी के द्वारा किया गया। जहां 1 फरवरी को गंगा से स्नान कर बली पूजा एवं हवन किया गया और पूजा देखने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ से मंदिर खचाखच भरा हुआ था। पूजा संपन्न होने के बाद संध्या में बली प्रसाद खाने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ उमड़ पड़ी। जहां 2 फरवरी को मेला में काली मां की प्रतिमा को देखने के लिए श्रद्धालुओं का भीड़ से भरा रहेगा। वही मंदिर के भगत ने बताया कि 3 फरवरी को प्रतिमा दिन में ही उठेगा और पूरे मोहल्ले में घूमाते हुए क्वार्टरगंज रोड होते हुए कॉलेज रोड, बड़तल्ला रोड होते हुए शकुंतला गंगा घाट में प्रतिमा का विसर्जन संध्या में किया जाएगा। हर साल मंदिर के भगत जितेंद्र कुमार तुरी अपने हाथों से ही माघी काली मां का प्रतिमा बनाते हैं। मंदिर के भगत के हाथों में कला का अद्भुत वास है और उनके गला में भी सरस्वती का वास है। जो भी श्रद्धालु अपने जीवन में दुखी होकर मंदिर में भगत के पास जाते हैं, भगत सभी का निस्वार्थ भाव से उधार करते हैं और सही रास्ता पर सभी को चलने के लिए बताते हैं। भगत अपना जीवन काली मां के चरणों एवं भक्ति में समर्पित कर दिया है।

साहिबगंज एवं तीनपहाड़ रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप के माध्यम से डिजिटल टिकटिंग जागरूकता अभियान आयोजित

संवाददाता

साहिबगंजःडिजिटल इंडिया मिशन की भावना के अनुरूप, पूर्व रेलवे के मालदा मंडल द्वारा यात्रियों की सुविधा में वृद्धि हेतु डिजिटल सेवाओं को सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है। मनीष कुमार गुप्ता, मंडल रेल प्रबंधक, मालदा के मार्गदर्शन तथा श्री कार्तिक सिंह, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, मालदा के पर्यवेक्षण में आज, 01 फरवरी 2026 को साहिबगंज एवं तीनपहाड़ रेलवे स्टेशनों पर रेलवन ऐप डिजिटल टिकटिंग जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।अभियान के दौरान यात्रियों को भारतीय रेल के एकीकृत ऑल-इन-वन डिजिटल प्लेटफॉर्म रेलवन ऐप के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई, जिसके माध्यम से अनेक यात्री सुविधाएं एक ही मोबाइल एप्लिकेशन पर उपलब्ध हैं।इस अवसर पर वाणिज्य निरीक्षकों एवं टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा यात्रियों से संवाद स्थापित कर उन्हें रेलवन ऐप डाउनलोड करने, मोबाइल में इंस्टॉल करने तथा पंजीकरण (रजिस्ट्रेशन) प्रक्रिया को मौके पर ही पूर्ण कराने में सहयोग प्रदान किया गया। यात्रियों को ऐप के माध्यम से टिकट बुकिंग की सरल एवं चरणबद्ध जानकारी भी दी गई।अभियान के दौरान स्टेशन परिसर में यात्रियों के मोबाइल फोन में स्वयं ऐप डाउनलोड कराकर उनका सफल पंजीकरण कराया गया तथा ऐप के उपयोग में आने वाली आवश्यक जानकारियाँ व्यावहारिक रूप से समझाई गईं। इस पहल के माध्यम से आसान, कागजरहित, नकदरहित एवं कतार-मुक्त टिकटिंग प्रणाली के लाभों पर विशेष जोर दिया गया।अभियान के दौरान रेलवन ऐप की प्रमुख विशेषताओं एवं लाभों से यात्रियों को अवगत कराया गया। एक ही प्लेटफॉर्म के माध्यम से आरक्षित एवं अनारक्षित टिकटों की बुकिंग।लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, पीएनआर स्थिति एवं कोच पोजीशन की जानकारी। प्लेटफॉर्म टिकट की डिजिटल बुकिंग सुविधा।डिजिटल भुगतान के माध्यम से अनारक्षित टिकटों पर 3% की छूट।आर-वॉलेट रिचार्ज पर 3% बोनस की सुविधा खानपान सेवाएं, रिफंड आवेदन, रेल मदद एवं यात्रा फीडबैक की सुविधा।यात्रियों को समय की बचत, पर्यावरण संरक्षण एवं सुगम यात्रा अनुभव को ध्यान में रखते हुए रेलवन ऐप के अधिकाधिक उपयोग हेतु प्रेरित किया गया।डिजिटल इंडिया की परिकल्पना के अनुरूप, मालदा मंडल की यह पहल यात्री सेवाओं के आधुनिकीकरण एवं यात्री-केंद्रित सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में उसकी निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

संक्षिप्त समाचार

आत्मनिर्भर भारत और सशक्त समाज की दिशा में ऐतिहासिक बजट : आनंद शंकर

संवाददाता पलामू : केंद्र का बजट सरकार की उस दूरदर्शी सोच का प्रतिबिंब है, जिसका लक्ष्य उद्योग, युवा, गरीब और महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाकर एक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत का निर्माण करना है। यह बजट केवल आंकड़ों का दस्तावेज़ नहीं, बल्कि अवसरों और संभावनाओं का रोडमैप है। उद्योग और एमएसएमई को नई गति देते हुए इन क्षेत्रों को विशेष प्राथमिकता दी गई है। छोटे एवं मध्यम उद्योगों को आसान ऋण, क्रेडिट गारंटी, तकनीकी उन्नयन, स्टार्ट-अप समर्थन और स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन देने वाले प्रावधानों से रोजगार सृजन को नई रफ्तार मिलेगी। इससे न केवल स्थानीय उद्यम मजबूत होंगे, बल्कि मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल को भी बल मिलेगा। युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार एवं युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास, तकनीकी प्रशिक्षण, स्टार्ट-अप संस्कृति, नवाचार और स्वरोज़गार से जुड़ी योजनाओं को बजट में मजबूती दी गई है। शिक्षा, डिजिटल स्किल और रोजगारपरक प्रशिक्षण पर ज़ोर देकर सरकार ने भविष्य के भारत की मजबूत नींव रखी है। गरीबों के लिए आवास, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े प्रावधान यह दर्शाते हैं कि सरकार विकास को नीचे से ऊपर ले जाने के सिद्धांत पर काम कर रही है। अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक विकास पहुँचाना इस बजट की स्पष्ट प्राथमिकता है। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमिता, कौशल प्रशिक्षण और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने वाले प्रावधान किए गए हैं। यह बजट महिलाओं को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि विकास की भागीदार बनाने की दिशा में एक सशक्त कदम है। रेलवे का आधुनिकरण फास्ट ट्रैक कॉरिडोर बनाना और वंदे भारत और अमृत भारत ट्रेनों की श्रृंखला को और गति और विस्तार देना रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती प्रदान करना और अतिरिक्त देना सरकार की दूरगामी नित्यम का एक संकेत है जिसके अर्थ आने वाले सालों में हमें दिखेंगे। कुल मिलाकर यह बजट समावेशी विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक मजबूती की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता को स्पष्ट करता है। यह बजट हर वर्ग को साथ लेकर चलने वाला, भरोसा जगाने वाला और भारत को विकास की नई ऊँचाइयों तक ले जाने वाला बजट है।

चुनाव से पहले पुलिस की बड़ी कार्रवाई, महुआ शराब का जखीरा ध्वस्त

संवाददाता हरिहरगंज :नगर निकाय चुनाव को लेकर क्षेत्र में शांति और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आ रहा है। इसी क्रम में हरिहरगंज थाना पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में महुआ जावा और तैयार शराब को नष्ट व जब्त किया है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने हरिहरगंज थाना क्षेत्र के शिकारपुर गांव अंतर्गत लोहड़िया पहाड़ी के जंगली इलाके में छापेमारी अभियान चलाया। इस दौरान जंगल के भीतर छिपाकर रखे गए करीब 15 ड्रम में संग्रहित लगभग 10 क्विंटल जावा महुआ बरामद किया गया। पुलिस टीम ने मौके पर ही महुआ जावा के साथ-साथ शराब बनाने में प्रयुक्त चूल्हा, ड्रम, पाइप और अन्य उपकरणों को विनष्ट कर दिया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 150 लीटर तैयार महुआ शराब भी जब्त की। हालांकि पुलिस के पहुंचने की भनक लगते ही अवैध शराब कारोबार से जुड़े धंधेबाज मौके से फरार हो गए। पुलिस द्वारा उनकी पहचान और गिरफ्तारी के लिए आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस अभियान में एसआई संतोष कुमार, राकेश कुमार, एएसआई सुनील कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि चुनाव को प्रभावित करने के उद्देश्य से अवैध शराब का निर्माण और वितरण किया जाता है, जिसे किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि नगर निकाय चुनाव को लेकर क्षेत्र में लगातार छापेमारी अभियान चलाया जाएगा। अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और कानून व्यवस्था भंग करने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

झामुमो समर्थित प्रत्याशी पूनम सिंह को जिताना पार्टी का लक्ष्य :- राजेंद्र सिंहा

संवाददाता झामुमो पलामू जिला के द्वारा जिला अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा की अध्यक्षता में नगर निकाय चुनाव को लेकर एक दिवसीय बैठक का आयोजन किया गया। जिसका संचालन केंद्रीय समिति सदस्य सह उपाध्यक्ष सनू सिद्दीकी एवं जिला सचिव रंजन चंद्रवंशी ने संयुक्त रूप से किया।जिसमें जिला, वर्ग मोर्चा के पदाधिकारीगण एवं सम्मानित वरिष्ठ नेता और सदस्यगण, मेयर प्रत्याशी पूनम सिंह एवं पूरे नगर निगम के वार्ड के कार्यकता उपस्थित हुए । जिसका मुख्य उद्देश्य पार्टी समर्थित प्रत्याशी को कैसे जिताया जाए वैग्रह रणनीति पर चर्चा हुई। मौके पर अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद सिंहा ने कहा कि भले चुनाव दलगत न हो लेकिन उससे कम भी नहीं है क्योंकि इस चुनाव के साथ पार्टी का मान सम्मान जुड़ा है चुनाव को हमलोग को बहुत मजबूती से लड़कर अपने प्रत्याशी को विजयी बनाना है जिससे लोगों को पता चले जेएमएम पलामू में कितना मजबूत है और तीन फरवरी दिन मंगलवार को स्थानीय सूर्य मंदिर हमीदगंज से नामांकन कार्यक्रम की शुरुआत होगी इसमें भारी से भारी संख्या में लोग आए और नामांकन कार्यक्रम को सफल बनाए। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से केंद्रीय समिति सदस्य सुशीला मिश्रा, हाजी शमीम, सलोनी टोप्पो, जिला उपाध्यक्ष राकेश सिन्हा, बालकिशन उरांव, असफर रब्बानी, संतोष मिश्रा, रमेश सिंह, संगठन सचिव देवानंद भारद्वाज, अनुराग सिंह, शाहबाज आलम, अखिलेश सिंह, कोषाध्यक्ष विशाल सिंहा वरिष्ठ नेता सुनील तिवारी, गोपाल सिन्हा, बबलू शाहनवाज, प्रदीप सिंह, रामनाथ चंद्रवंशी, महिला मोर्चा से संजू कुमारी, रजिया नियाजी, मंजू चंद्रा, कांति चंद्रवंशी, अंकिता वर्मा, आकांक्षा सिंहा, रिया सिंह, ज्योति देवी, सोनी गुप्ता, प्रियंका सिंह, रूपा देवी, सविता देवी, ममता देवी, लालती देवी, रीना देवी,युवा मोर्चा से सूरज कुमार, रिशु अग्रवाल रजनीश सिंह, कौशल किशोर, अरविन्द चौधरी, बबलू चौधरी, अल्पसंख्यक मोर्चा से फ़ज़ैयल अहमद, छात्र मोर्चा से सैयद फैजल, आर्यन कुमार, सोनू अहमद, साहिल अंसारी,सूफियान राणा,हसन, इसके साथ नगर निकाय चुनाव से सम्बंधित प्रखंड एवं पूरे वार्ड से प्रत्याशी सहित सैकड़ों समर्थक मौजूद हुए।

कंडा में संत रविदास जी की 649वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता

पलामू कंडा, नावा बाजार – कंडा शिव स्थान प्रांगण में नव युवक छात्र संघ के द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में समिति द्वारा बनाए गए भव्य पंडाल का उद्घाटन मुखिया नरेंद्र कुमार सिंह एवं कंडा बाजार समिति अध्यक्ष एवं समाजसेवी निरंजन राम ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया। इसके बाद संत रविदास जी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें शत-शत नमन किया गया। मुखिया नरेंद्र कुमार सिंह ने इस अवसर पर कहा कि संत रविदास जी समरसता, समानता और मानवता के अमर संदेशवाहक थे। उनकी वाणी समाज को भेदभाव मुक्त कर आत्मसम्मान, आध्यात्मिक चेतना और मानवता के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि सेवा, सौहार्द और भाईचारे की भावना से भरे उनके संदेश समाज के कमजोर और वंचित वर्गों के कल्याण के लिए हमेशा मार्गदर्शक बने रहेंगे। मुखिया ने जोर देकर कहा कि गुरु रविदास जी का समानता, प्रेम और मानवता का संदेश आज भी हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत है और हमें किसी भी प्रकार के उच्च-नीच के भेदभाव से परहेज करना चाहिए। कार्यक्रम में अमरेश सिंह, मदन राम, मुमताज खलीफा, रामअश्रय राम, शिवकुमार, रवि निरंजन राम, गौरी शंकर सिंह, विजय सिंह, शंकर दयाल शर्मा, मंदिप भुईयां, नरेश ठाकुर, सुरेश मोची, केदार राम, विजय रवि, दुबे रवि, अजय राम सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

डायन-बिसाही के शक में तीन की हत्या, दो गंभीर

संवाददाता

मेदिनीनगर, पलामू: पांकी थाना क्षेत्र के आसेहार पंचायत अंतर्गत कुसड़ी गांव (पुरानी बथान) में अंधविश्वास ने खूनी रूप ले लिया। डायन-बिसाही के शक को लेकर हुई हिंसक झड़प में तीन लोगों की निर्मम हत्या कर दी गई, जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों की पहचान विजय भुईया (45), उनकी पत्नी कलिया देवी (40) और छोटू भुईया (17) के रूप में हुई है। घायलों में ममता कुमारी (14) और नीतू देवी (25) शामिल हैं। दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए पांकी सीएचसी लाया गया, जहां से बेहतर इलाज हेतु एमएमसीएच मेदिनीनगर रेफर किया गया। जानकारी के अनुसार, महेशी भुईया की मौत के बाद उनके पुत्रों ने गांव के कुछ लोगों पर डायन-बिसाही का आरोप लगाया था। इसी विवाद के चलते यह हिंसक घटना घटी। स्थानीय लोग इस त्रासदी के पीछे ओझा-गुणी और अंधविश्वास को जिम्मेदार मान रहे हैं। सूचना मिलते ही पांकी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे मामले की छानबीन में जुट गई है।

सेवानिवृत्त प्रधान सहायक को प्रखंड सह अंचल कर्मियों ने, भावविहीन दी विदाई

संवाददाता

नावा बाजार नावा बाजार प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती रेणु बाला के अध्यक्षता में सेवानिवृत्त नावा बाजार प्रखंड के प्रधान सहायक सुधीर कुमार पासवान को विदाई व सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, उक्त मौके पर नावा बाजार प्रखंड विकास पदाधिकारी श्रीमती रेनूबाला ने विदाई समारोह में सेवानिवृत्त प्रधान सहायक सुधीर कुमार को अंग वस्त्र व माला एवं ढेर सारा गिफ्ट देकर सम्मानित किया, मौके पर श्रीमती रेणु बाला ने कहा की आज के परिवेश में निष्ठा व ईमानदारी के साथ ,सरकारी नौकरी में सेवानिवृत्त होना, एक कठिन डगर है, आज हम लोगों के बीच प्रखंड के प्रधान सहायक सुधीर कुमार सेवानिवृत्त जरूर हुए हैं,लेकिन यह हम सभी के प्रेरणा के स्रोत हैं, इनसे हमें सीख लेने की जरूरत है,जो अपने कार्यकाल में सही समय व दिशा निर्देश के साथ सभी कर्मियों व क्षेत्र के ग्रामीणों के बीच एक अच्छा समन्वय स्थापित कर, अपना एक अलग पहचान बनाई है, यह अनुकरणीय है,मैं आशा करता हूं कि,सेवानिवृत्त के बाद अपने परिवारों के साथ कुशल आनंद व स्वास्थ्य की कामना करते हुए, जरूरत पर हम लोग को मार्गदर्शन देने के लिए इंतजार रहेगा, मौके पर मनरेगा बीपीओ निर्मलकांत ठाकुर ,एई विपुल कुमार ,कनीय अभियंता शैलेश कुमार ,मिन्हाज आलम, संतोष कुमार ,पंचायती राज पदाधिकारी शिवकुमार यादव, समाजसेवी सफिर आलम ,जगदीश सिंह ,पंचायत सचिव सुरभि कुमारी, राजस्व कर्मचारी शीला पंडित, पुष्पा कुमारी, यमुना पंडा, रोजगार सेवक विकास पांडे, गोविंद पांडे ,रमाकांत तिवारी ,विद्यापति राम, सौरभ कुमार ,धर्मेंद्र कुमार ,पंकज कुमार, अंचल नाजिर, बीएफटी प्रमोद यादव सहित सैकड़ो लोग मौजूद थे ।

संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया

संवाददाता

मेदिनीनगर पलामू – मेदिनीनगर में संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की 649वीं जयंती के अवसर पर अंबेडकर नौजवान क्लब के तत्वावधान में भव्य कार्यक्रम का आयोजन अंबेडकर नगर, बरालोटा, वार्ड संख्या–04, मेदिनीनगर, जिला–पलामू में किया गया। कार्यक्रम स्थल को आकर्षक रूप से सजाया गया था तथा गुरु रविदास जी की प्रतिमा/चित्र पर श्रद्धालुओं द्वारा माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कार्यक्रम में नगर निगम मेदिनीनगर के प्रथम उपमहापौर एवं उनकी पत्नी मेयर प्रत्याशी श्रीमती रिंकू सिंह जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथियों ने गुरु रविदास जी को नमन करते हुए समाज में उनके विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने अपने संक्षिप्त संबोधन में कहा कि "संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अपने जीवन और विचारों से समाज को समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया। उनका दर्शन हमें जाति-भेद और ऊँच-नीच से ऊपर उठकर एक समरस एवं न्यायपूर्ण समाज के निर्माण की प्रेरणा देता है। आज के समय में उनके विचारों को आत्मसात करना अत्यंत आवश्यक है।" कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं, पुरुष एवं युवा उपस्थित रहे। आयोजन को सफल बनाने में अंबेडकर नौजवान क्लब की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कमिटी में प्रमुख रूप से—
अध्यक्षः उपेंद्र कुमार
सचिवः दीपक कुमार
कोषाध्यक्षः राकेश कुमार
सहित सभी सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

समारोह शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। अंत में आयोजन समिति द्वारा मुख्य अतिथियों एवं उपस्थित सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

प्रगति कोचिंग में 10वीं के छात्रों का भावभीना विदाई समारोह

संवाददाता

मनातू (पलामू)। प्रगति कोचिंग सेंटर, मनातू में रविवार को 10वीं कक्षा के छात्र-छात्राओं के लिए एक भव्य एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आगामी बोर्ड परीक्षा में शामिल होने जा रहे विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाना और उन्हें परीक्षा के लिए मानसिक रूप से तैयार करना था। समारोह में शिक्षकों, छात्रों और क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणादायक संबोधन के साथ हुई, जिसमें शिक्षकों ने विद्यार्थियों को परीक्षा के दौरान आत्मविश्वास बनाए रखने और तनाव से दूर रहने की सलाह दी। शिक्षकों ने कहा कि बोर्ड परीक्षा जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, लेकिन इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। निरंतर अभ्यास, सही रणनीति और सकारात्मक सोच से सफलता निश्चित रूप से प्राप्त की जा सकती है। कोचिंग सेंटर के शिक्षक संजीत यादव ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षा के बिना जीवन अधूरा है। शिक्षा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति को बेहतर इंसान और जिम्मेदार नागरिक बनाती है। उन्होंने छात्रों को अनुशासन, समय प्रबंधन और कठिन परिश्रम को जीवन का हिस्सा बनाने की सीख दी। उन्होंने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता, लगातार प्रयास और समर्पण ही ऊंचाइयों तक पहुंचाता है। शिक्षक विजय प्रसाद, संजीत कुमार यादव, राजू ठाकुर और गोविंद कुमार यादव ने भी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन देते हुए परीक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण टिप्स साझा किए। उन्होंने छात्रों को सलाह दी कि वे प्रश्न पत्र को ध्यान से पढ़ें, समय का सही उपयोग करें और पूरे आत्मविश्वास के साथ उत्तर लिखें। साथ ही, शिक्षकों ने यह भी कहा कि परीक्षा केवल ज्ञान की जांच होती है, इसे डर का कारण न बनाएं। विद्यार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और कोचिंग सेंटर के शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त किया। छात्रों ने कहा कि प्रगति कोचिंग सेंटर से उन्हें न केवल विषयों की समझ मिली, बल्कि जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा भी मिली है। अंत में सभी विद्यार्थियों को आगामी बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएं दी गईं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। समारोह का समापन उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा के साथ हुआ, जिसने छात्रों के मन में आत्मविश्वास और नई उम्मीद का संचार किया।

अवैध अफीम/पोस्ता की खेती का विनष्टीकरण

संवाददाता

मनातू थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मुर्दोही के जंगली क्षेत्र में स्थित वन भूमि पर अवैध रूप से की जा रही अफीम/पोस्ता की खेती के संबंध में कार्रवाई की गई। गुप्त सूचना के आधार पर की गई छानबीन के क्रम में यह पाया गया कि वन भूमि में करीब 12 एकड़ क्षेत्रफल में अवैध रूप से अफीम/पोस्ता की फसल लगाई गई थी। उक्त सूचना के सत्यापन के पश्चात विधिवत कार्रवाई करते हुए संपूर्ण अवैध फसल को मौके पर ही विनष्ट किया गया। उक्त विनष्टीकरण अभियान में मनातू थाना के पदाधिकारी एवं चक पिकेट के पदाधिकारी, मनातू थाना/चक पिकेट के जवान तथा वन विभाग की टीम संयुक्त रूप से शामिल रही। अवैध अफीम की खेती में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है। संबंधित व्यक्तियों का नाम-पता सत्यापन किया जा रहा है। वन विभाग द्वारा इस मामले में वन अधिनियम के अंतर्गत वन वाद दर्ज कर विधि-सम्मत कार्रवाई की जाएगी

केशवर विश्वकर्मा की 11वीं पुण्यतिथि धूमधाम से मनाई गई

संवाददाता

पलामू कंडा में स्वतंत्रता सेनानी केशवर विश्वकर्मा की 11वीं पुण्यतिथि बड़े धूमधाम से मनाई गई। कार्यक्रम में कंडा पंचायत मुखिया नरेंद्र सिंह, पूर्व जिला पार्षद अनुज राम, राजद प्रखंड अध्यक्ष उपेन्द्र चौधरी, गांधी आश्रम अध्यक्ष युगेश्वर साहू मुख्य रूप से उपस्थित रहे। सभी ने सामूहिक रूप से माल्यार्पण कर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुखिया नरेंद्र सिंह ने कहा कि धन्य है हमारा कंडा गांव, जहां एक नहीं बल्कि 10 लोग स्वतंत्रता सेनानी रहे। केशवर विश्वकर्मा के नेतृत्व में इन स्वतंत्रता सेनानियों ने देश की आजादी की लड़ाई लड़ी और जेल गए। उन्होंने कहा कि आज हम सबको इनके मार्गदर्शन पर चलने की आवश्यकता है, तभी इन वीर स्वतंत्रता सेनानियों को सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकेगी। कार्यक्रम में मुखिया प्रतिनिधि अमरेश सिंह, मदन राम, पूर्व उपमुखिया गिरजा शंकर राम, महेंद्र सिंह, संतोष प्रसाद गुप्ता, जयगोविंद साव, मुमताज खलिफा, भोला साव, गौरीशंकर सिंह, सत्यनारायण विश्वकर्मा, अवतार साव, सुकन यादव, रमेश विश्वकर्मा, शंकर दयाल शर्मा, नितिश चंद्रवंशी, पुजारी विश्वकर्मा, काशी नरेश विश्वकर्मा, दीपक विश्वकर्मा, नरेश ठाकुर, गौरीशंकर विश्वकर्मा, विनय सिंह, विनोद ठाकुर समेत सैकड़ों महिला और पुरुष शामिल होकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

संत शिरोमणि रविदास जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा विद्यालय परिसर

संवाददाता

हरिहरगंज. जनता विकास मंच के द्वारा बाबू जगजीवन राम नेशनल फाउंडेशन के सहयोग से रविवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस विद्यालय, हिरही में संत शिरोमणि रविदास जयंती समारोह श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग, शिक्षक, छात्र एवं अभिभावक शामिल हुए. कार्यक्रम का शुभारंभ बतौर मुख्य अतिथि प्रिया गुप्ता, अभय अलबेला, तुलसी कुमारी, वार्डन शिखा रानी, जनता विकास मंच के सचिव मृत्युंजय मेहता एवं अध्यक्ष श्याम सुंदर मेहता द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया. अतिथियों ने संत शिरोमणि रविदास के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कृष्णा राम ने किया. वही जनता विकास मंच के सचिव मृत्युंजय मेहता सहित अतिथियों ने कहा कि संत रविदास के विचार आज भी समाज को सही दिशा देने का कार्य करते हैं और युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेनी चाहिए. कार्यक्रम में विद्यालय के बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए. बच्चों ने गीत, नृत्य और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से संत रविदास के विचारों को जीवंत रूप में मंच पर प्रस्तुत किया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा. बच्चों के उत्साहवर्धन के लिए चित्रांकन, भाषण और गायन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया. प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को संस्था की ओर से मेडल, मोमेंटो एवं अन्य पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया. आयोजकों ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम बच्चों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं और उनमें आत्मविश्वास बढ़ाते हैं. कार्यक्रम में रौशन कुमार, दीपक कुमार, कृष्णा कुमार सहित विद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी, छात्र एवं क्षेत्र के गणमान्य लोग उपस्थित रहे. समारोह के अंत में सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों की संख्या में लोगों ने भाग लेकर आयोजन को सफल बनाया. आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ.

संत रविदास की 649वीं जयंतीः सीताकट्टा में भव्य शोभायात्रा और खेलकूद के साथ गूँजा 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' का जयघोष

संवाददाता

जामताड़ा/करमाटांड़।/ राजकुमार"मन चंगा तो कठौती में गंगा" के कालजयी संदेश के साथ समाज में समानता और भाईचारे की अलख जगाने वाले महान संत शिरोमणि रविदास जी की 649वीं जयंती रविवार को करमाटांड़ प्रखंड के सीताकट्टा गाँव में अत्यंत श्रद्धा और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आयोजित इस समारोह में न केवल सीताकट्टा बल्कि आसपास के दर्जनों गाँवों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। समारोह का शुभारंभ संत रविदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। इसके उपरांत सीताकट्टा दास पाड़ा से एक विशाल शोभायात्रा निकाली गई। ढोल-नगाड़ों और भक्ति गीतों के साथ निकली यह शोभायात्रा सीताकट्टा दास पाड़ा से शुरू होकर मेन बाजार, गणपत चौक, हनुमान मंदिर तक गई। इसके बाद रेलवे लाइन पार करते हुए सरस्वती शिशु विद्या मंदिर पहुँची और अंत में वापस दास पाड़ा में आकर संपन्न हुई। शोभायात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र संत रविदास के जयकारों से गूंज उठा। समारोह के दौरान आयोजित सभा में वक्ताओं ने संत रविदास जी के जीवन और दर्शन पर प्रकाश डाला। ग्रामीणों ने बताया कि वाराणसी में सन् 1398 में जन्मे संत रविदास ने अपना पूरा जीवन समाज में व्याप्त जात-पात और छुआछूत जैसी कुरीतियों को मिटाने में लगा दिया। उनके आध्यात्मिक वचनों ने पूरे संसार को एकता और प्रेम के सूत्र में पिरोने का काम किया। वे केवल एक संत नहीं, बल्कि एक महान समाज सुधारक थे जिनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास जी से जुड़ी प्रसिद्ध लोककथा का उल्लेख करते हुए बताया गया कि वे जूते सिलते हुए भी ईश्वर की भक्ति में लीन रहते थे। जब एक महिला ने उन्हें गंगा स्नान की सलाह दी, तो उन्होंने अपनी चमड़ा भिगोने वाली कठौती (लकड़ी का पात्र) की ओर इशारा करते हुए कहा था— "मन चंगा तो कठौती में गंगा"। कथा के अनुसार, जब उन्होंने उसी कठौती से उस महिला की खोई हुई सोने की झुलनी (आभूषण) निकाल कर दी, तो लोग उनके आध्यात्मिक तेज और शुद्ध मन की शक्ति को देखकर दंग रह गए। जयंती के इस शुभ अवसर पर केवल धार्मिक अनुष्ठान ही नहीं, बल्कि युवाओं और बच्चों के लिए खेलकूद प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। ग्रामीणों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से नई पीढ़ी को महापुरुषों के विचारों से जुड़ने का अवसर मिलता है। इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में सीताकट्टा के कई जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों और बड़ी संख्या में ग्रामीणों का सराहनीय योगदान रहा। सुरक्षा और व्यवस्था बनाए रखने में स्थानीय युवाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई।

'छुट्टी के दिन भी शिक्षा की अलख': बीईईओ मिलन घोष ने घर-घर जाकर अभिभावकों को जगाया, बच्चों को स्कूल भेजने की अपील

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। रविवार, जो आमतौर पर अवकाश का दिन होता है, जामताड़ा के कुंडहित प्रखंड में शिक्षा के प्रति समर्पण की एक नई मिसाल पेश की गई। प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी (BEEO) मिलन कुमार घोष ने रविवार को भी विश्राम न करते हुए उत्क्रमित मध्य विद्यालय हल्दीडीह के पोषक क्षेत्र में घर-घर जाकर जागरूकता अभियान चलाया। उन्होंने अभिभावकों को शिक्षा का महत्व समझाया और बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। अभिभावकों के साथ सौहार्दपूर्ण संवाद करते हुए बीईईओ मिलन घोष ने कहा कि शिक्षा केवल साक्षरता नहीं है, बल्कि यह बच्चों में ज्ञान, बुद्धि, संस्कार, विनम्रता और सच्चरित्र जैसे सद्गुणों का संचार करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि बच्चे नियमित स्कूल जाएंगे, तभी उनके अंदर छिपी प्रतिभा निखरेगी और वे एक बेहतर भविष्य का निर्माण कर सकेंगे। जागरूकता अभियान के दौरान ग्रामीणों को विद्यालय में मिलने वाली विभिन्न सुविधाओं और सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया गयाः

निःशुल्क सुविधाएंः बच्चों को मुफ्त किताबें, कॉपियां, पेंसिल, स्कूल यूनिफॉर्म और मिड-डे मील (MDM) उपलब्ध कराया जा रहा है।

सीधा लाभ (DBT): सरकारी योजनाओं की राशि सीधे बच्चों के बैंक खातों में (DBT के माध्यम से) भेजी जाती है।

मेधा छात्रवृत्तिः पढ़ने में तेज बच्चों के लिए मेधा छात्रवृत्ति जैसी परीक्षाएं आयोजित होती हैं, जिससे उन्हें आगे की पढ़ाई में आर्थिक मदद मिल सके।

स्थानीय संस्थानः अब बच्चों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे जिले या राज्यों में जाने की जरूरत नहीं है, सरकार द्वारा जिले में ही उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान खोले जा रहे हैं।

बीईईओ की बातों से ग्रामीण काफी प्रभावित हुए। अभिभावकों ने न केवल बच्चों को नियमित विद्यालय भेजने का संकल्प लिया, बल्कि नए नामांकन बढ़ाने में भी सहयोग का आश्वासन दिया। रविवार के दिन भी घर-घर पहुंचकर शिक्षा की अलख जगाने की इस पहल की क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि शिक्षा विभाग के अधिकारियों की ऐसी सक्रियता से निश्चित रूप से सरकारी स्कूलों की स्थिति और बच्चों के भविष्य में सुधार आएगा। इस विशेष जागरूकता अभियान में बीईईओ मिलन कुमार घोष के साथ विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रणब कुमार एवं सीआरपी हिमाद्रि मंडल मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

हरि नाम संकीर्तन से गूंजा भांगाहीडः कुंजविलास के साथ 24 प्रहर महायज्ञ का भव्य समापन

संवाददाता

जामताड़ा/कुंडहित। जामताड़ा जिले के कुंडहित प्रखंड अंतर्गत पालाजोडी पंचायत के भांगाहीड गांव में आयोजित 24 प्रहर हरिनाम संकीर्तन का रविवार को 'कुंजविलास' के साथ भक्तिपूर्ण समापन हो गया। सरस्वती पूजा के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष आयोजित होने वाले इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरा क्षेत्र भक्ति के रस में सराबोर रहा। संकीर्तन के अंतिम दिन पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले से आए सुप्रसिद्ध कीर्तन गायक सुभदीप बनर्जी ने अपनी मधुर वाणी से श्रद्धालुओं को निहाल किया। उन्होंने आध्यात्मिक प्रवचन देते हुए कहा कि कलयुग के इस कठिन समय में जीव के उद्धार का एकमात्र मार्ग हरि नाम संकीर्तन ही है। श्री गौर हरि (महाप्रभु) ने संकीर्तन को ही मोक्ष का सरल रास्ता बताया है। उन्होंने बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को सच्चे मन से प्रभु की भक्ति करने और हरि नाम का श्रवण करने की प्रेरणा दी, ताकि जीवन में सुख-शांति का वास हो सके। 24 प्रहर (तीन दिन) तक चले इस अखंड महायज्ञ का समापन 'कुंजविलास' की रस्म के साथ हुआ। इस दौरान पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल रहा। दूर-दराज के गांवों से आए सैकड़ों भक्तों ने भगवान के चरणों में मत्था टेका और सुख-समृद्धि की कामना की। सामूहिक रूप से गाए जा रहे "हरे कृष्ण हरे राम" के उद्घोष से वातावरण शुद्ध और आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस धार्मिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला परिषद सदस्य भजहरी मंडल एवं स्थानीय मुखिया गीता पहाड़िया उपस्थित रहे। अतिथियों ने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज में आपसी सद्भाव और धार्मिक चेतना जागृत होती है। संकीर्तन को सफल बनाने में भांगाहीड कीर्तन कमेटी के सदस्य काजल गोराई, सपन मंडल, संदीप रजक, सेमल गोराई, छोटन गोराई और वापी गोराई ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनके अथक परिश्रम और ग्रामीणों के सहयोग से यह भव्य आयोजन निर्विघ्न संपन्न हुआ। समापन के अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने महाप्रसाद ग्रहण किया।

ज्ञान और संस्कृति का अनूठा संगमः डाँड़पूजा गाँव में धूमधाम से मनाया गया 'बिंदु चंदन बोंगा बुरू' उत्सव

संवाददाता

जामताड़ा/फतेहपुर। जिले के फतेहपुर प्रखंड अंतर्गत डाँड़पूजा गाँव में रविवार, 1 फरवरी 2026 को माघ पूर्णिमा के पावन अवसर पर पारंपरिक 'बिंदु चंदन बोंगा बुरू' पूजा का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास के साथ किया गया। संताल समाज में इस पर्व को ज्ञान, विद्या और कला की देवी के आराधना पर्व के रूप में मनाया जाता है। आदिवासी संस्कृति में 'बिंदु चंदन' को ज्ञान का प्रतीक माना जाता है, जो काफी हद तक सरस्वती पूजा के समतुल्य है। पूजा की मुख्य रस्म नायकी बाबा (पुजारी) किसान हेंब्रम द्वारा संपन्न कराई गई। उन्होंने पारंपरिक विधि-विधान से पूजा-अर्चना करते हुए गाँव की सुख-शांति, समृद्धि और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस दौरान वातावरण पारंपरिक मंत्रोच्चार और भक्तिमय ऊर्जा से सराबोर रहा। धार्मिक अनुष्ठान के साथ-साथ इस वर्ष का आयोजन सामाजिक जागरूकता का केंद्र भी बना। कार्यक्रम के दौरान संताली भाषा की 'ओल चिकी' लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू के योगदान को याद किया गया। उपस्थित ग्रामीणों और प्रबुद्ध जनों ने सर्वसम्मति से संकल्प लिया कि वे अपनी मातृभाषा और लिपि के प्रचार-प्रसार के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करेंगे। वक्ताओं ने कहा कि अपनी भाषा और लिपि को बचाना ही समाज की असली पहचान को अक्षुण्ण रखना है। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति महेश टुडू, कालेश्वर हांसदा और अलिश हेंब्रम सहित भारी संख्या में ग्रामीण महिला-पुरुष और युवा उपस्थित रहे। आयोजन का मुख्य उद्देश्य नई पीढ़ी को अपनी जड़ों, परंपराओं और शिक्षा के महत्व से जोड़ना था। डाँड़पूजा गाँव में आयोजित इस उत्सव ने यह संदेश दिया है कि आदिवासी समाज अपनी प्राचीन संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के साथ-साथ आधुनिक शिक्षा और अपनी भाषाई पहचान (ओल चिकी) के प्रति पूरी तरह सजग है। यह आयोजन आस्था और बौद्धिक चेतना का एक जीवंत उदाहरण बनकर उभरा।

एकता और संगठन विस्तार का संकल्पः मसलिया में सामाजिक जागरूकता युवा संगठन का भव्य वन भोज संपन्न

संवाददाता

दुमका/मसलिया। सामाजिक सरोकारों और युवाओं को एकजुट करने के उद्देश्य से कार्यरत 'सामाजिक जागरूकता युवा संगठन, मसलिया' द्वारा रविवार, 1 फरवरी 2026 को एक भव्य सामूहिक वन भोज का आयोजन किया गया। बड़ियाबाद डुण्गरी (दलाही-सांपचाला रोड) के सुरम्य और प्राकृतिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य संगठन के सदस्यों के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना और संगठनात्मक मजबूती को नई धार देना था। संगठन के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया कि इस वन भोज का उद्देश्य केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं था, बल्कि यह एक 'संवाद मंच' के रूप में आयोजित हुआ। प्रकृति की गोद में सदस्यों ने संगठन के मूल सिद्धांतों— सामाजिक जागरूकता, एकता और जनहित पर गहन विचार-विमर्श किया। आपसी परिचय और संवाद के माध्यम से सदस्यों में विश्वास और सहयोग की भावना को और प्रगाढ़ करने का प्रयास किया गया। इस आयोजन की सबसे बड़ी उपलब्धि संगठन का विस्तार रही। संगठन की कार्यशैली और सामाजिक उद्देश्यों से प्रभावित होकर क्षेत्र के कई नए युवाओं ने 'सामाजिक जागरूकता युवा संगठन' की सदस्यता ग्रहण की। नए सदस्यों का जुड़ना इस बात का संकेत है कि मसलिया क्षेत्र में युवाओं के बीच सामाजिक परिवर्तन की लहर तेज हो रही है।

कार्यक्रम का सफल संचालन और मार्गदर्शन संगठन की कोर कमेटी द्वारा किया गया, जिसमें मुख्य रूप से शामिल थेः

श्री शिवनाथ बेसरा (अध्यक्ष)
श्री प्रभाकर हांसदा (सचिव)
श्री रविंद्र सोरेन (कोषाध्यक्ष)
श्री मनोरंजन हांसदा (उप सचिव)
श्री रंजीत हांसदा (उप कोषाध्यक्ष)
श्री राजाधन हेंब्रम (मीडिया प्रभारी)

वन भोज को सुव्यवस्थित बनाने में महेंद्र हेंब्रम, देवानंद बेसरा, राजेश मरांडी, मुनिलाल टुडू, प्रकाश टुडू, प्रमोद मुर्मू, बाबुधन मुर्मू, रूबिन हांसदा, एंथोनी किस्कू, कैशालपति किस्कू, लाइलेन हेंब्रम, गणेश मुर्मू, फिलिप सोरेन, कालीपद हांसदा, विकाश टुडू, बाबुधन हांसदा, राजेश सोरेन, रामलाल मुर्मू, अरविंद हेंब्रम, दिलीप सोरेन, बिमल हांसदा, अजय सोरेन और जुनून हेंब्रम सहित अन्य सक्रिय सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संगठन की केंद्र कमेटी ने पुराने सदस्यों की निष्ठा की सराहना की और नए साथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। कमेटी ने आह्वान किया कि सभी सदस्य एकजुट होकर समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता फैलाएं और एक सकारात्मक सामाजिक परिवर्तन के लिए निरंतर संघर्षरत रहें।

साहेबगंज सीनियर क्रिकेट लीगः राहत रज़ा के अर्धशतक और सोनू साह की घातक गेंदबाजी से जीता नेताजी सुभाष क्लब, राजमहल 'बी' को 7 विकेट से दी मात

संवाददाता

साहेबगंज। जिला क्रिकेट संघ के तत्वाधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में आयोजित सीनियर क्रिकेट लीग टूर्नामेंट में रविवार को एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। इस मैच में नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर राजमहल 'बी' को 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। मैच की शुरुआत में राजमहल 'बी' ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। हालांकि, नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के गेंदबाजों की धारदार गेंदबाजी के सामने राजमहल के बल्लेबाज ज्यादा देर टिक नहीं सके और पूरी टीम 20 ओवर में 112 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। राजमहल की ओर से मो. इस्बाहुल हक़ ने शानदार 52 रनों की पारी खेली, जबकि राजकुमार घोष ने 22 रनों का योगदान दिया। नेताजी सुभाष क्लब की ओर से गेंदबाजी में सूरज राज, सोनू कुमार साह और अभिषेक कुमार ने घातक प्रदर्शन करते हुए 3-3 विकेट चटकाए और विपक्षी टीम की कमर तोड़ दी। 113 रनों के छोटे लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब की टीम ने आक्रामक रुख अपनाया। सलामी बल्लेबाज राहत रज़ा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 52 रन बनाए। उनके अलावा अश्विन यादव ने 22 और बन्नी मंडल ने 15 रनों की उपयोगी पारियां खेलीं। टीम ने मात्र 12.3 ओवर में 3 विकेट खोकर 114 रन बना लिए और 7 विकेट से मैच अपने नाम कर लिया। राजमहल की ओर से हलीम, राजकुमार और साहिल को 1-1 सफलता मिली। शानदार गेंदबाजी के लिए नेताजी सुभाष क्रिकेट क्लब के सोनू कुमार साह को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। मुख्य अतिथि राजमहल मॉडल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रणजीत कुमार सिंह ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मैच का सफल संचालन अंपायर हयातुल्लाह और तारीक अनवर ने किया, जबकि स्कोरिंग की जिम्मेदारी श्याम रंजन ने निभाई। इस अवसर पर प्रो. सुबोध झा, जिला क्रिकेट संघ के सचिव अंकुर सिन्हा, टूर्नामेंट इंचार्ज मो. अशफाक आलम, चंदन यादव सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित थे। टूर्नामेंट इंचार्ज मो. अशफाक आलम ने जानकारी दी कि सोमवार को लीग का अगला मैच माही ब्लू बनाम पोखरिया पैंथर्स के बीच खेला जाएगा।

नगरपालिका चुनाव 2026: जामताड़ा उपायुक्त की दो टूक— "कर्तव्य में लापरवाही पर होगी सीधी कार्रवाई", सभी कोषांगों को 'अलर्ट मोड' पर रहने का निर्देश

संवाददाता

जामताड़ा। आगामी नगरपालिका (आम) निर्वाचन 2026 को निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटिरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए जामताड़ा जिला प्रशासन पूरी तरह 'एक्शन मोड' में आ गया है। रविवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी (नगरपालिका) सह उपायुक्त श्री रवि आनंद (भा०प्र०से०) की अध्यक्षता में उनके गोपनीय आवासीय कार्यालय में सभी कोषांगों के वरीय और नोडल पदाधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सख्त तेवर अपनाते हुए स्पष्ट किया कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कार्मिक, मतपत्र, परिवहन, विधि-व्यवस्था, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण, आईटी और मीडिया सहित सभी गठित कोषांगों के कार्यों की बारी-बारी से समीक्षा की। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने कोषांगों को तत्काल पूरी तरह से 'फंक्शनल' (सक्रिय) करें। उन्होंने कहा कि आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करना अधिकारियों की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

बैठक में मतदान कर्मियों के रेंडमाइजेशन, माइक्रो ऑब्जर्वर, सेक्टर ऑफिसर और गश्ती दल की प्रतिनियुक्ति को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। उपायुक्त ने निर्देश दिया किः

मतदान कर्मियों को आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाए।

प्रशिक्षण सत्रों से अनुपस्थित रहने वाले कर्मियों के विरुद्ध तत्काल स्पष्टीकरण (Show-cause) जारी किया जाए।

यह सुनिश्चित किया जाए कि मतदान के दिन किसी भी प्रकार की तकनीकी या प्रक्रियात्मक समस्या उत्पन्न न हो।

उपायुक्त ने मतपेटिकाओं की रंगाई-पुताई और उनके रेंडमाइजेशन की प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का निर्देश दिया। साथ ही, उन्होंने सभी मतदान केंद्रों पर न्यूनतम मूलभूत सुविधाओं (AMF) जैसे— पेयजल, शौचालय, रैंप, बिजली, पंखे और प्रकाश की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आदेश दिया। उन्होंने अधिकारियों से बूथों के चिन्हांकन और युक्तिकरण पर विस्तृत प्रतिवेदन भी मांगा।

चुनाव में पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त ने निम्नलिखित कड़े निर्देश दिएः

1. चेकपोस्टः जिले के सभी चेकपोस्टों को तत्काल क्रियाशील करें।
2. सीसीटीवी निगरानीः सभी चेकपोस्टों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं और 24 घंटे उनकी मॉनिटरिंग की जाए।
3. वेबसाइट अपडेटः जिला सूचना विज्ञान पदाधिकारी (DIO) को निर्देश दिया गया कि चुनाव से संबंधित सभी आदेश और गाइडलाइन जिले की आधिकारिक वेबसाइट पर तुरंत अपलोड करें।

बैठक के समापन पर उपायुक्त श्री रवि आनंद ने कड़ा संदेश देते हुए कहा, "निर्वाचन प्रक्रिया की शुचिता बनाए रखना हमारा संवैधानिक दायित्व है। यदि किसी भी अधिकारी या कर्मी द्वारा चुनाव कार्य में लापरवाही बरती जाती है, तो उनके विरुद्ध सख्त दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।" उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे संबंधित हैंडबुक और बुकलेट का गहराई से अध्ययन कर लें ताकि किसी भी स्तर पर मानवीय त्रुटि की गुंजाइश न रहे। इस महत्वपूर्ण बैठक में अनुमंडल पदाधिकारी श्री अनंत कुमार, उप निर्वाचन पदाधिकारी श्री विजय कुमार, जिला पंचायत राज पदाधिकारी श्री पंकज कुमार रवि, जिला शिक्षा पदाधिकारी श्री चार्ल्स हेंब्रम, जिला शिक्षा अधीक्षक श्री विकेश कुणाल प्रजापति, जिला खनन पदाधिकारी श्री मिहिर सालकर, नगर पंचायत कार्यपालक पदाधिकारी श्री सोमा खंडेत, डीआईओ श्री संतोष कुमार घोष सहित अन्य विभागों के वरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुनाफा बढ़ाती रबी की प्याज

रबी मौसम के लिए उन्नत किस्में

एग्रीफाउण्ड लाइट रेड– शल्क कंद मध्यम आकार के गोलाकार तथा हल्के लाल रंग के होते हैं। भण्डारण क्षमता अच्छी होती है। रोपाई के 120–125 दिन बाद तैयार होकर 300–325 क्विं./हे. उत्पादन देती है।

एग्रीफाउण्ड व्हाइट

शल्क कंद आकर्षक सफेद, गोलाकार, व्यास 4–5 सेमी होती है। भण्डारण क्षमता मध्यम, रोपाई के 125–130 दिन में तैयार होकर 200–250 क्विं/हे. उत्पादन देती है। यह निजर्लीकरण के लिए बहुत उपयुक्त किस्म है।

पूसा रत्नार

कंद रोपाई के 125 दिन बाद खुदाई योग्य हो जाते हैं एवं उत्पादन 300 क्विं/हे. मिलता है।

अर्का निकेतन

इस किस्म के कंद हल्का गुलाबी रंग लिये, अधिक तीखापन वाले होते हैं। फसल रोपाई के 145 दिन में तैयार होकर 200–250 क्विं./हे. उत्पादन देती है।

इसके अलावा पूसा सफेद गोल, पंजाब रेड गोल, एन 2–4–1, अर्का बिन्दु, एनएचआरडीएफ रेड, पूसा माधवी, अर्का कल्याण, बासवन्त 780 इत्यादि उन्नत किस्में हैं। इनके अलावा अर्का कीर्तिमान एवं अर्का लालिमा संकर किस्में भी हैं।

बीज की मात्रा 8 – 10 किलोग्राम/हे.
बीज बोने का समय अक्टूबर–नवम्बर
पौध रोपण का समय दिसम्बर–जनवरी

पौध तैयार करना

पौध तैयार करने के लिए 3 मी. लम्बी, 1 मी. चौड़ी क्यारियां बनायें। 500 वर्ग मी. क्षेत्र में या 80–100 क्यारियों में तैयार की गई पौध एक हेक्टर क्षेत्र में रोपाई के लिए पर्याप्त होती है। प्रत्येक क्यारी में 50 ग्राम डीएपी, 25 ग्राम यूरिया, 30 ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश, 20 किग्रा गोबर की खाद, 10–15 ग्राम फ्यूराडान कीटनाशक डालकर अच्छी तरह मिट्टी में मिला दें। बीजों को थायरम 3 ग्राम या बाविस्टीन 1.5 ग्राम/किलो बीज के हिसाब से उपचारित करें। बीजों को 5–10 सेमी कतार से कतार के अंतर पर 1–2 सेमी की गहराई पर बोयें। 40–50 दिन बाद पौध रोपाई के लिए तैयार हो जाती है।

पौध रोपण

रोपाई से पूर्व पौध की जड़ों को 0.1 प्रतिशत बाविस्टीन एवं 0.1 प्रतिशत डाइमिथिएट के घोल में 1–2 मिनट डुबोकर उपचारित करें। पौध 15 सेमी कतार से कतार एवं 10 सेमी पौध से पौध के अंतर से रोपाई करें।

खाद एवं उर्वरक

गोबर की खाद 200–250 क्विंटल/हे. की दर से भूमि की तैयारी के समय मिट्टी में मिलायें। क्यारियां बन जाने के बाद 100 किग्रा नत्रजन, 50 किग्रा फास्फोरस, 50 किग्रा पोटाश/हे. दें। नत्रजन की आधी मात्रा, फास्फोरस एवं पोटाश की पूरी मात्रा आधार रुप में तथा शेष आधी नत्रजन को रोपाई के

35 दिन बाद खड़ी फसल में छिटक दें। इसके अलावा 25 किग्रा सल्फर, 5 किग्रा जिंक/हेक्टर की दर से उपयोग करें। खड़ी फसल में तांबा एवं बोरान सूक्ष्म तत्वों का छिड़काव (0.2 प्रतिशत) उपयोगी पाया गया है।

निंदाई-गुड़ाई एवं खरपतवार नियंत्रण

प्याज की फसल की जड़ें उथली होती हैं तथा पौध अंतर कम होता है। जिससे निंदाई–गुड़ाई में असुविधा होती है। फिर भी पहली निराई–गुड़ाई रोपाई के 20–25 दिन पर दूसरी 45–50 दिन पर की जाती है। खरपतवारों के रसायनिक नियंत्रण के लिये स्टाम्प (पैन्डीमिथालीन) 3.0 से 3.5 ली. अथवा गोल (आक्सीफ्लोरोफेन) 800–1000 मिली/हे. का छिड़काव पौध रोपाई के 3 दिन बाद 750 ली. पानी में मिलाकर छिड़काव करने से खरपतवारों को अच्छा नियंत्रण होता है। तत्पश्चात प्याज में 35–40 दिन बाद एक निंदाई–गुड़ाई भी आवश्यक होती है।

सिंचाई

पौध रोपाई के तुरंत बाद हल्की सिंचाई एवं उसके 3–4 दिन बाद पुनः हल्की सिंचाई करें। सामान्यतः 10–12 सिंचाईयों की आवश्यकता होती है। कंद बनते समय पानी की कमी नहीं होनी चाहिए। कंद खुदाई से 15 दिन पहले सिंचाई बंद कर देनी चाहिए।

खुदाई, क्योरिंग एवं भण्डारण

प्याज की फसल सामान्यतः 140 से 160 दिन में किस्म के अनुसार खुदाई के लिए तैयार हो जाती है। जैसे ही प्याज की गांठ अपना पूरा आकार ले लेती है। एवं पत्तियां सूखने लगती हैं उसके लगभग 10–15 दिन पूर्व सिंचाई बंद कर दें। पौधों के शीर्ष को पैर से कुचल दें। इससे कंद ठोस हो जाते हैं। ऐसा करने के पूर्व मैलिक हाइड्राजाइड वृद्धि नियंत्रक रसायन के 5000 पीपीएम सान्द्रता के घोल का छिड़काव करने से भण्डारण के दौरान प्याज में फुटाव की समस्या में कमी आती है। प्याज कंदों की खुदाई करके खेत में ही कतारों में रखकर 3–4 दिनों तक सुखायें। पत्तियों के सूखने के बाद कंद से ऊपर 2–3 सेमी आधार को छोड़ते हुए पत्तियां काटकर अलग कर दें। इसके बाद बहुत छोटे, दुफाड़ तथा चोट खायें कंदों को अलग कर दें। फिर शेष बचे कंदों को छाया में 10–15 दिन तक सुखायें। भण्डार गृह हेतु मध्यम आकार की स्वस्थ और सुडोल शल्क कंदों का चुनाव करें। भण्डार गृह में वायु का आवागमन अच्छा होना चाहिए। भण्डार गृह में 25–30 डिग्री से तापमान एवं 65–70 प्रतिशत आर्द्रता पर 4–5 माह तक भंडारित किया जा सकता है। भंडारण गृह में कंदों को 2–3 मंजिल वाली रेक पर संग्रहित करना चाहिए।

पैदावार

रबी की प्याज से औसतन 200–250 क्विं./हे. पैदावार प्राप्त की जा सकती है।

आम के कीट-रोग

गुजिया कीट

इस कीट का प्रकोप फरवरी से मई-जून माह तक अधिक होता है. यह कीट पौधे की कोमल टहनियों व फूलों के डंठलों से चिपके रहते हैं और उनका रस चूसते है.

प्रबंधन– मई, जून के दिनों में पेड़ के चारों तरफ गुड़ाई करके मैलाथियान कीटनाशक भुरकाव करें. इस कीट के बचाव हेतु पेड़ के तने को चारों ओर 400 गेज की पालीथिन की पट्टी को जमीन से एक फुट की ऊंचाई पर लपेटकर सुतली से इसे बांध दें तथा निचले सिरे पर ग्रीस लगा दें. यदि इस कीट के शिशु पेड़ों पर चढ़ चुके हैं. डायमिथियेट 1 मिली लीटर की मात्रा का प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

भुनगा

यह आम का सबसे हानि पहुंचाने वाला कीट है. इस कीट के शिशु व वयस्क दोनों ही पौधे के मुलायम प्ररोहों, पत्तियों तथा फूलों का रस चूसते हैं. जिसका फूलों पर अधिक प्रभाव पड़ता है. यह कीट एक प्रकार का मीठा रस छोड़ता है जिस पर काली फफूंदी उगती है. जो पत्तियों पर काली परत जमाकर पेड़ों के प्रकाश संश्लेषण क्रिया पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है.

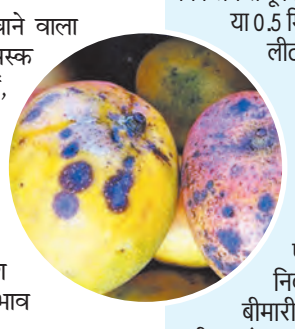

प्रबंधन– इस कीट के प्रबंधन हेतु सायपरमेथ्रिन 2 मिलीलीटर या इमिडा -क्लोप्रिड 1.5 मिलीलीटर या रोगोर 1.0 मिली लीटर की मात्रा को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

फल मक्खी

फल मक्खी कीट फल की परिपक्वता से पूर्व फलों की त्वचा के अंदर अंडे देकर क्षति पहुंचाती है. जिनमें से मैगेट निकलकर परिपक्व फलों के गूदे को अंदर ही अंदर खाते रहते हैं जिस कारण फल सड़ने लगते हैं व पकने से पूर्व जमीन पर गिर जाता है. जो कि खाने योग्य नहीं रहता है.

प्रबंधन– फल मक्खी कीट से प्रभावित फलों को इकट्ठा करके नष्ट करें व फल मक्खी की संख्या जानने एवं उसके नियंत्रण हेतु यौन गंध ट्रेप लगाना चाहिए. यदि यौन गंध ट्रेप में फल मक्खियों की संख्या बढ़ती हुई पायी जाए तो हर सप्ताह में ट्रेप के द्रव्य को बदल देना चाहिए.10 यौन ग्रंथ ट्रेप प्रति हैक्टेयर क्षेत्र के लिये पर्याप्त होते हैं. कीट के प्रकोप की अवस्था में डाइमिथियेट 1.5 मिलीलीटर मात्रा को प्रति लीटर पानी में घुलकर या कार्बोरिल 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें.

तना बेधक कीट

यह कीट तने के अंदर प्रवेश करके सुरंग बनाता है. इसके द्वारा बनाये गये छेद से लकड़ी का बुरादा, कीट की विष्ठा आदि बाहर निकलता रहता है.

प्रबंधन– प्रकाश प्रपंच के माध्यम से कीटों को आकर्षित करके नष्ट करें.कीट द्वारा ग्रसित पौधे के भाग को काटकर नष्ट कर दें. कीट द्वारा बनाये गये छेद से अंदर सल्फास की आधी गोली या मिट्टी के तेल को पिचकारी के माध्यम से अंदर डालकर छेद को गीली मिट्टी से बंद कर दें.

रोग कालवर्ण

यह रोग पौधों की शाखाओं, पत्तियों तथा फूलों के कोमल भाग पर प्रकोप करके उनको सुखाने में मदद करता है. इस रोग के कारण फलों पर काले धब्बे पड़ जाते है.

प्रबंधन– इस रोग के प्रबंधन के लिये कॉपर आक्सीक्लोराइड 2 मिलीग्राम को प्रति लीटर पानी में घोलकर या बोर्डो मिश्रण (3-3-50) का छिड़काव करें.

खर्रा दहिया

इस रोग के लक्षण पौधे की पत्तियों बौर तथा नए फलों पर पाये जाते हैं. इस रोग का विशेष लक्षण सफेद कवक या चूर्ण के रूप में प्रकट होता है. इस रोग का प्रकोप छोटे-छोटे फलों पर भी होता है जिस कारण यह फल सूखकर गिर जाते हैं. इस रोग द्वारा आम के उत्पादन 7 में लगभग 15 से 20 फीसदी की हानि होती है.

प्रबंधन – इस रोग के प्रबंधन के लिये आम में बौर निकलने से पूर्व 0.5 ग्राम सल्फर को प्रति लीटर पानी या 0.5 मिलीलीटर हैक्साकोनाजोल को प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें.

कोयलिया रोग

इस रोग के प्रकोप के कारण फल का निचला सिरा मुलायम पड़कर काला पड़ जाता है. तथा बाद में शक्त पड़ जाता है. यह रोग ईंट के भट्टे से निकले धुएं के कारण होता है. इस बीमारी का प्रकोप भुट्टे से 630 मीटर की दूरी तक देखा जाता है.

प्रबंधन– आम के बागों को ईंट के भट्टे से कम से कम 16 किलोमीटर की दूरी छोड़कर लगाना चाहिए या भट्टे की चिमनी को जमीन से 15 मीटर ऊपर उठाकर लगाना चाहिए.

बंचीटाप या गुम्मा रोग

बागवानों को आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाली व्याधियों में गुम्मा विकार का प्रमुख स्थान है. इससे टहनियों पर निकलने वाली पत्तियां तथा शाखाएं छोटी होकर गुच्छा बना लेती है और इनकी वृद्धि रुक जाती है. इसे वानस्पतिक गुच्छा कहते हैं. इसी प्रकार बौर का भी गुच्छा बन जाता है. बाद में कभी-कभी इन गुच्छों में से छोटी-छोटी पत्तियाँ निकल आती है इन गुच्छों में फल नहीं आते हैं.

प्रबंधन– इस रोग से प्रभावित भागों को काटकर नष्ट कर देना चाहिए तथा नेप्थलिन एसिटिक एसिड 200 पी.पी.एम.(2 मिली ग्राम प्रति लीटर पानी) का घोल बनाकर छिड़काव करें.

छाल खाने वाला कीट

प्रारंभ में यह कीट छाल को खरोंचकर खाती है तथा बाद में तने शाखाओं विशेषकर उनके जोड़ वाले स्थानों में छेद करके अंदर प्रवेश कर जाती है. यह कीट रात्रि के समय अधिक सक्रिय रहता है.

प्रबंधन– कीट द्वारा प्रभावित तनों, शाखाओं से जाल को अलग कर नष्ट कर देना चाहिए. सुरंगों में नुकीले तार को डालकर सुंड़ियों को मार देना चाहिए तथा सुरंगों में पेट्रोल या नुवान में रूई को भिगोकर भर दें तथा छेद को गीली मिट्टी से बंद कर दें.

सहेजें विलुप्त पशु नस्लें

भारतीय पशुओं के संवर्धन में बाधाएं

संकरित योजना

राष्ट्रीय स्तर पर पशुओं के लिए संकरित योजना न होना अच्छी नस्लों की गाय और बैलो की कमी तथा कृत्रिम वीर्य सेवा समय पर पूरे जानवरों के लिये उपलब्ध न होना।

गरीबी

भारतीय किसान आर्थिक दृष्टि से गरीब है उसके कारण ज्यादा दूध उत्पादन वाले पशु नहीं रखते हैं पशुओं को प्रतिकू ल वातावरण से बचाने के लिए अच्छी आवास नहीं बना सकना।

निरक्षरता

ज्यादातार भारतीय किसान निरक्षर हैं एवं उनके आधुनिक खाद्य, नई तकनीकियां और अच्छी आनुवंशिक नस्लो की जानकारी न होना।

कुपोषण

खाद्य तथा खाद्य सामग्री की कमी के कारण वो अच्छा पोषण अपने पशुओं को नहीं खिला पाते।

5. उचित व्यवस्था न रखना : भारत में पशुपालन को अच्छा व्यवसाय न मानने के कारण उनकी अच्छी देखभाल नहीं की जाती।

6. अच्छी सरकारी योजनाओं की कमी : सरकार द्वारा पशपालन सम्बन्धित योजनाओं में कमी।

भारतीय पशुओं के संवर्धन का मकसद

अच्छी आनुवांशिकता : देशी नस्ल हजारों सालों पहले उनके अनेक गुणों के कारण विकसित हुए हैं। उनमें प्रतिकूल वातावरण के खिलाफ रोग तथा उष्णता प्रतिरोधक बल तथा प्रति खाद्य को अन्न में रूपांतरण करने की अच्छी पाचन शक्ति है। देशी नस्ले कम दूध उत्पादन करती है। परन्तु वो बहुत सी जरूरतें अपने मालिकों की पूरी करती है और बहुत आसानी से पाली जाती है। विदेशी नस्लें ज्यादा दूध देती है परन्तु उनकी

कमजोरियों के कारण उनका ज्यादा उपयोग करना अनुवांछित समझा जाता है।

वैज्ञानिक संशोधन :

इन विभिन्न पशुओं के जातियों के संवर्धन से उपयोगी संशोधन साहित्य मिल सकता है।

आर्थिक स्थिरता

प्रतिकूल वातावरण में विदेशी नस्लें कमजोर तथा इनका उत्पादन स्तर घटाता है और विदेशी नस्लों का संकरण उसी जाति से किया जाए तो उनका दुग्ध उत्पादन बहुत कम हो जाता है।

देशी स्त्रोतों के संवर्धन के उपाय

- उचित जानकारी रखना : पशु संर्वधन से पहले यह पहचान करना जरूरी हो कि कौन सी नस्ल खतरे में है और उनका कैसे बचाव करना है।
- विभिन्न जातियों की नस्लों की संस्था बनाना : पशु संस्थाओं को आर्थिक सहयोग देना।
- गौशाला को सहयोग : गौशाला में अच्छे नस्ल के जानवर हैं उन्हें कृत्रिम वीर्य मुफ्त में दें।
- किसानों को जानकारी : किसानों को अच्छी नस्ल के बारे में जानकारी तथा आर्थिक सहयोग दें और उनको नस्ल संर्वधन के कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।
- विदेशी नस्लों का संकरण : कम उत्पादन वाले पशुओं तक सीमित रखना।
- देश के बड़े संस्थान : जैसे केन्द्रीय अनुसंधान संस्थानों, विभिन्न राज्यों के कृषि संस्थानों एवं विश्वविद्यालय में विभिन्न प्रकार के पशुओं की जातियों का संवर्धन करें।

पर्यावरण हेतु

प्रत्येक जाति के पशुओं की पर्यावरण में अहम भूमिका रहती है और उनके नष्ट होने से पर्यावरण पर विपरित परिणाम पड़ता है जो मनुष्य जाति के लिये योग्य नहीं है।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक उपयोगिता

विभिन्न पशुओं का सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व है। इसका मूल कारण यह है कि ये अपने देश की धरोहर है।

ऊर्जा का स्त्रोत

भारत में बहुत अच्छी नस्लों के बैल पाये जाते हैं जो कि खेती के कामों के लिये बहुत उपयोगी माने जाते हैं। आधुनिक ऊर्जा के स्त्रोत कुछ सालों बाद नष्ट हो जाएंगे, ऐसी स्थिति में बैलों की कार्यक्षमता ही उपयोग में आएगी। इसलिये ऐसे ऊर्जा के स्त्रोतों का संवर्धन होना चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

ई-केवाईसी नहीं कराई तो कट जाएगा नाम, प्रशासन अलर्ट, इतने लोग अब भी बाकी

सुपौल, एजेंसी। सुपौल जिले में सरकारी राशन का लाभ लेने वाले परिवारों के लिए एक जरूरी खबर है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत अब सभी राशन कार्डधारकों के लिए ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य कर दिया गया है। खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के सख्त निर्देशों के बाद जिला प्रशासन इस काम को तेजी से पूरा करने में जुटा है, ताकि राशन वितरण प्रणाली को पारदर्शी बनाया जा सके और फर्जीवाड़े को रोका जा सके।
सुपौल में अब तक 16 लाख 31 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी ई-केवाईसी पूरी कर ली है, लेकिन प्रशासन के लिए चिंता की बात यह है कि अभी भी लगभग 20 प्रतिशत लाभार्थी इस प्रक्रिया से दूर हैं। अधिकारियों का कहना है कि अगर समय रहते बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन नहीं कराया गया, तो पात्र लोग भी सरकारी अनाज की सुविधा से हाथ धो सकते हैं। इस प्रक्रिया का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सरकारी अनाज केवल उन्हीं जरूरतमंदों तक पहुंचे जो इसके असली हकदार हैं। ई-केवाईसी के जरीय अपात्र और फर्जी कार्डधारकों को सूची से बाहर कर दिया जाएगा। जिला आपूर्ति पदाधिकारी राजीव कुमार ने कहा है कि जिन लोगों का आधार कार्ड राशन कार्ड से जुड़ा तो है, लेकिन उन्होंने ई-पॉस मशीन पर अपना अंगूठा लगाकर सत्यापन नहीं कराया है, वे तुरंत अपने नजदीकी डीलर के पास जाकर इसे पूरा करें। फरवरी महीने तक यह काम पूरा न होने पर राशन मिलने में भारी दिक्कत आ सकती है। प्रशासन का मकसद किसी का राशन काटना नहीं, बल्कि व्यवस्था को पूरी तरह से दुरुस्त करना है।

पटना में डबल मर्डर, चाची और पड़ोसी की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या

पटना, एजेंसी। पटना जिले के फतुहा थाना क्षेत्र से शुक्रवार को दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। रसलपुर गांव में आपसी विवाद ने अचानक हिंसक रूप ले लिया। दो चचेरे भाइयों के बीच चल रहा पुराना झगड़ा गोलीबारी में बदल गया। इस घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल है। गांव में दहशत का माहौल है। मृतकों में 50 वर्षीय राजमंत्री देवी शामिल हैं। वह आरोपी युवक की चाची थीं। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। दूसरी मौत पड़ोसी देवसागर सिंह की हुई। देवसागर बीच-बचाव करने पहुंचे थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। वहीं राजमंत्री देवी का बेटा राजन प्रसाद गोली लगने से गंभीर रूप से घायल है। उसका इलाज पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार रसलपुर गांव निवासी राजकुमार प्रसाद और उनके चचेरे भाई श्रवण प्रसाद के बीच लंबे समय से आपसी विवाद चल रहा था। शुक्रवार सुबह दोनों पक्ष विवादित जमीन पर पहुंचे थे। आरोप है कि श्रवण प्रसाद की ओर से जमीन पर पिलर का निर्माण कराया जा रहा था। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी शुरू हो गई। स्थानीय लोगों का कहना है कि विवाद उस समय ज्यादा बड़ा नहीं था। मामला पहले सुलझ चुका था। लेकिन बातचीत के दौरान अचानक माहौल बिगड़ गया। इसी बीच राजकुमार प्रसाद का बेटा शिवम हाथ में देसी कट्टा लेकर मौके पर पहुंचा। उसने बिना किसी चेतावनी के फायरिंग शुरू कर दी। पहली गोली राजमंत्री देवी के सिर में लगी। उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इसके बाद आरोपी ने दूसरी गोली अपने चचेरे भाई राजन प्रसाद को मार दी। तीसरी गोली बीच-बचाव कर रहे पड़ोसी देवसागर सिंह को लगी। गोली देवसागर के सिर में फंस गई थी। पुलिस ने आरोपी के घर की तलाशी ली। वहां से दो देसी कट्टे, एक तलवार और एक बाइक बरामद की गई। ग्रामीण स्कने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए एसआईटी गठित की गई है। लगातार छापेमारी हो रही है। गांव में तनाव को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

पुनपुन से दीदारगंज तक बनेगी नई चौड़ी सड़क, रिंग रोड की तरह बदलेगा पटना का ट्रैफिक सिस्टम

पटना, एजेंसी। केंद्र सरकार ने पटना के लिए एक अहम सड़क परियोजना को हरी झंडी दे दी है। एनएच-22 के तहत पुनपुन के पास से एनएच-31 दीदारगंज तक सड़क के विस्तारीकरण और चौड़ीकरण को मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात के बाद सांसद रविशंकर प्रसाद ने इसकी पुष्टि की है। इस सड़क के बन जाने से पटना में यह मार्ग रिंग रोड की तरह काम करेगा और शहर के भीतर व आसपास के इलाकों में यातायात का दबाव काफी हद तक कम होगा। इस सड़क को विकसित करने का प्रस्ताव 'प्रगति यात्रा' के दौरान सांसद रविशंकर प्रसाद ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सामने रखा था। मुख्यमंत्री ने इस पर गंभीरता दिखाते हुए संबंधित विभाग को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के माध्यम से केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया। अब केंद्र से मंजूरी मिलने के बाद परियोजना के जल्द धरातल पर उतरने की उम्मीद है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से कार के उड़े परखच्चे, चार श्रद्धालुओं की मौत

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर-पटना फोरलेन पर रविवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। घने कोहरे के बीच किसी अज्ञात वाहन ने तेज रफ्तार कार को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे कार के परखच्चे उड़ गए। इस दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो पुरुष और दो महिलाएं शामिल हैं। हादसा नया भोजपुर थाना क्षेत्र के चंदा गांव के पास सुबह करीब 5 से 6 बजे के बीच हुआ, जब दृश्यता बेहद कम थी।

माघी पूर्णिमा स्नान के लिए निकले थे श्रद्धालुः सभी लोग माघी पूर्णिमा के पावन अवसर पर गंगा स्नान करने बक्सर की ओर जा रहे थे। सभी मृतक कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं। इन श्रद्धालुओं की यात्रा आस्था और श्रद्धा से भरी थी, लेकिन घने कोहरे और तेज रफ्तार ने इसे मातम में बदल दिया।

कैसे हुआ हादसाः घटना के प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कोहरा इतना घना था कि कुछ मीटर की दूरी तक देख पाना मुश्किल हो रहा था। टक्कर की तेज आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण सहम गए और दौड़कर मौके पर पहुंचे। कार इतनी बुरी तरह क्षतिग्रस्त थी कि फंसे लोगों को बाहर निकालना बेहद मुश्किल हो गया।

तीन लोगों की मौके पर मौतः ग्रामीणों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी और घायलों को बचाने की कोशिश की, लेकिन तीन लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जबकि एक गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को सदर अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान

उसने भी अंतिम सांस ली।

कहां के रहने वाले है मृतकः सूचना मिलते ही नया भोजपुर थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और क्षतिग्रस्त कार को सड़क से हटवाकर यातायात बहाल कराया। हादसे के कारण फोरलेन पर कुछ समय के लिए जाम जैसी स्थिति बन गई। मृतकों की प्रारंभिक पहचान कृष्णा ब्रह्म थाना क्षेत्र के निवासियों के रूप में हुई है, लेकिन पुलिस उनकी शिनाख्त करने में जुटी हुई है।

अज्ञात वाहन की तलाश में जुटी पुलिसः नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने घटना की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है और पूरे मामले की गहन जांच चल रही है। अधिकारी ने कहा कि कोहरे के दौरान फोरलेन पर अतिरिक्त सतर्कता बरतनी जरूरी है, लेकिन तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण ऐसी घटनाएं बार-बार हो रही हैं। पुलिस ने ड्राइवरों से अपील की है कि ऐसे मौसम में गति कम रखें और फॉग लाइट्स का इस्तेमाल करें।

कोहरे में ड्राइविंग के लिए सावधानी जरूरीः विशेषज्ञों का मानना है कि सर्दियों में घने कोहरे के दौरान ड्राइविंग करते समय कम गति, फॉग लाइट्स और सुरक्षित दूरी बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। छोटी सी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। प्रशासन को ऐसे मार्गों पर फॉग अलर्ट सिस्टम और स्पीड कैमरे लगाने चाहिए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं रोकी जा सकें।

युद्ध स्तर पर चल रहा है पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन काम

पटना, एजेंसी। पटना मेट्रो के एक्सपेंशन को लेकर पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन युद्ध स्तर पर काम कर रहा है। इससे आने वाले समय में शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह बदलने वाली है। वर्तमान में मेट्रो का परिचालन बेहद छोटे हिस्से में हो रहा है। इसे अगस्त तक बढ़ाकर 9।322 किलोमीटर तक करने का लक्ष्य रखा गया है।

वह पुणे मेट्रो से तीन कोच वाली मेट्रो ट्रेनें किराए पर मंगाएगा, ताकि मीठापुर से आईएसबीटी के बीच यात्रियों को सेवा दी जा सके। इस कनेक्टिविटी के शुरू होने से बस टर्मिनल से शहर के प्रमुख इलाके मीठापुर तक पहुंचना काफी आसान हो जाएगा और यात्रियों को भारी ट्रैफिक से निजात मिलेगी।

एक्सपेंशन प्लान को दो फेज में बांटा गया है। इसमें सबसे पहले फरवरी तक मलाही पकड़ी तक मेट्रो पहुंचाने की तैयारी है। वर्तमान में मेट्रो केवल भूतनाथ स्टेशन तक ही सीमित है, लेकिन फरवरी के विस्तार के बाद इसका दायरा 6।107 किलोमीटर तक बढ़ जाएगा।

तकनीकी बाधाओं के कारण खेमनीचक स्टेशन पर अभी काम पूरा नहीं हो पाया है, जिसके चलते फरवरी में ट्रेन वहां नहीं रुकेगी। अगस्त में जब मीठापुर तक का कॉरिडोर पूरी तरह चालू हो जाएगा, तब खेमनीचक स्टेशन को भी यात्रियों के लिए खोल दिया जाएगा। इसके बाद जगनपुरा और रामकृष्णा नगर जैसे घने इलाकों के लोगों के लिए मेट्रो का सफर उनके दरवाजे तक पहुंच जाएगा।

मेट्रो नेटवर्क का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा खेमनीचक स्टेशन होगा, जिसे एक इंटरचेंज जंक्शन के रूप में तैयार किया जा रहा है।

परीक्षा शुरू होने से आधा घंटा पहले बंद हो जाएगा गेट, 10 सेटों में मिलेगा प्रश्न पत्र

पटना, एजेंसी। बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (बीएसईबी) की इंटरमीडिएट वार्षिक परीक्षा दो से 13 फरवरी तक राज्य के एक हजार 762 परीक्षा केंद्र पर होगी। अध्यक्ष आनंद किशोर ने बताया कि सभी परीक्षार्थियों की दो स्तर पर तलाशी ली जाएगी।

पहला प्रवेश के समय तथा दूसरा परीक्षा कक्ष में वीक्षक करेंगे। 25 परीक्षार्थियों की जांच के लिए एक वीक्षक होगा। परीक्षा कक्ष में किसी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण यथा मोबाइल फोन, ब्लूटूथ, पेजर, इलेक्ट्रॉनिक वॉच, स्मार्ट वॉच, मैग्नेटिक वॉच आदि पूरी तरह से प्रतिबंधित है। केंद्र में पकड़े जाने पर संबंधित विद्यार्थी परीक्षा से वंचित कर दिए जाएंगे। प्रश्न पत्र 10 सेट में होगा। सभी सेट में प्रश्नों का क्रम अलग-अलग होगा। एक सेट का पहला प्रश्न अन्य सेटो में अन्य क्रम में होंगे। आसपास बैठे परीक्षार्थियों को अलग-अलग सेट का प्रश्न मिलेगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए 13 लाख 17 हजार 846 परीक्षार्थियों को प्रवेश पत्र जारी किया गया है। इसमें छह 75 हजार 844 छात्राएं तथा छह लाख 42 हजार दो छात्र हैं। परीक्षा दो से 13 फरवरी तक दो पालियों में होगी। केंद्र में प्रवेश निर्धारित अवधि से एक घंटा पहले मिलेगा। सभी परीक्षार्थी गेट बंद होने के पहले केंद्र में हर हाल में प्रवेश सुनिश्चित करेंगे। बिहार बोर्ड के अनुसार परीक्षा प्रारंभ होने के लिए प्रथम पाली में निर्धारित समय 09:30 बजे पूर्वाह्न से एक घंटा पहले 8:30 बजे से केंद्र में प्रवेश प्रारंभ हो जायेगा तथा आधा घंटा पहले 09:00 बजे केंद्र का मुख्य द्वार बंद कर दिया जायेगा। इसी प्रकार द्वितीय पाली में निर्धारित समय 02:00 बजे अपराह्न से एक घंटा पूर्व 01:00 बजे से परीक्षा केंद्र में प्रवेश प्रारंभ हो जायेगा तथा 02:00 बजे अपराह्न से आधा घंटा पहले 01:30 बजे केंद्र का मुख्य द्वार बंद हो जाएगा।

कचरे के बीच लाल रंग की ट्रॉली बैग में मिली लड़की की लाश, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

सासाराम, एजेंसी। बिहार के रोहतास में लड़की की लाश मिली है। सब्जी मंडी के पीछे एक रेड कलर की ट्रॉली बैग में डेड बॉडी मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। कूड़े-कचरे के बीच रेड ट्रॉली बैग को देखने के लिए लोग भागे-भागे पहुंचने लगे, इसी बीच किसी ने डायल 112 को सूचना दे दी। वहीं मौके पर स्थानीय थाने की पुलिस भी पहुंची और जांच शुरू कर दी है। घटना डेहरी इलाके के स्टेशन रोड स्थित सब्जी मंडी के पीछे की है।

रंग की ट्रॉली बैग में लड़की की लाशः सुबह-सुबह आज ठीक स्टेशन रोड सब्जी मंडी के पीछे एक रेड ट्रॉली बैग देखा गया। कूड़ा कचरा बिनने वाले बच्चों ने बैग को देखा तो शोर मचाने लगे, तभी पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर सबसे पहले डायल-112 पुलिस की टीम पहुंची। उसके बाद नगर थाने की पुलिस व अधिकारी भी पहुंचे हैं। वहीं एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है।

'अपराधियों को सजा मिलनी चाहिए': स्थानीय महिला सुनीता यादव ने बताया कि लाल रंग के ट्रॉली बैग में लाश मिलने की सूचना पर वह भी पहुंची। बैग में लड़की की लाश है। उन्होंने इस पूरे मामले की गहनता से जांच करने और इस तरह के जघन्य कृत्य करने वालों के

खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

मृतक लड़की 16-18 कीः पुलिस ने बताया कि लाश लड़की की है, जिसकी उम्र तकरीबन 16 से 18 के बीच की लग रही है। आशंका ये भी जताई जा रही है कि लड़की के साथ गलत कर उसे सूटकेस में बंद कर फेंक दिया गया हो। वैसे पुलिस तमाम बिंदुओं पर बारीकी से छानबीन कर रही है। फिलहाल पुलिस टीम ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सासाराम के सदर अस्पताल भिजवा दिया है और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

क्या बोले एसपीः इधर पूरे मामले पर रोहतास एसपी रौशन कुमार ने बताया कि नगर थाने की पुलिस पहुंच गई है। एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी है। फिलहाल कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। हमलोग सभी बिंदुओं पर छानबीन कर रहे हैं। जल्द ही पूरे मामले का खुलास हो जाएगा।

बिहार में छात्रावासों के संचालन और निगरानी पर पटना हाईकोर्ट का कड़ा रुख, सरकार से मांगा जवाब

पटना, एजेंसी। पटना हाईकोर्ट ने बिहार में निजी छात्रावासों के संचालन और निगरानी को लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान सख्त रुख अपनाते हुए राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अधिवक्ता माधव राज की ओर से दायर इस जनहित याचिका पर आज सुनवाई की गयी। इसी के साथ, नीट की तैयारी कर रही छात्रा के पिता की ओर से पटना हाईकोर्ट में एक आपराधिक रिट याचिका दायर की गई हैं।

पटना हाईकोर्ट में पिता की याचिका : जहानाबाद की रहने वाली नीट परीक्षा की तैयारी कर रही मृत छात्रा के पिता ने न्याय के लिए पटना हाईकोर्ट का शरण लिया है। याचिका में गृह विभाग के प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सचिव, डीजीपी, पटना के एसपी, चित्रगुप्त नगर के थाना प्रभारी रोशनी कुमारी को प्रतिवादी बनाया गया है।

याचिका में छत्तक्से डॉक्टर तक के नाम: साथ ही, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मालिक श्रवण अग्रवाल, नीलम अग्रवाल, आंसू अग्रवाल, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के वार्डन चंचला, शंभू गर्ल्स हॉस्टल के मकान मालिक मनीष कुमार को भी प्रतिवादी बनाया गया है। डॉ प्रभात मेमोरियल हॉस्पिटल एंव डॉ सतीश, जयप्रभा मेदांता सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल एवं सहज सर्जरी को प्रतिवादी बनाया गया है। कोर्ट ने याचिका को मंजूर करते हुए केस को सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया है। उम्मीद है कि अगले सप्ताह में इस मामले पर सुनवाई होगी। सरकार को हलफनामा देने का निर्देश : वहीं छात्रावासों की निगरानी और संचालन पर सुनवाई करते हुए चीफ जस्टिस संगम कुमार साहू और जस्टिस विवेक चौधरी की खंडपीठ ने सरकार को इस सम्बन्ध में विस्तृत हलफनामा दायर करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने पूछा है कि क्या बिहार में निजी छात्रावासों, विशेष रूप से महिलाओं और बच्चों के लिए संचालित छात्रावासों की सुरक्षा, संरक्षा, भोजन और स्वच्छता से जुड़े पहलुओं की निगरानी के लिए कोई वैधानिक या नियामक निकाय मौजूद है।

तमिलनाडु का दिया गया उदाहरण : याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि राज्य में निजी छात्रावासों के लिए कोई प्रभावी नियंत्रण तंत्र नहीं है। इसके चलते वहां रहने वालों की सुरक्षा और बुनियादी सुविधाएं असुरक्षित बनी रहती हैं। सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि अन्य राज्यों, जैसे तमिलनाडु में निजी छात्रावासों के संचालन के लिए स्पष्ट नियम-कायदे और निगरानी व्यवस्था लागू है। जबकि बिहार में ऐसी व्यवस्था का अभाव है। हाल में छात्रावासों के भीतर हुई घटनाओं का उल्लेख करते हुए याचिकाकर्ता ने कोर्ट से हस्तक्षेप की मांग की। शम्भू हॉस्टल में एक छात्रा की संदेहास्पद मौत और जांच की सही दिशा नहीं होने के कारण बहुत भ्रम की स्थिति है। ये भी पाया गया कि हॉस्टल प्रबंधकों ने विरोधाभासी बयान दिये, इससे मामला और भी पेचीदा होता जा रहा है।

20 फरवरी को अगली सुनवाई : इसी संदर्भ में बिहार के निजी हॉस्टालों की जांच और उनकी व्यवस्था सही हो, इसके लिए एक जनहित याचिका सुषमा कुमारी की अधिवक्ता अलका वर्मा ने दायर की है। इसमें कोर्ट से ये मांग की गयी है कि नीट छात्रा की हॉस्टल में हुई घटना में

बिहार के इंजीनियरिंग छात्रों के लिए खुशखबरी, इस महीने बनकर तैयार होगी यूनिवर्सिटी

पटना, एजेंसी। भवन निर्माण विभाग की तरफ से बनाए जा रहे बिहार इंजीनियरिंग यूनिवर्सिटी का निर्माण कार्य अंतिम फेज में पहुंच गया है। पटना के मीठापुर इलाके में बन रही यह यूनिवर्सिटी अप्रैल महीने तक पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगी। वर्तमान में बिल्डिंग के फिनिशिंग का काम जारी है, जिसे तय समय सीमा के अंदर पूरा कर लिया जाएगा। लगभग 5 एकड़ की जमीन पर बन रहे यूनिवर्सिटी के निर्माण के लिए 66।92 करोड़ रुपये की स्वीकृति दी गई थी।

यूनिवर्सिटी के मेन बिल्डिंग को मॉडर्न सुविधाओं और जरूरतों को ध्यान में रखते हुए बहुमंजिला स्वरूप में विकसित किया गया है। बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर डीन का ऑफिस बनाया गया है। इसके साथ ही रजिस्ट्रार कार्यालय, स्टोर रूम, कैफेटेरिया, फाइनेंस ऑफिस और डबल हाइट एंट्री एरिया की व्यवस्था की गई है, जिससे छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को सुविधाएं मिलेंगी।

बिल्डिंग के पहले फ्लोर पर मीटिंग हॉल, कुलपति (वीसी) का ऑफिस और इवैल्यूएशन सेंटर बनाया गया है। जबकि दूसरे फ्लोर पर सात ऑफिस रूम, एक इवैल्यूएशन सेंटर, 6 स्टोर रूम और चार स्कैनिंग रूम बनाए गए हैं। तीसरे फ्लोर पर पांच रिकॉर्ड रूम के साथ स्टोर और स्कैनिंग रूम की व्यवस्था की गई है। चौथे फ्लोर पर एक और इवैल्यूएशन सेंटर, दो बड़े हॉल, गेस्ट हाउस, केयरटेकर के ठहरने के लिए भी व्यवस्था की गई है।

फल्गु नदी के किनारे महिला की लाश मिलने से हड़कंप, किसी ने रेत के नीचे दफनाया

गया, एजेंसी। बिहार के गया जिले में फल्गु नदी के किनारे एक महिला का शव दफनाया हुआ मिला है। बुनियादगंज थाना क्षेत्र के कुकियासीन इलाके में यह घटना सामने आई, जहां स्थानीय लोगों ने मिट्टी खोदकर दफनाया गया शव देखा। जानवरों द्वारा गड्ढे को खोदने से शव का आंशिक हिस्सा बाहर आ गया, जिसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

शव गड़ा मिलने से हड़कंपः पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शव को बरामद किया और जांच शुरू कर दी है। मृतका की उम्र लगभग 35-36 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, शव को मिट्टी में गहराई से दफनाया गया था, ऐसा माना जा रहा है कि हत्या के बाद साक्ष्य मिटाने की नीयत से शव यहां लाकर छिपाया गया।

शिनाख्त के लिए पुलिस सक्रियः शव की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जिसके लिए पुलिस ने गुमशुदा महिलाओं की लिस्ट खंगालना शुरू कर दिया है। आसपास के गांवों और शहर में जानकारी फैलाई जा रही है। फोटो और अन्य विवरण के आधार पर परिजनों से संपर्क करने की

कोशिश की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही शिनाख्त हो जाएगी और मामले का खुलासा किया जाएगा।

कैसी हुई महिला की मैतः प्रारंभिक जांच में शव की स्थिति और दफनाने के तरीके को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। बुनियादगंज थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का सटीक कारण और समय पता चल सकेगा। यदि हत्या साबित होती है, तो यह एक सुनियोजित अपराध हो सकता है। पुलिस विभिन्न एंगल से जांच कर रही है, जिसमें शव के साथ कोई पहचान के साक्ष्य मिलने की उम्मीद है।

पुलिस ने शुरू की जांचः बुनियादगंज थाना पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई की है। मौके पर फॉरेंसिक टीम और स्क्वायड डॉग (स्निफर डॉग) की मदद ली गई है। शव को सुरक्षित तरीके से बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने आसपास के इलाके की छानबीन की और संभावित गवाहों से पूछताछ शुरू कर दी है।

शव मिलने से इलाके में दहशतः इस घटना ने स्थानीय लोगों में डर का माहौल पैदा कर दिया है। कई लोग इसे हत्या का मामला मान रहे हैं और अपराधी के पकड़े जाने की मांग कर रहे हैं। पुलिस अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जांच पूरी पारदर्शिता से की जा रही है। थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार यादव ने बताया कि सभी तकनीकी संसाधनों का उपयोग किया जा रहा है और दोषी को जल्द पकड़ा जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मामले में नई दिशा मिल सकती है। फिलहाल, पुलिस शव की शिनाख्त और मौत के कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

समस्तीपुर में देर रात युवक को गोली मारकर किया जख्मी

समस्तीपुर, एजेंसी। मुफस्सिल थाना क्षेत्र के चकनूर गांव में बांध के पास शुक्रवार देर रात बदमाशों ने एक युवक को गोली मारकर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। गोली युवक के हाथ को चीरते हुए निकल गई, जिससे वह घायल हो गया।

घटना के बाद परिजन और स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को तत्काल सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। घायल युवक की पहचान पंजाबी कॉलोनी निवासी चांधर राउत के पुत्र गगन कुमार (18) के रूप में हुई है। सूचना मिलते ही मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस ने घायल युवक का बयान दर्ज कर लिया है। अपने बयान में उसने स्थानीय युवक पर गोली चलाने का आरोप लगाया है।पुलिस ने एक संदिग्ध युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। घायल युवक ने बताया कि बातचीत के दौरान बल्लू नामक युवक ने चकनूर में उस पर फायरिंग कर दी।मुफस्सिल थानाध्यक्ष अजीत प्रसाद सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। सभी पहलुओं पर छानबीन जारी है।

विचार-मंथन

संपादकीय

दुनिया में गहरा रहा जल संकट, आई डरावनी चेतावनी

दुनिया में बढ़ता जल संकट चिंता का विषय बना हुआ है। अगला विश्व युद्ध पानी के लिए लड़े जाने की भविष्यवाणियां तक की जा चुकी हैं। संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय के जल, पर्यावरण और स्वास्थ्य संस्थान के शोधकर्ताओं की हाल में आई एक रपट इन चिंताओं को और गंभीर रूप दे रही है। इसमें कहा गया है कि पिछले कई दशकों के दौरान जल के अत्यधिक दोहन, सिमटते भूजल स्रोतों, भूमि क्षरण, बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन से उपजी बाधाओं की वजह से दुनिया अब जल संकट की अवस्था से आगे बढ़कर 'वैश्विक जल दिवालियापन' की स्थिति में कदम रख चुकी है।जब कोई इंसान दिवालिया होता है, तो उसके पास पैसा नहीं बचता, घर तक गिरवी हो जाता है और विश्वसनीयता खत्म हो जाती है। बड़ा सवाल यह है कि अगर दुनिया पानी के लिहाज से दिवालिया हो गई, तो क्या होगा? रपट में शोधकर्ताओं ने जो कुछ कहा है, उसका मतलब यह नहीं कि दुनिया से पानी अचानक खत्म हो जाएगा, बल्कि जिस ढंग से जल का अंधाधुंध दोहन और प्रदूषण बढ़ रहा है, उससे जल व्यवस्था की रीढ़ टूटनी शुरू हो गई है। समूचे विश्व में बहुत पहले से जल संकट की चर्चा होती रही है, मगर इसे एक ऐसे झटके की तरह देखा जाता रहा है, जिससे समय के साथ उबरा जा सकता है। अगर जल संकट के बारे में चेतावनी दी जाती रही है, तो यह भरोसा भी दिलाया जाता रहा है कि फिर से अच्छी बरसात होगी, जल का स्तर सुधर जाएगा और हालात पुन- सामान्य हो जाएंगे।मगर नई रपट ने इस भरोसे पर सवालिया निशान लगा दिया है। रपट में साफ कहा गया है कि विश्व की जल आपूर्ति प्रणाली कई जगहों पर पतन के दौर में पहुंच चुकी है। अनेक क्षेत्रों में पानी की कमी अब स्थायी स्वरूप लेती जा रही है। यह स्थिति केवल पानी की कमी की नहीं, बल्कि व्यवस्था के टूटने की ओर संकेत करती है। ऐसे में अब हमें पानी के बारे में अपने सोचने का ढंग बदलना होगा।अब तक जल संकट को एक अस्थायी समस्या माना जाता रहा है। अकाल पड़े, परेशानियां आईं, मगर कुछ साल बाद हालात सुधर गए। किसी साल वर्षा कम हुई, लेकिन अगले मानसून में भरपाई हो गई। जब ऐसा चल रहा था, तो नीतियों का निर्धारण भी इसी अनुरूप होता रहा। कभी जल की बूंद-बूंद को सहेजने वाले समाज ने भी लापरवाही बरतना शुरू कर दिया। कई जगहों पर जलस्रोत इतने कमजोर हो चुके हैं कि उन्हें पहले जैसी स्थिति में लौटने में दशकों लग सकते हैं और कई मामलों में शायद लौटना संभव ही न हो पाए। हम दिवालियापन को व्यक्ति के आर्थिक रूप से कंगाल होने के संदर्भ में ही समझते आए हैं। जब कोई व्यक्ति आर्थिक रूप से दिवालिया होता है, तो इसका मतलब यह नहीं होता कि दुनिया से पैसा खत्म हो गया है। पैसा रहता है लेकिन उस व्यक्ति की आमदनी, खर्च और कर्ज के बीच का संतुलन बिगड़ जाता है। इसी तरह दुनिया में पानी मौजूद है, लेकिन उसकी उपलब्धता, उसके उपयोग और उसके पुनर्भरण के बीच संतुलन तेजी से टूट रहा है। हम भू-गर्भ से जितना पानी निकाल रहे हैं, उतना पुनर्भरण नहीं कर रहे हैं। यानी जल खाता खाली हो रहा है।संयुक्त राष्ट्र के शोधकर्ताओं ने रपट में जो कुछ कहा है, उसके अनुसार इस असंतुलन की जड़ें दशकों पुरानी हैं। भूजल के अंधाधुंध दोहन, नदियों को गंदे नालों में बदल दिए जाने, वनों की कटाई, मिट्टी के क्षरण और जलवायु परिवर्तन ने मिलकर पानी की प्राकृतिक व्यवस्था को कमजोर कर दिया है। जब पानी प्रदूषित हो जाता है, तो वह मौजूद होते हुए भी उपयोग के लायक नहीं रहता। जब भूजल जरूरत से ज्यादा निकाला जाता है, तो वह वापस भरने से पहले ही खत्म हो जाता है। धीरे-धीरे यह स्थिति एक ऐसी सीमा पर पहुंच जाती है, जहां से लौटना बेहद मुश्किल हो जाता है। यह बात भी सच है कि इस संकट का असर सब पर बराबर नहीं पड़ता। जिस प्रकार आर्थिक दिवालियापन में सबसे पहले गरीब तबके टूटते हैं, वैसे ही जल संकट और जल दिवालियापन का सबसे बड़ा बोझ भी कमजोर वर्गों पर पड़ना स्वाभाविक है। छोटे किसानों, आदिवासियों, शहरी गरीब बस्तियों, महिलाओं और युवाओं के जीवन पर सबसे पहले इसका प्रभाव पड़ता है। इसके विपरीत जिन संपन्न एवं शक्तिशाली वर्गों ने सबसे ज्यादा पानी का दोहन किया होता है, उसके लाभ तो अक्सर उन्हीं तक सीमित रहते हैं, लेकिन इसके दुष्परिणाम दूसरों को भुगतने पड़ते हैं। भारत के संदर्भ में देखें, तो संयुक्त राष्ट्र की चेतावनी और भी गहरी चिंता पैदा करने वाली है। दुनिया की आबादी का एक बड़ा हिस्सा हमारे देश में है, पर उसके हिस्से में उपलब्ध मीठा पानी सीमित है। इसके बावजूद भारत दुनिया के उन देशों में शामिल है।

जहां शब्दों की गरिमा थी और तथ्य पवित्र माने जाते थे। वे हमें यह सिखाकर गए कि पत्रकारिता सूचना का व्यापार नहीं, बल्कि मानवता की सेवा है। भारत की मिट्टी में जन्मा, विदेशी धरती पर शिक्षित और अंततः भारत की ही गोद में समा जाने वाला यह व्यक्तित्व सदैव स्मृतियों में जीवित रहेगा। वे ऐसे विदेशी साक्षी थे, जिन्होंने भारत को केवल दुनिया की नजरों में ही नहीं, बल्कि भारतीयों की अपनी नजरों में भी नई गरिमा दी।

भरोसे एवं भारत की आवाज थे विरल पत्रकार मार्क टुली

(ललित गर्ग)

मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। भारत की समकालीन इतिहास-यात्रा में कुछ व्यक्तित्व ऐसे होते हैं जो केवल घटनाओं का वृत्तांत नहीं लिखते, बल्कि समय की चेतना में घुल-मिलकर स्वयं इतिहास का हिस्सा बन जाते हैं। सर विलियम मार्क टुली, जिन्हें दुनिया भर में स्नेह और सम्मान से 'मार्क टुली' कहा गया, ऐसे ही विरल पत्रकार थे। उनका निधन केवल एक वरिष्ठ पत्रकार का जाना नहीं है, बल्कि उस पत्रकारिता-दृष्टि का अवसान है, जिसमें सत्य सनसनी से ऊपर और संवेदना आंकड़ों से अधिक महत्त्वपूर्ण होती थी। बीबीसी रेडियो की वह गूंजती हुई पंक्ति-'दिस इज मार्क टुली रिपोर्टिंग फ्रॉम दिल्ली', दशकों तक भारतीय उपमहाद्वीप में भरोसे, प्रामाणिकता और संतुलन का पर्याय बनी रही। मार्क टुली एक विदेशी पत्रकार भर नहीं थे, वे भारत की आत्मा के स्थायी प्रवासी थे, जिनमें भारतीयता रची-बसी थी। उनका भारत से रिश्ता किसी वीजा, नियुक्ति या करियर-रणनीति का परिणाम नहीं था, बल्कि वह रक्त और मिट्टी का संबंध था। 24 अक्टूबर 1935 को कोलकाता के टॉलीगंज में जन्मे टुली ने ब्रिटिश राज के अंतिम दौर का भारत देखा, जिया और महसूस किया। एक समृद्ध ब्रिटिश परिवार में जन्म लेने के बावजूद दार्जिलिंग के बोर्डिंग स्कूलों और भारतीय जनजीवन की विविध छवियों ने उनके भीतर एक ऐसी आत्मीयता एवं संस्कार बो दिया, जो जीवन भर पुष्पित-पल्लवित होती रही। नौ वर्ष की आयु में जब वे इंग्लैंड गए, तब भी भारत उनके भीतर जीवित रहा-स्मृतियों में, संवेदनाओं में और दृष्टि में। कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में धर्मशास्त्र का अध्ययन करते समय उन्होंने पादरी बनने का विचार किया था। यह तथ्य अपने-आप में बहुत कुछ कहता है, क्योंकि सत्य की खोज, नैतिक विवेक और मानवीय करुणा उनके व्यक्तित्व की मूल धुरी थीं। किंतु नियति ने उन्हें चर्च की सीमित दीवारों से बाहर निकालकर एक ऐसे मंच पर खड़ा कर दिया, जहां वे पूरी मानवता से संवाद कर सकते थे। पत्रकारिता उनके लिए पेशा नहीं, बल्कि एक नैतिक दायित्व थी। जब वे बीबीसी के संवाददाता के रूप में भारत लौटे, तो उन्होंने इसे एक असाइनमेंट नहीं बल्कि अपने घर लौटने जैसा अनुभव किया। मार्क टुली की पत्रकारिता की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे भारत को पश्चिमी चश्मे से नहीं देखते थे। वे सत्ता के गलियारों से अधिक गांव की चौपाल, मंदिर-मस्जिद के आंगन, खेतों की मेड़ और आम आदमी की चिंता को महत्त्व देते थे। आपातकाल हो या इंदिरा गांधी की राजनीति, सिख विरोधी दंगे हों या बाबरी मस्जिद विध्वंस, पंजाब का उग्रवाद हो या कश्मीर की पीड़ा-मार्क टुली ने हर विषय को संतुलन, गहराई और मानवीय संवेदना के साथ दुनिया के सामने रखा। वे घटनाओं के पीछे छिपी सामाजिक और सांस्कृतिक परतों को समझने की कोशिश करते थे, इसीलिए उनकी रिपोर्टिंग तत्कालीन शोर-शराबे से ऊपर उठकर स्थायी संदर्भ बन गई। आज के आपाधापी और टीआरपी-केंद्रित इलेक्ट्रॉनिक मीडिया दौर में, जहाँ खबर से ज्यादा शोर और तथ्य से ज्यादा त्वरित प्रतिक्रिया को महत्व दिया जाता है, मार्क टली की पत्रकारिता एक उजली कसौटी बनकर सामने आती है। टीवी स्टूडियो की तीखी बहसों, चीखती हेडलाइनों और सतही विश्लेषण के उलट, मार्क टली ने यह सिद्ध किया कि शांत, संयमित और तथ्यपरक संवाद भी उतना ही प्रभावशाली होता है बल्कि अधिक विश्वसनीय होता है। उनकी पत्रकारिता दिल्ली के सत्ता-केंद्र तक सीमित नहीं थी, बल्कि वह भारत की आत्मा-गाँव, कस्बे, आम जन और उनकी पीड़ा से जुड़ी हुई थी। आज जब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया अक्सर सत्ता, बाज़ार और सनसनी के दबाव में अपनी विश्वसनीयता खोता दिख रहा है, तब मार्क टली की शैली यह सिखाती है कि पत्रकारिता का असली धर्म प्रश्न पूछना, सच को धैर्य से समझना और उसे बिना शोर के, पूरे संदर्भ के साथ प्रस्तुत करना है। उनका जीवन आज के टीवी मीडिया के लिए एक मौन लेकिन सशक्त संदेश है कि भरोसे की आवाज़ ऊँची नहीं, सच्ची होती है। मार्क टुली की सबसे बड़ी देन यह थी कि उन्होंने भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं बल्कि उसकी सबसे बड़ी शक्ति के रूप में प्रस्तुत किया। वे मानते थे कि भारत किसी एक विचार, एक भाषा या एक संस्कृति से नहीं बनता, बल्कि यहां की बहुलता ही इसकी आत्मा है। हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई-ग्रामीण-शहरी, गरीब-अमीर, इन सबके बीच बहता हुआ संवाद ही भारत की असली पहचान है। जब दुनिया के कई हिस्से भारत को केवल गरीबी, अव्यवस्था या अराजकता के चश्मे से देखते थे, तब मार्क टुली ने भारत की सहिष्णुता, आध्यात्मिकता और जीवटता को रेखांकित किया। उन्होंने यह दिखाया कि यह देश विरोधाभासों के बावजूद नहीं, बल्कि उन्हीं के साथ जीना जानता है। मार्क टुली की आवाज रेडियो के माध्यम से करोड़ों लोगों के घरों तक पहुंचती थी। वह दौर ऐसा था, जब समाचार सुनने के लिए लोग घड़ी देखकर रेडियो ऑन करते थे। उनकी रिपोर्टिंग में नाटकीयता नहीं, बल्कि सजीवता-ठहराव था। वे कहते थे कि भारत को समझने के लिए अपनी घड़ी उतारकर रखनी पड़ती है। यह कथन केवल समय-संस्कृति की बात नहीं करता, बल्कि उस धैर्य और विनम्रता की ओर संकेत करता है, जिसके बिना भारत जैसे देश को समझा नहीं जा सकता। यही धैर्य उनकी पत्रकारिता में झलकता था। एक विदेशी होकर भी उन्होंने भारतीयता पर गर्व करना सिखाया, वह भी उस समय, जब हम स्वयं अपनी जड़ों को लेकर संशय में थे। उनकी पुस्तकों और कार्यक्रमों में भारत केवल खबर नहीं, बल्कि एक जीवंत सभ्यता के रूप में उपस्थित रहता है। 'नो फुल स्टॉप्स इन इंडिया' जैसी कृतियां भारत की निरंतर चलती कहानी को सामने लाती हैं, जहां कोई अंतिम विराम नहीं, केवल प्रवाह है। उन्होंने भारतीय लोकतंत्र की अव्यवस्थाओं की आलोचना भी की, लेकिन वह आलोचना स्नेह और चिंता से भरी होती थी, उपेक्षा या उपहास से नहीं। ब्रिटिश सरकार द्वारा नाइटहुड और भारत सरकार द्वारा पद्म भूषण से सम्मानित किया जाना उनके योगदान की औपचारिक स्वीकृति है, लेकिन उनकी असली विरासत वह विश्वास है, जो भारतीय जनता ने उन पर किया। लोग उनकी बात इसलिए मानते थे, क्योंकि उन्हें लगता था कि यह व्यक्ति भारत को समझता है, उसे चाहता है और उसके साथ ईमानदार है। आज के दौर में, जब पत्रकारिता तेजी से बदल रही है, प्रतिस्पर्धा की अंधी दौड में, नई तकनीक के दबाव में हांफ रही है।

एक भारत, एक कानून की नीतिगत कसौटी के सियासी निहितार्थ

(कमलेश पांडे)

यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। विभिन्न तरह के पारस्परिक विरोधाभासों से जूझ रहे भारतीय गणतंत्र के लिए एक भारत, एक कानून की अवधारणा बदलते वक्त की मांग है। इसलिए इसको सरजमीं पर उतरना बेहद जरूरी है। सवाल है कि जब एक मतदाता, एक वोट का विधान सफल हो सकता है तो फिर एक भारत, एक कानून का विधान क्यों नहीं? इस बात में कोई दो राय नहीं कि ऐसी सकारात्मक कोशिशें अंततोगत्वा समतामूलक समाज की दिशा में निर्णायक साबित हो सकते हैं। लिहाजा यदि भारतीय संविधान के संघीय ढांचे और अन्यान्य विविधताओं को बनाए रखने वाले नानाविध प्रावधानों से एक देश, एक कानून की पावन और समदर्शी सोच टकराती है तो ऐसे किसी भी टकराव को नजरअंदाज कीजिए और एक समान नागरिक संहिता (यूसीसी) या एकसमान कानूनी व्यवस्था की दिशा में एक यथार्थपरक व्यवहारिक कदम उठाइए। इससे दलित, आदिवासी, ओबीसी, अल्पसंख्यक, सवर्ण जैसे निरर्थक भेद भी मिटेंगे और राष्ट्र को अप्रत्याशित मजबूती मिलेगी। यह ठीक है कि इस राह में कई संरचनात्मक बाधाएं हैं, लेकिन राष्ट्र के दूरगामी भविष्य के लिए इन कपोलकल्पित बाधाओं, वैधानिक जटिलताओं से निबटना भी तो सकारात्मक और आशावादी नेतृत्व की पहचान होती है। खासकर मोदी हैं तो मुमकिन है, वाली सोच यहां भी चरितार्थ की जा सकती है। योगी हैं तो यकीन भी किया जा सकता है। शाह हैं तो चिल्लपों भी नहीं मचेगा, ऐसा जनविश्वास है। जहां तक संघीय ढांचे की चुनौतियों की बात है तो भारतीय संविधान की सातवीं अनुसूची में विधायी शक्तियों का त्रिपक्षीय विभाजन (केंद्र, राज्य, समवर्ती) एक देश, एक कानून की राह का एक बड़ा रोड़ा समझा जाता है। उदाहरणतया पुलिस, सार्वजनिक व्यवस्था और भूमि जैसे विषय राज्य सूची में हैं, जिनमें केंद्र का सीधा हस्तक्षेप संभव नहीं होगा बिना संशोधन के। क्योंकि संविधान का अनुच्छेद 246 इस विभाजन को मजबूत बनाता है, जो एकसमान कानून लागू करने में राज्यों की सहमति या संविधान संशोधन की मांग करता है। वहीं, मौलिक अधिकारों का टकराव भी संभाव्य है, क्योंकि संविधान के अनुच्छेद 25-28 धार्मिक स्वतंत्रता की गारंटी देते हैं, जो व्यक्तिगत कानूनों (पर्सनल लॉ) को संरक्षण प्रदान करते हैं। वहीं, यूनिफॉर्म सिविल कोड को अनुच्छेद 44 के नीति-निर्देशक तत्व के रूप में रखा गया है, लेकिन यह बाध्यकारी नहीं है और मौलिक अधिकारों से टकरा सकता है। यही वजह है कि सर्वोच्च न्यायालय ने इसे लागू करने पर जोर दिया है (जैसे शाह बानो मामले में), लेकिन संघीय विविधता और अल्पसंख्यक अधिकारों के नाम पर राजनीतिक इच्छाशक्ति की कमी इस राह की सबसे बड़ी बाधा बनी हुई है। वहीं, व्यावहारिक और न्यायिक अड़चनों की बात भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि एकीकृत न्यायपालिका (अनुच्छेद 214) होने के बावजूद, राज्यों में उच्च न्यायालयों की स्वायत्तता और लंबित मामलों (5 करोड़ से अधिक) की भारी संख्या एकसमान कानून के कार्यान्वयन को जटिल बनाती है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 3892

2	3				7			1
1	8		5	3		4		
	4	6						
	5				8			2
	6			2			9	
9			3					
						8	2	
		3		5	9		4	7
5			7				3	9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 3891

6	4	7	1	9	3	2	8	5
9	5	2	6	8	7	1	4	3
3	1	8	2	4	5	9	6	7
4	3	6	5	2	9	7	1	8
5	8	9	7	1	6	3	2	4
2	7	1	4	3	8	5	9	6
8	2	5	3	6	1	4	7	9
7	9	4	8	5	2	6	3	1
1	6	3	9	7	4	8	5	2

आज का राशिफल

मेष

सहकर्मियों के सहयोग से आज आप एक परियोजना को पूरा करने में सफल रहेंगे। किसी महान व्यक्ति के हस्तक्षेप से पारिवारिक विवाद का समाधान हो जाएगा। परिस्थितियों का आकलन करें और फिर दिल और दिमाग की बात सुनकर फैसला लें। आर्थिक मामलों में भाग्य आपका साथ देगा। किसी वरिष्ठ व्यक्ति का वरदहस्त आपको प्राप्त होगा।

वृष

आज आपको त्रिकोणीय व्यापारिक साझेदारी व संबंधों से लाभ होगा, लेकिन निजी संबंधों के मामले में त्रिकोणीय रिश्ते आपके जीवन में समस्याएं उत्पन्न कर सकते हैं। आप जीवन में तीन भूमिकाएं निभाएंगे। बेहतर यही होगी कि हर भूमिका को अलग-अलग रखें, उन्हें आपस में मिलाएं नहीं, अन्यथा आप संशयग्रस्त हो जाएंगे। सायंकाल का समय मनोरंजन में व्यतीत होगा।

मिथुन

आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना आरम्भ करने वाले हैं, जिसके सफलतापूर्वक पूरा होने में एक साल लग सकता है। आर्थिक लाभ की उम्मीद कर सकते हैं। सेहत और वित्तीय मामलों की अनदेखी न करें। फिलहाल जमीन जायदाद के लिए निवेश करना आपके लिए शुभ रहेगा। आपकी रचनात्मक क्षमता बढ़ेगी।

तुला

आज सायंकाल के समय आप परिवार के सदस्यों और दोस्तों के प्रति उदार रवैया अख्तियार करेंगे। आज आप प्रसन्नता अनुभव करेंगे। विलासिता पूर्ण माहौल का लुत्फ उठाएंगे। बड़ी मात्रा में पैसा हाथ में आने से आप संतुष्टि महसूस करेंगे। रात्रि में इन लोगों पर धन का खर्चा भी हो सकता है। आपके लिए आज भाग्य वाहन सुख का भी संयोग बना रहा है।

वृश्चिक

आज पारिवारिक संबंध प्रेम पूर्ण और सहयोग पूर्ण रहेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहने से आप विभिन्न कार्यों में सक्रियता पूर्वक भाग लेंगे। अपने पार्टनर के साथ मिलकर आप अपने संसाधनों को एकजुट करने में सफल रहेंगे। सायंकाल का समय अध्यात्म समागम में व्यतीत होगा। रात्रि में आपको कोई तोहफा या मिल सकता है। मित्रों और पड़ोसियों से आपको कल सहयोग मिलेगा।

धनु

जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे। योजनाओं से संबंधित प्रस्ताव की मंजूरी मिलने और भुगतान मिलने के बाद आप व्यावसायिक कार्यक्रम को आगे बढ़ाएंगे। उपयुक्त व्यक्ति और उम्दा अवसर आपको मिलते रहेंगे, जिनकी अतीत में आपको तलाश थी। घटनाएं आपके अनुकूल रहेंगी।लव लाइफ में भी कल आपकी रोमांटिक रहेगी और आपके बीच किसी प्रकार का तनाव चल रहा है।

कर्क

आज का दिन मिश्रित फल कारक है। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप जो भी कार्य साहस के साथ करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी। इनका सामना आप साहस के साथ करेंगे और विजेता बनकर उभरेंगे।जो जातक शिक्षण कार्य से जुड़े हुए हैं उनको भाग्य कल लाभ का अवसर प्रदान करने वाला है।

कन्या

आज कोई व्यक्ति आपके समक्ष प्रस्ताव पेश करेगा, किन्तु उसके बहकावे में न आए। सायंकाल से रात्रि तक किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज का दिन स्वास्थ्य के लिए खराब है। खान-पान से बचें। आलस्य का भी त्याग करें। ध्यान रहे किसी भी वस्तु की अधिकता हानिकारक होती है।

मकर

आज आप परिवर्तन के एक महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुज़र सकते है। लेकिन याद रखें, जब अंधेरा गहराता है तब सवेरा करीब होता है। सच्चाई का सामना करेंगे और आपके समक्ष भावनात्मक समस्याएं भी आएंगी। कोई मित्र और परिचित भी आपकी मदद कर सकता है जिससे आपकी किसी समस्या का निदान होगा।

कुंभ

आज निजी संबंधों पर भावनाएं हावी रहेंगी। अन्तर मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी से बचें। जीवन के कड़वे अनुभवों से सबक सीखें। अतीत को भूलकर वर्तमान में कदम आगे बढ़ाएं। आज आपके कार्य क्षेत्र में अप्रत्याशित बदलाव की संभावना है।नौकरी में स्थिति अनुकूल रहेगी और कमाई में भी वृद्धि होगी। आपकी कोई बड़ी चाहत भी कल पूरी होने वाली जिससे आपका मन आनंदित हो जाएगा।

सिंह

आज सेहत और वित्तीय संसाधनों पर ध्यान देने की जरूरत है। दूसरे लोगों के कार्यों के लिए ज्यादा वक्त और ऊर्जा बर्बाद न करें, क्योंकि ऐसे लोग एक के बाद एक दूसरी फरमाइश पेश करेंगे। आज समाज में भी आपका महत्व बढ़ेगा। मूड में उतार-चढ़ाव पर नज़र रखें। पुराने निवेश का भी आपको फायदा मिलेगा। आप उच्च शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ पाएंगे।

मीन

आज जो उम्मीदें संजो रखी हैं, उनके पूरा न होने पर आप खिन्न रहेंगे। निजी संबंधों के कुछ मामलों में विवाद की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। एक बात आज विशेष रूप से नोट कर लें कि जीवन में जब भी आपको आवश्यकता पड़ेगी तब आपके पारिवारिक सदस्यों से वांछित सहयोग कभी प्राप्त नहीं होगा। आपको कल के दिन कारोबार में भी लाभ मौका मिलेगा और आपकी जमा पूंजी में वृद्धि होगी।

वर्ग पहेली 5991

1	2	3		4	5		6
7				8		9	
10				11			
		12	13			14	15
16	17			18			
	19			20		21	
22							
			23			24	

संकेतः बाएं से दाएं
1. 7 जून इस भारतीय पेशेवर टेनिस खिलाड़ी का जन्म दिवस है (6)
7. इच्छा, ख्वाहिश, मांग (3)
8. संगीत के साथ तेजी से अंगों को संचालित करना (4)
10. बंदूक को अंग्रेजी मे यह कहते है (2)
11. छल, बनावटी, व्यवहार (3)
12. अनेक प्रकार के, एक रिश्ता (2)
14. इस वृक्ष की छाल औषधि के निर्माण में भी प्रयुक्त होती है (2)
16. नाम चयन, नाम निर्देशन, किसी काम के लिए किसी का तकरूर (उर्दू)(5)
19. रूपया-पैसा (अंग्रेजी)(2)
20. सामंजस्य, तालों का मिलान (4)
22. संतति, औलाद, पुत्र या पुत्री (3)
23. चुकता किया हुआ, दिया हुआ (2)
24. भीड़ को प्रेरित तथा उत्तेजित करने के लिए किया गया सामूहिक उद्घोष (2)

ऊपर से नीचे
1. मतों की गिनती (5)
2. लगभग 500 फिल्मों में नृत्य पेश कर चुकी ये नृत्यांगना अभिनेत्री (3)
3. रात्रि, निशा, रात, विभावरी, निशा (उर्दू)(2)
4. राहगीर, बटोही, राह या पथ पर चलने वाला (3)
5. नृत्य मे एक प्रकार की गति (3)
6. पंख, पर (2)
9. मध्यप्रदेश का यह शहर चूना-पत्थर के शहर के नाम से लोकप्रिय है (3)
12. सुकुमारी, एक सुंदर स्त्री, सुंदरी (उर्दू)(4)
13. आवाज, शब्द, ध्वनि (2)
15. राजा का निवा, अंतपुर (3)
17. माता का दुलार जो उसकी संतान पर होता है (3)
18. यह प्रसिद्ध भारतीय पार्श्व गायिका थी (23 नवंबर 1930-20 जुलाई 1972) (4)
21. भेड़ या बकरी का बच्चा (3)
22. चेतना शक्ति, होश, हिंदी व्याकरण में किसी वस्तु का बोधक-सूचक शब्द (2)

वर्ग पहेली 5990 का हल

पा	कि	स्ता	न		शा	र	दा
र्थ		व	न	स्प	ति		ग
	शौ	क		पा	र	हो	ना
चा	ह		क	र्क		लि	
	र	सि	क		ड	का	र
ग	प		ह	नु		द	ही
वा	र		रा		व	ह	म
ह	स्त			व	र्ण	न	

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा डी.बी. कॉर्पो. लि., के.जी. आश्रम के पास, बिफोर मंदिर, गोसाईंडीह, गोविंदपुर रोड, धनबाद, झारखण्ड – 828112 में मुद्रित एवं वार्ड नं. 8, बांधपाड़ा, दुमका, झारखंड – 814101 से प्रकाशित | संपादक- साकेत कुमार, मो.-9934957121, 7766886433 | E-mail : svvjh123@gmail.com | website : www.sonvarshavani.com

कोहरा 2 में अपने किरदार को लेकर बोले बरुन सोबती

दर्शकों के बीच अपनी पहचान बनाने वाली वेब सीरीज कोहरा का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने जा रहा है। पहली सीरीज की कहानी, रहस्य और रहस्यमयी वातावरण दर्शकों को इतना पसंद आया कि इसके दूसरे सीजन का इंतजार लंबे समय से किया जा रहा था।

इस बार की कहानी में रहस्य और मामले पहले से भी ज्यादा जटिल होंगे। इस बार भी अभिनेता बरुन सोबती अपने पहले वाले किरदार अमरपाल गारुडी के रूप में नजर आएंगे। सीरीज में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए बरुन ने कहा, इस सीजन में गारुडी पहले से ज्यादा सतर्क है। वह हर कदम पर सोच-विचार करता है और अपने फैसलों और विकल्पों का लगातार मूल्यांकन करता है। गारुडी इस बार नए सिरे से जीवन शुरू करना चाहता है, लेकिन कोहरा की दुनिया में बीते समय और पुराने अनुभव उसे पीछे नहीं छोड़ते। रहस्य इस बार और गहरा है और केस की जटिलता उसकी मानसिक स्थिति और फैसलों में भी दिखती है। बरुन ने कहा, इस सीजन ने मुझे अभिनेता के रूप में नई चुनौतियां दी हैं। मुझे उम्मीद है कि दर्शक इस कहानी में गहराई से जुड़ेंगे। कोहरा 2 की कहानी इस बार जगराना से आगे बढ़ते हुए दलेरपुरा पहुंचती है, जहां माहौल पहले से ज्यादा गंभीर और रहस्यमयी है। एएसआई अमरपाल गारुडी का तबादला दलेरपुरा पुलिस स्टेशन में हो जाता है और यहीं से कहानी एक नया मोड़ लेती है।

इस सीजन का सबसे बड़ा आकर्षण मोना सिंह हैं, जो गारुडी की नई कमांडिंग ऑफिसर धनवंत कौर की भूमिका निभा रही हैं। दोनों का काम करने का तरीका अलग है, सोच अलग है, लेकिन लक्ष्य एक ही है, सच तक पहुंचना। जैसे-जैसे वे एक हत्या के मामले की परतें खोलते हैं, वैसे-वैसे उनके अपने अतीत से जुड़े कई दबे हुए राज भी सामने आने लगते हैं। पंजाब की पृष्ठभूमि में बुनी गई यह कहानी धीमी रफ्तार में आगे बढ़ती है, लेकिन हर मोड़ पर असर छोड़ती है। यह सीजन 11 फरवरी से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी।

रीटा फरेरा के किरदार से खुद को कैसे जोड़ती हैं भूमि?

भूमि पेडनेकर की नई सीरीज 'दलदल' ओटीटी प्लेटफॉर्म पर आ चुकी है। इस बार अभिनेत्री एक डीसीपी के रूप में क्राइम से लड़ती नजर आएंगी। इस इंटरव्यू में भूमि ने दलदल की कहानी में दिखाए गए समाजिक मुद्दों समेत इस सीरीज में अपने किरदार और उसके पीछे की गंभीरता के बारे में भी चर्चा की। बातचीत में भूमि ने यह भी बताया कि किस तरह वो अपने किरदार के साथ रिलेट करतीं हैं।

क्यों अलग है 'दलदल' सीरीज?

भूमि पेडनेकर ने इस इंटरव्यू में 'दलदल' के बारे में बात करते हुए कहा, इस शो का अनुभव वैसा ही है जैसे आप किसी चीज में फंसते चले जा रहे हों वही घुटन, वही बेचैनी, वही क्लॉस्ट्रोफोबिक सी फीलिंग। मेरा किरदार उस भावना को बहुत अच्छी तरह समझाता है। हालांकि शो में एक तरह की डार्कनेस है लेकिन इसके साथ ही हल्कापन भी है। यह एक बहुत इंटेलिजेंट और मनोवैज्ञानिक क्राइम ड्रामा है। इस जॉनर में कई शो आए हैं लेकिन फूली फील्स की राइटिंग इसमें एक अलगपन लेकर आती है।

किन मायनों में अलग है रीटा फरेरा का किरदार?

'दलदल' में अपने किरदार डीसीपी रीटा फरेरा के बारे में भूमि ने कई बातें बताईं। भूमि ने कहा, रीटा अपने काम के प्रति बेहद ईमानदार है, लेकिन वर्दी में और वर्दी के बाहर उसका व्यक्तित्व बिल्कुल अलग दिखता है। उसके भीतर गहरी डार्कनेस है, बहुत सा ट्रॉमा है जिससे वह पूरी तरह बाहर नहीं आ पाई।

यही इस शो की जड़ है कि हम सब अपने बचपन के घावों को ठीक से संभाल नहीं पाते हैं। इसी कमी ने उसे हर तरह की खुशी से दूर कर दिया। उसके अंदर गुस्सा भी है, हिंसा भी है और उतनी ही गहरी संवेदनशीलता भी। यही उसका दलदल है और यही वह जाल है जिसमें इस शो का हर किरदार अपने अपने तरीके से फंसा हुआ है।

रीटा के व्यक्तिव से समानता महसूस करती हूं

भूमि पेडनेकर ने अमर उजाला को दिए इस इंटरव्यू में अपने और रीटा फरेरा के बारे में बताया, मैं यानी भूमि खुद को रीटा से जिस एक चीज के जरिए जोड़ पाती हूं वह है काम के प्रति उसकी ईमानदारी। रीटा की तरह मेरे अंदर भी अपने काम को लेकर गहरी सच्चाई है। मैं हमेशा कोशिश करती हूं कि अपने किरदार को जितनी ईमानदारी और सच्चाई से निभा सकूं निभाऊं। शायद यही वह जगह है जहां मैं और रीटा एक दूसरे से मिलते हैं। उसकी तरह मैं भी अपने काम में पूरी तरह डूब जाती हूं।

फिल्म में दिखेंगी एक नई दीपिका

'जवान' फेम निर्देशक एटली इन दिनों अल्लू अर्जुन के साथ अपनी आगामी फिल्म को लेकर चर्चाओं में हैं। हालांकि, अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं है। बड़े स्तर पर बन रही इस फिल्म में दीपिका पादुकोण भी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगी। अब एटली ने फिल्म को लेकर बात की है। बातचीत के दौरान एटली ने

इस फिल्म को लेकर बताया कि टीम फिल्म पर काफी मेहनत कर रही है। इसके बारे में बात करने के लिए उतनी ही उत्साहित है, लेकिन सही समय का इंतजार कर रही है। हर दिन हमें कुछ न कुछ नया पता चल रहा है। मुझे पता है कि हर कोई फिल्म के बारे में सुनना चाहता है। सच कहूं तो, अपने दर्शकों से भी ज्यादा, मैं उन्हें सब कुछ बताने के लिए उत्सुक हूं। हम इस पर काम करते हुए रातों की नींद हराम कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह कोई बहाना नहीं है, लेकिन हम उतने ही उत्साहित हैं। हम सबके लिए कुछ बहुत बड़ा तैयार कर रहे हैं। एक बार यह बन जाए, तो यकीन मानिए, हर कोई इसका भरपूर आनंद उठाएगा।

'जवान' के बाद फिर से दीपिका पादुकोण के साथ काम करने पर एटली ने कहा कि हां, वो मेरी लकी चार्म हैं। दीपिका के साथ यह मेरी दूसरी फिल्म है और उनके साथ काम करना बेहद शानदार है। वो लाजवाब हैं। मुझे लगता है कि मां बनने के बाद इस फिल्म की शूटिंग शुरू करने पर आपको एक बिल्कुल अलग दीपिका देखने को मिलेंगी।

टैलेंट से सफल अभिनेत्री और गायिका बनीं हैं श्रुति हासन

भारतीय सिनेमा में कुछ नाम ऐसे हैं, जो सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। ये नाम अपनी बहुआयामी प्रतिभा से एक अलग पहचान बनाते हैं। 28 जनवरी को अपना जन्मदिन मनाने वालीं श्रुति कमल हासन ऐसी ही एक शख्सियत हैं। एक सफल अभिनेत्री, गायिका, संगीतकार और परफॉर्मर, जिनकी पहचान केवल एक स्टार किड के तौर पर नहीं, बल्कि एक मेहनती और टैलेंटेड आर्टिस्ट के रूप में बनी है।

हासन परिवार में जन्म लेने के बावजूद श्रुति ने अपनी राह खुद बनाई। वह न सिर्फ एक सफल अभिनेत्री हैं, बल्कि एक स्थापित गायिका और म्यूजिक कंपोजर भी हैं, जिन्होंने तमिल, तेलुगु और हिंदी सिनेमा में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई है। श्रुति ने चेन्नई के एबाकस मोंटेसरी स्कूल में पढ़ाई की और दसवीं तक वहीं शिक्षा ग्रहण की। इसके बाद मुंबई के सेंट एंड्रयूज कॉलेज से साइकोलॉजी की पढ़ाई की। बचपन से ही उन्हें संगीत और सिनेमा में गहरी रुचि थी। इसी लगाव ने उन्हें आगे चलकर अमेरिका के कैलिफोर्निया स्थित म्यूजिशियंस इंस्टीट्यूट तक पहुंचाया, जहां उन्होंने संगीत की औपचारिक ट्रेनिंग ली।

महज छह साल की उम्र में श्रुति हासन ने अपने पिता की फिल्म थेवर मगन (1992) में पहला गाना गाया, जिसे इलैया राजा ने कंपोज किया था। इसके बाद स्कूल के दिनों में उन्होंने हिंदी फिल्म चाची 420 (1997) में भी गायन किया। साल 2000 में कमल हासन के निर्देशन में बनी फिल्म हे राम में उन्होंने बाल कलाकार के रूप में अतिथि भूमिका निभाई और उसी फिल्म के लिए हिंदी और तमिल में टाइटल थीम रामा रामा भी गाई। एक अभिनेत्री के तौर पर श्रुति ने वयस्क भूमिका में डेब्यू 2009 में बॉलीवुड फिल्म 'लक' से किया। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय सिनेमा की ओर रुख किया और यहीं से उनका करियर नई ऊंचाइयों पर पहुंचा।

श्रुति को असली पहचान तेलुगु फिल्म अनागनगा ओ धीरुडु (2011) से मिली। इन फिल्मों में उनके अभिनय ने उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट फीमेल डेब्यू साउथ दिलाया। इसके बाद उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया। रेस गुर्रम (2014) में दमदार भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट एक्ट्रेस तेलुगु मिला। कुल मिलाकर श्रुति के नाम तीन फिल्मफेयर अवॉर्ड्स सहित कई सम्मान दर्ज हैं। हिंदी सिनेमा में श्रुति हासन ने डी-डे, रामैया वस्तावैया, गब्बर इज बैक, वेलकम बैक, रॉकी हैंडसम जैसी फिल्मों में काम किया। जहां कुछ फिल्मों को समीक्षकों की सराहना मिली, वहीं कुछ बॉक्स ऑफिस पर सफल रहीं। अभिनय के साथ-साथ संगीत श्रुति हासन की पहचान का अहम हिस्सा है। वह एक स्थापित पार्श्व गायिका हैं।

शादी और करियर पर विक्रांत सिंह और मोनालिसा ने साझा किए दिलचस्प किस्से

मोनालिसा और विक्रांत रियलिटी शो 50 में एक साथ नजर आ रहे हैं। शो शुरू होने से पहले खास बातचीत में दोनों ने शो के फॉर्मेट, अपने रिश्ते और करियर को लेकर कई दिलचस्प बातें शेयर कीं। बता दें कि मोनालिसा का असली नाम अंतरा बिसवास है और वे 50 से ज्यादा भोजपुरी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। बिग बॉस 10 के बाद उनकी लोकप्रियता और भी बढी और उन्होंने टीवी इंडस्ट्री में भी अपनी मजबूत पहचान बनाई, जहां कई पापुलर शोज में उन्होंने अहम भूमिकाएं निभाईं।

मोनालिसा को लेकर समाज की सोच पहले निगेटिव थी - विक्रांत

विक्रांत सिंह के मुताबिक, मोनालिसा जब बिग बॉस में आई थी, उससे पहले लोगों की सोच ज्यादातर निगेटिव थी। हम जिस सोसाइटी से आते हैं, वहां खासकर लड़कियों के लिए निगेटिव सोच जल्दी बनती है। घर से निकलकर फिल्म इंडस्ट्री में आना गलत मान लिया जाता है। आप सही हों या गलत लोग की नजर में आप गलत ही हो जाते हैं। अगर आपने ऐसा किरदार चुना जिसे आपको परफॉर्म करना है, तो भी गलत माना जाता है। लोगों ने मोनालिसा के बारे में गलत सोचा। वो लोग बोलने से पहले सोचते नहीं।

शादी के बाद बदली राय, पर सोच धीरे बदलती है

वो आगे कहते हैं, बिग बॉस में आने के बाद कुछ हद तक राय बदली। हमारी शादी हुई तो और भी बदलाव आया। लेकिन सोच बहुत धीरे बदलती है। ज्यादातर लोग निगेटिव जाते हैं। आपकी मेहनत को लोग क्रेडिट नहीं देते कहते हैं अरे इसको ऐसे ही मिल गया होगा। ये सिर्फ मोना के साथ नहीं, कई लड़कियों के साथ होता है।

50 शो का स्केल देखकर दोनों ने तुरंत हां कहा

रियलिटी शो 50 के बारे में विक्रांत कहते हैं, मेकर्स ने बताया कि हिंदुस्तान का सबसे बड़ा शो बनाना चाहते हैं, 50 सेलेब्स आने वाले हैं। यह सुनकर कोई भी तुरंत सोच लेगा कि भाई मौका मिल रहा है, चौका मार देते हैं। तो हम तो तुरंत तैयार हो गए।

मोनालिसा - 15 नहीं, 50 लोग... फॉर्मेट ही सबसे बड़ा बदलाव

मोनालिसा ने आगे जोड़ा, जब फॉर्मेट सुना तो सबसे पहला सोच यही थी कि बहुत अलग होगा। पहले जब मैं बिग बॉस में गई थी, वहां 15 लोग थे, यहां 50 रहेंगे। और हमें दोनों को साथ बुलाया गया है। बिग बॉस के बाद हमें ज्यादातर रियलिटी शो ही ऑफर होते रहे, जैसे नच बलिये, स्मार्ट जोडी, किचन चैम्पियन यह सब बहुत एक्साइटिंग था। मुझे नए एक्सपीरियंस लेना पसंद है। मैं चाहती हूं कि करियर वाइज हमेशा कुछ नया करूं और लकी हूं कि मिल भी जाता है।

क्या रियलिटी शो रिश्ते पर असर डालते हैं?

विक्रांत साफ कहते हैं, पर्सनल लाइफ और घर में रहना एक बात है। लोगों के बीच जाकर कैसे रियेक्ट करते हो, वो दूसरी बात है। ऊपर से गेम खेलना है। तो मुझे लगता है कि डिफरेंसेज दिखेंगे ही। घर में भी कई मुद्दों पर हम सहमत नहीं होते। कोई प्लानिंग नहीं है हमारी। लोग मोना के नेचर को जानते हैं और मेरे लोग मुझे जानते हैं। मुझे उतना नहीं देखा है लोगों ने, तो इस शो से लोग मुझे पर्सनली जानेंगे। जो भी होगा नैचुरली होगा।

विक्रांत अपने प्रोफेशनल फैसलों पर मोना पर कितना निर्भर हैं?

विक्रांत कहते हैं, एक पैसे का निर्भर नहीं हूं। ये अच्छा नहीं है, लेकिन सच है। मोना को भी मालूम है। मैं भी ऐसा प्लेटफॉर्म चाहता हूं, जहां लोग मुझे जानें। जहां भी गया हूं, मेरे लोग जानते हैं कि मैं बिल्कुल नहीं सुनता हूं। सुनूंगा तभी जब बात में लॉजिक हो, वरना नहीं। उम्मीद करता हूं कि इस शो से मुझे मेरी पहचान मिले।

मोनालिसा किस तरह के रोल करना चाहेंगी?

मोनालिसा बताती हैं, बहुत सारे कैरेक्टर करना चाहती हूं। आजकल वेब सीरीज में इतने रियल रोल देखते हैं कि लगता है, ऐसा मैंने अभी तक किया ही नहीं है। रियल, नेचुरल, लोकेशन पर शूट बहुत कुछ बाकी है। पांच छह साल पहले पूछते तो कहती कि करीना की जब वी मेट जैसा चुलबुला रोल करना चाहती हूं। लेकिन अब उससे हटकर भी कई कैरेक्टर करना है।

कैंची धाम से दिल्ली लौट रहे बुजुर्ग दंपति की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत

अल्मोड़ा , एजेंसी। उत्तराखंड के अल्मोड़ा के बाड़ेछीना-सेराघाट मोटर मार्ग पर दिल्ली से घूमने आए परिवार की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में बुजुर्ग दंपति की मौत हो गई। जबकि बेटा गंभीर रूप से घायल है। कार बेकाबू होकर खाई में लुढकते हुए नीचे दूसरी सड़क पर उल्टा गिरी। हादसा इतना भयावह था कि दंपति के शव वाहन के अंदर ही फंसे रह गए। पहले पुलिस और स्थानीय लोगों ने लोहे के सब्बल से वाहन के दरवाजे तोड़कर शव निकालने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बाद मौके पर जेसीबी बुलानी पड़ी। धौलछीना थाना पुलिस के अनुसार, दिल्ली के महरौली मंगलपुरी निवासी 75 वर्षीय प्रणब राय अपनी 72 वर्षीय पत्नी शुभी राय और 52 साल के बेटे सिद्धार्थ राय के साथ उत्तराखंड घूमने आए हुए थे। शनिवार सुबह कैंची धाम में दर्शन करने किए और फिर वहां से 250 किमी दूर मुनस्यारी में बर्फ देखने निकल गए। अपराह्न करीब तीन बजे बाड़ेछीना-सेराघाट रोड पर कसान बैंड के पास उनकी स्कॉर्पियो कार बेकाबू होकर खाई में गिर गई। 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर कार गिरी, पर उल्टा गिरने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। छत पिचकने से परिवार वाहन के अंदर दब गया। स्थानीय लोग राहत-बचाव कार्य को दौड़े।

एसओ सुनील सिंह बिष्ट ने बताया कि गंभीर घायल सिद्धार्थ को रेस्क्यू कर धौलछीना अस्पताल पहुंचाया गया। जेसीबी की मदद से दंपति के शव बाहर निकाले जा सके। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना में घायल सिद्धार्थ राय पेशे से आर्किटेक्ट हैं। सिद्धार्थ की पत्नी गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। इस कारण वह उनके साथ नहीं आई थीं। सूचना के बाद सिद्धार्थ की पत्नी बेसुध हैं। परिजन दिल्ली से अल्मोड़ा के लिए निकल चुके हैं। हादसे में शिक्षक राकेश मेहरा ने मिसाल पेश की। वह बचाव राहत कार्य के लिए तुरंत आगे आए। राकेश ने बिना समय गंवाए गंभीर घायल सिद्धार्थ को अपने निजी वाहन से धौलछीना अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद सिद्धार्थ को हल्द्वानी रेफर किया गया है। भैंसियाछाना ब्लॉक के बाड़ेछीना-सेराघाट मोटर मार्ग पर हुआ हादसा सबकी रूह कंपा गया। हालात यह रहे कि वाहन से शव निकालने के लिए लोहे की सब्बल का इस्तेमाल करना पड़ा। जब सब्बल से दरवाजे नहीं टूटे तो जेसीबी बुलाई गई।

बीमार मां की बेरहमी से पिटाई, गाजियाबाद में नशेड़ी बेटे की खौफनाक करतूत

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के मधुबन बापूधाम इलाके से एक डरावनी घटना सामने आई है। एक नशेड़ी बेटे का अपनी बुजुर्ग मां को घर पर बेरहमी से पीटने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि लाइव हिन्दुस्तान इस वायरल वीडियो के सत्यता की पुष्टि नहीं करता है।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, वारदात का वीडियो शनिवार को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें साफ देखा जा सकता है कि लगभग 26 साल का एक युवक एक बुजुर्ग महिला को बुरी तरह पीट रहा है। जांच में पता चला कि यह वीडियो मधुबन बापूधाम थाना क्षेत्र के संजय नगर सेक्टर-23 स्थित जागृति विहार के एक मकान का है। पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी निशांत ठाकुर को गिरफ्तार कर लिया। पड़ोसियों ने बताया कि घर में बुजुर्ग महिला और उनका बेटा रहते हैं। पिता की कई साल पहले मौत हो गई थी। बुजुर्ग महिला की बेटी अमेरिका में नौकरी करती है जबकि भाई नशे का आदी है। आरोपी भाई निशांत ठाकुर एक हफ्ते पहले ही नशा मुक्ति केंद्र से बाहर आया

था। बेटी अपनी मां को घर के खर्च और इलाज के लिए अमेरिका से पैसे भेजती है। निशांत ठाकुर नशे का आदी है। बताया जाता है कि नशे के लिए पैसे नहीं मिलने पर उसने अपनी मां की पिटाई की। आरोपी ने बुजुर्ग का गला तक दबा दिया। वृद्धा ने अपनी बेटी को भाई की करतूत बताई थी। इसी वजह से बेटी ने घर में सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए थे। वह अपनी मां के हालात अमेरिका से ही मोबाइल पर देखती रहती थी।

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक के मोलकेरा गांव में संदिग्ध विस्फोट, स्कूली बच्चों समेत 6 लोग घायल

बेंग्लूरू, एजेंसी। कर्नाटक के बिदर जिले के मोलकेरा गांव में शुक्रवार सुबह एक संदिग्ध विस्फोटक वस्तु के फटने से कम से कम छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में चार स्कूली बच्चे भी शामिल हैं। घटना मोलगी मरैया मंदिर के निकट सड़क किनारे हुई, जहां बच्चे स्कूल जाने के लिए वैन का इंतजार कर रहे थे। अचानक हुए जोरदार धमाके से पूरे गांव में दहशत फैल गई। स्थानीय निवासियों ने तुरंत घायलों की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचकर उन्हें सहारा दिया, इससे पहले कि आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंच पातीं। प्रारंभिक जांच में संकेत मिले हैं कि यह विस्फोट किसी ज्वलनशील पदार्थ या विस्फोटक सामग्री के गलत तरीके से एकत्रित और निपटान के लिए रखे जाने के कारण हुआ हो सकता है। पुलिस का प्रारंभिक अनुमान है कि यह लापरवाही का मामला प्रतीत होता है, हालांकि आपराधिक साजिश की आशंका को भी नकारा नहीं जा रहा है। फोरेंसिक विशेषज्ञ टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण शुरू कर दिया है और नमूने एकत्र किए जा रहे हैं ताकि विस्फोटक वस्तु की सटीक प्रकृति का पता लगाया जा सके। घायलों में दो वयस्कों की हालत गंभीर बताई जा रही है, जबकि बच्चे स्थिर स्थिति में हैं। सभी घायलों को निकटवर्ती अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। जिला प्रभारी मंत्री ईश्वर बी. खांड्रे ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है और अधिकारियों को घायलों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने तथा विस्फोट के पूरे मामले की गहन जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं। सुरक्षा के मद्देनजर गांव और आसपास के इलाकों में पुलिस बल बढ़ा दिया गया है।

फरीदाबाद में ठेले पर शव ले जाने की घटना पर सरकार पर हमला

फरीदाबाद, एजेंसी। बेहद शर्मनाक तस्वीर सामने आई है जहां गरीबी के कारण एक परिवार को शव ठेले पर ले जाने को मजबूर होना पड़ा। बताया जाता है कि परिवार के पास निजी एंबुलेंस के 700 रुपये चुकाने के पैसे नहीं थे इसलिए मजबूरन उसके बुजुर्ग दादा शव को ठेले पर रखकर 10 किलोमीटर दूर घर तक ले गए। इस मुद्दे को लेकर सियासत गर्म हो गई है।क्रके नेशनल मीडिया इंचार्ज अनुराग ढांडा ने इस घटना को क्रछक्र की असंवेदनशीलता का उदाहरण बताया है। आम आदमी पार्टी के नेशनल मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने फरीदाबाद की घटना को क्रछक्रकी असंवेदनशीलता का चौंकाने वाला उदाहरण बताया। ढांडा ने कहा कि इस घटना ने सरकार की नाकामी को उजागर किया है। डॉक्टरों ने भी माना कि शव को ले जाने के लिए कोई इंतजाम नहीं था। खाली स्वास्थ्य पदों, डॉक्टरों, नर्सों, बेड की कमी और खराब एम्बुलेंस सिस्टम की ओर इशारा करते हुए ढांडा ने कहा कि हरियाणा का हेल्थकेयर सिस्टम भगवान भरोसे चल रहा है। अनुराग ढांडा ने ष्टरूनायब सिंह सैनी से आग्रह किया कि वे पंजाब के हेल्थ मॉडल से सबक लेकर हरियाणा के हेल्थकेयर सिस्टम को ठीक करें। उन्होंने पूछा कि जब न तो इलाज मिलता है और न ही मौत के बाद सम्मान, तो ऐसी सरकार का क्या ही फायदा? एक अन्य पोस्ट में,क्र नेता अनुराग ढांडा ने वीडियो पोस्ट करते हुए कहा कि क्या नरेन्द्र मोदी, जेपी नड्डा, नायब सिंह सैनीजकिसी में भी थोड़ी भी नैतिकता बची है? झुनझुन जी की कहानी भारत की स्वास्थ्य व्यवस्था की असली और डरावनी तस्वीर दिखाती है। एक गरीब इंसान लाखों खर्च करके भी अपने परिवार की जान नहीं बचा पाता। शर्मनाक बात यह है कि हरियाणा सरकार इस परिवार को एक एम्बुलेंस तक देने में विफल रही। गांव सारण के निवासी झुनझुन की पत्नी अनुराधा टीबी से बीमार थी। वह उसे इलाज के लिए बीके अस्पताल लाए थे जहां उसकी मृत्यु हो गई। इसके बाद परिवार शव को घर ले जाने के लिए एम्बुलेंस मांगता रहा लेकिन मदद नहीं मिली। परिवार करीब डेढ़ घंटे तक शव के साथ अस्पताल में खड़ा रहा। आखिरकार परिवार ठेले पर शव को ले गया। घटना का वीडियो वायरल हो रहा है। एक बड़े सरकारी अस्पताल की ऐसी संवेदनहीनता ने इंतजामों पर सवाल उठाए हैं।

ममता ने चुनाव आयुक्त को फिर लिखा पत्र, सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की भूमिका पर उठाया प्रश्न

कोलकाता , एजेंसी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआइआर) की प्रक्रिया पर प्रश्न उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को फिर पत्र लिखा है। इस बार उन्होंने सूक्ष्म पर्यवेक्षकों पर निशाना साधा है।

दिल्ली रवाना होने से एक दिन पहले लिखे गए इस पत्र में ममता ने आरोप लगाया कि बंगाल में नियमों का उल्लंघन करके सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। देश के चुनावी इतिहास में पहली बार बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के लिए 8,100 सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। एसआइआर जैसे विशेष, संवेदनशील व अर्ध-न्यायिक प्रक्रिया के लिए बिना किसी प्रशिक्षण के अक्षम लोगों की नियुक्तियां की गई हैं। उनकी भूमिका, कार्य व अधिकारों का ठीक तरीके से उल्लेख भी नहीं किया गया है। ममता ने आगे कहा-%हमारे पास सूचना है कि कुछ पर्यवेक्षक बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी के कार्यालय से काम कर रहे हैं।

उन्होंने बिना किसी कानूनी प्राधिकार के चुनाव आयोग के पोर्टल को अपने नियंत्रण

में ले लिया है। परेशान करने वाली बात यह भी है कि एसआइआर की प्रक्रिया को भिन्न राज्यों में भिन्न तरीके से क्रियान्वित किया जा रहा है जबकि सभी जगह इसमें एकरूपता होनी चाहिए थी। बंगाल में इसे लेकर बिल्कुल अलग नियम-कानून अपनाए जा रहे हैं। यह हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों, संघीय ढांचे और मौलिक अधिकारों के पूरी तरह विरुद्ध है। लोगों के अधिकारों व गरिमा की रक्षा की जानी चाहिए।ममता ने दावा किया कि बंगाल में एसआइआर जनित कारणों से अब तक 140 लोगों की मौत हो चुकी है।

जयपुर में मौत का धमाका: ऑक्सीजन रिफिलिंग के दौरान सिलेंडर फटा, एक व्यक्ति के उड़े चीथड़े

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के जयपुर में एक बड़ा हादसा हो गया। यहां जयपुर के विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र स्थित रोड नंबर 17 की करणी विहार कॉलोनी में शनिवार रात करीब 7ः45 बजे एक ऑक्सीजन रिफिलिंग फैक्ट्री में जबरदस्त धमाका हुआ। यह विस्फोट उस समय हुआ जब फैक्ट्री में ऑक्सीजन सिलेंडर भरे जा रहे थे। धमाका इतना शक्तिशाली था कि फैक्ट्री का टिनशेड उड़ गया और एक दीवार पूरी तरह ढह गई। विस्फोट की आवाज कई किलोमीटर दूर तक सुनाई दी, जिससे आस-पास की रिहायशी कॉलोनियों में भूकंप जैसा अहसास हुआ और लोग घरों से बाहर निकल आए।

मृतकः मुन्ना राय (झारखंड निवासी), जो फैक्ट्री में कार्यरत थे। धमाके की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई?

विनोद गुप्ता (45 वर्ष)ः फैक्ट्री मैनेजर, जो गंभीर रूप से घायल हैं। शिबू उर्फ अनुवाः झारखंड निवासी कर्मचारी, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है घटना की सूचना मिलते ही विश्वकर्मा थाना पुलिस और फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। स्थानीय निवासियों की मदद से घायलों को तुरंत पास

के अस्पताल (खेतान हॉस्पिटल एवं अन्य) पहुंचाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर विस्फोट के सही कारणों की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों ने रिहायशी इलाके के पास ऐसी फैक्ट्रियों के संचालन पर सुरक्षा सवाल उठाए हैं।

11.30 बजे अदालत में चार्जशीट, शाम पांच बजे आ गया फैसला

जयपुर , एजेंसी। राजस्थान में चोरी के एक मामले में चार्जशीट पेश होने के महज कुछ घंटे बाद ही न्यायिक मजिस्ट्रेट डा. अजय कुमार विश्नोई ने फैसला सुना दिया। जज ने चोरी के तीन आरोपितों को तीन-तीन साल के कठोर कारावास की सजा सुनाने के साथ ही 20-20 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। राजस्थान में यह पहला मामला है जब चालान पेश होने के दिन ही मामले में गवाही हो गई, दस्तावेजों का प्रदर्शन होने के साथ ही बहस पूरी हो गई। इसके बाद न्यायिक मजिस्ट्रेट ने फैसला भी सुना दिया। इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट ने ना तो दोपहर में भोजन किया और ना ही न्यायालय छोड़कर अपने कक्ष में गए। न्यायालय में अभियोजन अधिकारी पंकज यादव ने बताया कि न्यायालय में रिकार्ड समय में सात गवाहों के बयान दर्ज करने के साथ ही 50 अहम दस्तावेजों का अध्ययन किया गया।

सनकी महिला का तांडव, प्रेमी की पत्नी और 6 माह के मासूम को पेट्रोल डालकर जिंदा जलाया

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के नल्गोंडा जिले के एक गांव में शनिवार को दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई। कथित प्रेम प्रसंग से नाराज एक महिला ने युवक की पत्नी और उसके छह माह के बेटे पर पेट्रोल डालकर आग लगा दी। इस घटना में 28 वर्षीय महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से झुलसा मासूम इलाज के दौरान दम तोड़ बैठा। पुलिस के अनुसार, आरोपित महिला का मृतका के पति से कथित संबंध था। युवक की शादी के बाद उपेक्षा किए जाने से नाराज होकर वह शनिवार दोपहर उसके घर पहुंची और उसके पत्नी को निशाना बनाया। घटना के समय महिला की गोद में उसका छह माह का बेटा भी था, जो आग की चपेट में आ गया। पुलिस ने बताया कि आरोपित महिला वारदात के वक्त पेट्रोल, चाकू और मिर्च पाउडर साथ लेकर आई थी। उस समय युवक घर पर मौजूद नहीं था। मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, जिसमें यह भी देखा जा रहा है कि युवक की कोई भूमिका तो नहीं थी। पुलिस के मुताबिक, आरोपित महिला के पति की मौत हो चुकी है। घटना के बाद से वह फरार है और उसकी तलाश जारी है।

ग्रेटर नोएडा में बिजली घर की क्षमता बढ़ाने की तैयारी

ग्रेटर नोएडा , एजेंसी। ग्रेटर नोएडा वेस्ट इलाके में बिजली आपूर्ति और बेहतर हो जाएगी। क्षेत्र के इटेड़ा स्थित 33 केवी बिजली घर की क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा। इसके लिए 10 एमवीए क्षमता का एक और ट्रांसफार्मर जल्द लगाया जाएगा। जलपुरा के बिजली घर से लाइन जोड़ने का काम पूरा हो गया है।

इससे दर्जन भर से अधिक सोसाइटी व गांव के लोगों को फायदा मिलेगा। गर्मी के मौसम में ओवर लोडिंग की वजह से ट्रिपिंग की समस्या दूर हो जाएगी। शुक्रवार को ग्रेटर नोएडा के एसीईओ सुनील कुमार और एसीईओ प्रेरणा सिंह ने बिजली घर का जायजा लिया। दो सप्ताह में इसे ऊर्जीकृत यानी चालू करने के निर्देश दिए हैं। अधिकारी के मुताबिक इटेड़ा बिजली घर को जलपुरा स्थित 220 केव क्षमता के बिजली घर से जोड़ा जाएगा। जलपुरा से इटेड़ा बिजलीघर तक लाइन डालने का काम लगभग पूरा हो गया है। इस कार्य पर लगभग 8 करोड रुपये खर्च हुए हैं। बिजली घर की 10 एमवीए क्षमता बढ़ने से ग्रेटर नोएडा वेस्ट के निवासियों के लिए बिजली आपूर्ति और बेहतर हो जाएगी। बता दें कि शहर की आबादी बढ़ने से बिजली की मांग में रिकॉर्ड वृद्धि हुई है। इसके लिए मौजूदा नेटवर्क की क्षमता बढ़ाने के साथ नए बिजली घर बनाने की योजना पर भी काम चल रहा है। बादलपुर में भी बिजली घर का निर्माण किया जाएगा। एसीईओ ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट के सेक्टर ईकोटेक- तीन स्थित ईकोटेक-3, हबीबपुर, सुत्याना, जलपुरा, हल्दौनी व कुलेसरा गांव जुड़े हुए हैं। इन जगहों से निकलने वाले

20 एमएलडी क्षमता के सीवरेज शोधित संयंत्र (एसटीपी) में चल रहे रखरखाव और संचालन के कार्यों का भी जायजा लिया। शोधित जल के पैरामीटर बीओडी, सीओडी, टीएसएस, टीएन और पीएच फैक्टर आदि पैरामीटर की रिपोर्ट को भी जांचा। अधिकारी के मुताबिक सभी पैरामीटर मानकों के अनुरूप मिले। एसीईओ ने शोधित जल के अधिकतम उपयोग के लिए योजना तैयार करने के निर्देश दिए। बता दें कि इस एसटीपी से औद्योगिक सेक्टर सीवरेज को शोधित किया जाता है। निरीक्षण के दौरान प्रबंधक संध्या सिंह और सहायक प्रबंधक रियाजुद्दीन व कार्यदायी संस्था के प्रतिनिधि मौजूद रहे। ग्रेटर नोएडा वेस्ट के औद्योगिक सेक्टरों में निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए इकोटेक-16 में 220 केवी क्षमता का बिजली घर बनाया जाएगा।तकनीकी व डिजाइन के लिए उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कार्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीटीसीएल) को रिपोर्ट भेज दी गई है।

ग्रेटर असम से घुसपैठियों को देना चाहती है पहचान, हिमंता बिस्वा सरमा का कांग्रेस पर हमला

गोवाहाटी, एजेंसी। कांग्रेस के नारे नतुन बोर असम पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सीधा प्रहार करते हुए सवाल उठाया है कि क्या कांग्रेस अपने नए ग्रेटर असम में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को भी असमिया समाज का हिस्सा बनाना चाहती है। उन्होंने इसे खतरनाक नारा बताते हुए कांग्रेस से सार्वजनिक स्पष्टीकरण मांगा। ताई-आहोम समुदाय के पर्व मी-डैम-मी-फी के मौके पर सरमा ने कहा कि असम का %बोर असम% कोई नया विचार नहीं, इसकी नींव 600 साल पहले स्वर्गदेव चाउ लुंग सिउ-का-फा ने रखी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस मिया वोट बैंक के लिए बंगाली-भाषी मुस्लिम घुसपैठियों को असमिया पहचान में शामिल करने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा न होती तो कांग्रेस अपना ग्रेटर असम मियाओं को सौंप देती। उन्होंने सत्रों की जमीन पर कब्जे, भूमि अतिक्रमण और %लव जिहाद% जैसे मामलों का भी जिक्र करते हुए कहा कि यह असमिया समाज के अस्तित्व की लड़ाई है। इसी दौरान हिमंता सरमा ने सामाजिक कार्यकर्ता हर्ष मंदर को भी चेतावनी दी। कथित हेट स्पीच मामले में दर्ज शिकायत पर पलटवार करते हुए उन्होंने कहा कि एक केस के बदले वे मंदर पर कम से कम 100 मुकदमे करेंगे और एनआरसी प्रक्रिया को बिगाड़ने का आरोप भी दोहराया।

कहां गायब हुआ रवि काना, 12 जिलों में पुलिस तलाश रही ठिकाना

नोएडा, एजेंसी। बांदा जेल से निकलकर गायब हुए स्क्रैप माफिया रवि काना की तलाश में पुलिस की पांच टीमें यूपी के 12 जिलों में दबिश दे रही हैं। माफिया के पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कहीं छिपे होने या नेपाल के रास्ते विदेश भागने की आशंका जताई जा रही। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, गौतमबुद्ध नगर की अदालत से बी-वारंट जारी होने के बावजूद स्क्रैप माफिया रवि काना को गुरुवार को बांदा जेल से रिहा कर दिया गया था। इस पर अदालत ने शुक्रवार को गहरी नाराजगी जताते हुए जिला कारागार बांदा के जेल अधीक्षक से स्पष्टीकरण तलब किया था। मामला नोएडा के सेक्टर-63 थाने में इसी वर्ष आरोपी रविन्द्र सिंह उर्फ रवि नागर उर्फ रवि काना के खिलाफ उगाही के मामले में दर्ज केस से जुड़ा है। जेल से बाहर आने के बाद रवि काना कहां गया, इसकी किसी को भनक तक नहीं है। न्यायालय ने उसके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया हुआ है। रवि काना के करीबियों और गिरोह के पुराने सदस्यों पर भी पुलिस की नजर है। पुलिस अधिकारी उसे जल्द गिरफ्तार कर लेने का दावा कर रहे।

पुलिस कमिश्नरेट गौतमबुद्ध नगर रवि काना की पिछले दो वर्षों में 92.65 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त और कुर्क कर चुकी है। पुलिस के अनुसार रवि काना एक संगठित अपराधी गिरोह का सरगना है, जिसका गैंग नंबर डी-190 है। इस गैंग में कुल 18 सदस्य हैं। रवि काना और उसके गैंग के खिलाफ गौतमबुद्ध नगर समेत एनसीआर के कई जिलों में गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह गिरोह अवैध तरीके से स्क्रैप और सरिया के कारोबार से जुड़ा था। गैंग के सदस्य स्क्रैप और सरिया कारोबारियों को डराने-धमकाने, चोरी और लूट जैसी वारदातों को अंजाम देते थे। इन अपराधों के जरिए अवैध रूप से भारी मात्रा में संपत्ति अर्जित की गई, जिसे रवि काना, उसके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के नाम पर बेनामी रूप से दर्ज कराया गया। रवि काना और उसके परिजनों के नाम पर मैसर्स प्राइम प्रेसिंग टूल्स

प्राइवेट लिमिटेड, न्यू कृष्णा स्टील, एस्कोन एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, हनुमत मैटल प्राइवेट लिमिटेड, अकीरा स्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड और जेएसआर रोड लाइन्स जैसी कंपनियां दर्ज हैं। कुर्क की गई संपत्तियों में दर्जनों व्यावसायिक वाहन, बैंक खातों में जमा रकम, औद्योगिक भूखंड और जमीन शामिल हैं। बुलंदशहर के सिकंदराबाद में स्थित करीब 18 हजार वर्गमीटर जमीन, ग्रेटर नोएडा के सूरजपुर स्थित इंडस्ट्रियल एरिया के प्लॉट, कई ट्रक और अन्य वाहन पुलिस ने जब्त किए। रवि काना के खिलाफ अलग-अलग थानों में हत्या, लूट, धोखाधड़ी, गैंगस्टर एक्ट, रंगदारी और अन्य गंभीर धाराओं में कुल 29 मुकदमे दर्ज हैं, जबकि उसके गैंग के 18 सदस्यों पर 131 मुकदमे पंजीकृत हैं। बीएनएसएस के तहत कोर्ट के द्वारा दिया गया कोई भी वारंट तब तक प्रभावी रहता है।

इंदौर में कव्वाल के 13 वर्षीय बेटे की निर्मम हत्या

इंदौर , एजेंसी। मध्य प्रदेश के इंदौर के एमआइजी थाना क्षेत्र के श्रीनगर (कांकड़) में आठवीं कक्षा में पढ़ने वाले 13 वर्षीय बच्चे की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दी गई। आरोपित मांझा दिलाने के बहाने उसे छत पर ले गया और गंदी हरकत करने लगा। विरोध करने पर पहले बच्चे का ईंट से हमला किया फिर रस्सी से गला घोंट दिया। इसके बाद शव को कंबल में लपेटकर पलंग पेटी में छुपा दिया और ऊपर से वृद्ध दादी को सुला दिया। बता दें कि बच्चा परिवार का इकलौता बेटा था, उसकी दो बहनें हैं। पिता कव्वाल हैं और वे विदेश में प्रोग्राम करते हैं। पुलिस के मुताबिक घटना शुक्रवार रात की है। ट्यूशन से लौटते समय बच्चा घर से 40 मीटर दूर स्थित श्रीदेवी अपार्टमेंट (श्रीनगर मेन) में दोस्त अयान से मिलने के लिए रुक गया था।

वेस्टइंडीज ने साउथअफ्रीका को 6 रन से आखिरी टी-20 हराया

हेटमायर ने नाबाद 48 रन बनाए; सीरीज 2-1 से अफ्रीका के नाम

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने टी-20 सीरीज के आखिरी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 6 रन से हरा दिया है। जोहान्सबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में खराब मौसम और बिजली गिरने के डर के चलते मैच को 10-10 ओवर का कर दिया गया था। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने 114 रन बनाए, लेकिन डकवर्थ-लुईस नियम के आधार पर साउथ अफ्रीका को 125 रनों का टारगेट मिला। जवाब में अफ्रीकी टीम 10 ओवर में 118 रन ही बना सकी। हालांकि, सीरीज के पहले दो मैच जीतकर साउथ अफ्रीका ने सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है।

खराब मौसम के चलते दो बार रुका मैच - मैच की शुरुआत से पहले ही बिजली गिरने के चलते खेल 75 मिनट देरी से शुरू हुआ। उस वक्त अंपायरों ने इसे 16-16 ओवर का करने का फैसला लिया था।वेस्टइंडीज की पारी के 6 ओवर ही हुए थे कि एक बार फिर आसमानी बिजली के चलते खेल रोकना पड़ा। करीब एक घंटे के इंतजार के बाद मैच को 10 ओवर का कर दिया गया। जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तब विंडीज के पास बैटिंग के लिए सिर्फ 4 ओवर बचे थे।

हेटमायर ने नाबाद 48 रन बनाए

वेस्टइंडीज के बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर अलग ही अंदाज में नजर आए। वे क्रीज पर बिना हेलमेट या कैप पहने ही बल्लेबाजी करने उतरे। उन्होंने लुंगी एनगिडी और केशव महाराज के खिलाफ आक्रामक शॉट खेले। हेटमायर का एक छक्का सीधा स्टैंड्स में बैठे एक दर्शक के सिर पर जाकर लगा, जिसके बाद मेडिकल टीम को उसका चेकअप करना पड़ा। हेटमायर ने 22 गेंदों में नाबाद 48 रनों की पारी खेली, जिसमें 6 छक्के शामिल थे। शाई होप ने भी 18 गेंदों में 32 रनों का योगदान दिया।

साउथ अफ्रीका को डी कॉक ने दिलाई तेज शुरुआत

10 ओवर में 114 रन बनाने के बाद टारगेट को रिवाइज किया गया और साउथ अफ्रीका को 125 रनों का लक्ष्य मिला। क्विंटन डी कॉक ने पहले ही ओवर में 19 रन बनाकर इरादे साफ कर दिए थे, लेकिन कप्तान एडेन मार्कराम सस्ते में आउट हो गए।

देविका सिहाग ने अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत की युवा शटलर देविका सिहाग ने रविवार को यहां 250,000 डॉलर इनामी थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के फाइनल में मलेशिया की गोह जिन वेई के मैच के बीच से हट जाने के बाद अपना पहला बीडब्ल्यूएफ सुपर 300 खिताब जीता। हरियाणा की रहने वाली 20 वर्षीय खिलाड़ी देविका तब 21-8, 6-3 से आगे चल रही थी, जब विश्व में 68वें नंबर की खिलाड़ी और दो बार की विश्व जूनियर चैंपियन गोह ने हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण मुकाबले से हटने का फैसला किया। इससे भारतीय खिलाड़ी अपने करियर का सबसे बड़ा खिताब जीतने में सफल रही। विश्व रैंकिंग में 63वें स्थान पर काबिज देविका बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में कोच उमेंद्र राणा के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण ले रही हैं। इसके साथ ही वह इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा की देखरेख में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू के साथ अपने खेल को निखार रही हैं। देविका के लिए फाइनल शानदार रहा लेकिन उनकी प्रतिद्वंदी गोह को पीड़ा झेलनी पड़ी। वह फाइनल से पहले तीन गेम तक चले चार मैच खेलने के बाद थकी हुई लग रही थीं और उन्हें कोर्ट को कवर करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा था।

पिछले दो वर्षों से फॉर्म और फिटनेस के लिए संघर्ष कर रही गोह ने शनिवार को भी थकान की शिकायत की थी और उन्हें कोर्ट में चलने-फिरने में परेशानी हो रही थी। उनका बायां पैर हिल नहीं पा रहा था और वह लगातार परेशान दिख रही थीं। देविका ने फाइनल में शानदार शुरुआत की। उन्होंने अपने दमदार रिटर्न और बेहतरीन स्ट्रोक के दम पर 4-0 की बढ़त बना ली। एक नेट कॉर्ड की बदौलत गोह ने अपना पहला अंक हासिल किया। भारतीय खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट और सीधे स्मैश लगाने की अपनी क्षमता और साथ ही बड़ी कुशलता से ड्रॉप शॉट लगाने से जल्द ही 9-2 से आगे हो गईं। इंटरवल तक उन्होंने 11-4 की बढ़त हासिल कर ली। गोह का बॉडी स्मैश पहला निर्णायक शॉट था, लेकिन देविका ने उन्हें कोर्ट पर खूब दौड़ाया। मलेशियाई खिलाड़ी भारतीय खिलाड़ी के खेल को समझ ही नहीं पा रही थी।

चहल के साथ वाले AI पोस्टर पर भड़कीं शेफाली बग्गा

कहा -लड़कियों के साथ इस तरह बर्ताव करना बहुत ही घिनौना है

मुंबई (एजेंसी)। एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट और एंकर शेफाली बग्गा सोशल मीडिया पर वायरल उस तस्वीर को लेकर भड़क गईं, जिसमें एआई से बनाए गए पोस्टर में उनका नाम क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ जोड़ा गया। इन पोस्टर्स में चहल को उनकी एक्स वाइफ धनश्री वर्मा, कथित एक्स पार्टनर आरजे महवश और शेफाली बग्गा के साथ दिखाया गया। ये पोस्टर फिल्म 'किस किसको प्यार करूं' के पोस्टर जैसे बनाए गए थे।

इन पोस्टर्स पर रिएक्ट करते हुए शनिवार को शेफाली ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, यह बहुत ही घिनौना है! जिस तरह ये ट्रोल्स लड़कियों के साथ बर्ताव करते हैं, वो बेहद शर्मनाक है। अपनी जिंदगी जियो। यह हमारी मेंटैलिटी का क्लासिक उदाहरण है।

बता दें कि ये एआई जनरेटेड पोस्टर्स ग्राफिक डिजाइनर विजय कुमार बारिया ने इंस्टाग्राम पर शेयर किए थे, जिसके बाद ये तेजी से वायरल हो गए।

इसको लेकर युजवेंद्र चहल ने भी रिएक्शन दिया, लेकिन उनका अंदाज थोड़ा मजाकिया था। उन्होंने कमेंट करते हुए लिखा,2-3 रह गई हैं एडमिन, अगली बार अच्छे से रिसर्च करना।

बता दें कि शेफाली और चहल के रिश्ते की अफवाहें तब शुरू हुईं, जब दोनों को हाल ही में मुंबई के एक रेस्टोरेंट से साथ निकलते देखा गया।

उनकी फोटो और वीडियो सामने आने के बाद गॉसिप पेजेस पर चर्चा तेज हो गई। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी अपने रिश्ते की पुष्टि नहीं की है।

गौरतलब है कि युजवेंद्र चहल की प्राइवेट लाइफ पहले से ही सुर्खियों में रही है। धनश्री वर्मा से तलाक के बाद उनका नाम आरजे महवश से जुड़ा था, लेकिन हाल ही में दोनों ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया, जिससे उनके रिश्ते को लेकर भी अटकलें खत्म हो गईं।

प्रो रेसलिंग लीग 2026

दिल्ली दंगल वॉरियर्स और हरियाणा थंडर्स के बीच होगी खिताबी भिड़ंत

नोएडा (एजेंसी)। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने प्रो रेसलिंग लीग 2026 के सेमीफाइनल-2 में जबरदस्त जज्बा दिखाते हुए महाराष्ट्र केसरी को रोमांचक मुकाबले में 5-4 से शिकस्त दी और फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। अब खिताबी मुकाबले में दिल्ली की टक्कर हरियाणा थंडर्स से होगी। नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए इस सेमीफाइनल में मुकाबला शुरू से अंत तक उतार-चढ़ाव से भरा रहा। दोनों टीमों ने एक-दूसरे को कड़ी चुनौती दी, लेकिन निर्णायक क्षणों में दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने बेहतर संयम और रणनीति दिखाते हुए बाज़ी मार ली। 57 किग्रा पुरुष वर्ग में घुटने की चोट के बावजूद शानदार वापसी करते हुए शुभम कौशिक ने यादगार जीत दर्ज की। उन्होंने पावर मिनट में चार अंकों का एक्सपोजर और फिर टेकडाउन कर 11-10 से नाटकीय जीत हासिल की। इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 57 किग्रा महिला वर्ग में मनीषा भनवाला ने दमदार प्रदर्शन करते हुए कार्ला गोडिनेज गोंज़ालेज को 15-0 से टेक्निकल सुपीरियॉरिटी से हराया और मुकाबले में महाराष्ट्र की वापसी कराई। उनके इस दबदबे के लिए उन्हें फाइटर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। 62 किग्रा महिला वर्ग में अंजली ने दुदोवा बिल्याना झिवकोवा को 12-4 से हराकर दिल्ली को शानदार शुरुआत दिलाई। इसके बाद हेवीवेट मुकाबले में महाराष्ट्र के कप्तान रॉबर्ट बारान ने रौनक को 11-1 से हराकर बढ़त दिलाई। 53 किग्रा महिला वर्ग में निशु भनवाला ने सारिका को 7-6 से हराकर स्कोर 3-1 कर दिया।अंतिम बाउट फॉरफिट से तय हुआ, लेकिन तब तक नतीजा स्पष्ट हो चुका था। दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने 5-4 से सेमीफाइनल जीतकर प्रो रेसलिंग लीग 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया।

कजाकिस्तान की एलेना ने जीता 25 करोड़ का मैच

मेलबर्न, एजेंसी

मेलबर्न में खेले गए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के महिला सिंगल्स फाइनल में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने वर्ल्ड नंबर 1 आर्यना सबालेंका को रोमांचक मुकाबले में हराकर अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीत लिया। यह मैच रॉड लेवर एरिना में खेला गया, जहां दोनों खिलाड़ियों ने जबरदस्त प्रदर्शन किया, लेकिन अंत में रयबाकिना की शानदार वापसी ने उन्हें विजेता बनाया। इसी के साथ उन्हें एक बड़ी प्राइज मनी मिली।इस मैच ने 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल की याद ताजा कर दी, जहां सबालेंका ने रायबाकिना को हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। अब रायबाकिना ने बदला चुकता कर लिया और अपनी दूसरी ग्रैंड स्लैम जीत दर्ज की। इस मैच में एलेना रायबाकिना ने आर्यना सबालेंका को 6-4, 4-6, 6-4 से हराया। बता दें, एलेना रायबाकिना ने पूरे टूर्नामेंट में अपना पहला सेट ही ड्रॉप किया था, जो इस फाइनल में आया। इसके बावजूद वह जीत हासिल करने में कायमाब रहीं। सबालेंका जो पिछले दो सालों में यहां दो बार चैंपियन रह चुकी हैं, इस बार ट्रिपल क्राउन हासिल नहीं कर सकीं।

एलेना रायबाकिना का दमदार प्रदर्शन

मैच की शुरुआत में रायबाकिना ने मजबूत सर्विस और सटीक ग्राउंडस्ट्रोक्स के दम पर पहला सेट 6-4 से जीता। लेकि दूसरे सेट में सबालेंका ने वापसी की और आक्रामक खेल दिखाते हुए इसे 6-4 से अपने नाम किया। फिर तीसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत में 3-0 की बढ़त बना ली, लेकिन रायबाकिना ने शानदार कमबैक किया। उन्होंने लगातार ब्रेक लेकर स्कोर 5-3 तक पहुंचाया और अंत में 6-4 से सेट जीतकर खिताब अपने नाम किया इसी के साथ एलेना रायबाकिना ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतने वाली कजाकिस्तान की पहली खिलाड़ी बन गई हैं।

जोकोविच ने अल्काराज के खिलाफ पहला सेट जीता

ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में सर्बिया के नोवाक जोकोविच का सामना स्पेन के कार्लोस अल्काराज से जारी है। यह मैच दिलचस्प हो रहा है। एक तरफ युवा जोश और दूसरी तरफ अनुभव है। पहला सेट जोकोविच ने 6-2 से अपने नाम किया। पहले सेट में जोकोविच ने सर्विस और फॉर हेंड का जबरदस्त दम दिखाया। इसके बाद दूसरे सेट में अल्काराज ने जबरदस्त वापसी की और 6-2 से सेट अपने नाम किया। इसके बाद तीसरे सेट में जोकोविच थके हुए नजर आए और इसका फायदा अल्काराज ने उठाया और 6-3 से जीत हासिल की। अब अल्काराज सातवें ग्रैंडस्लैम से एक सेट दूर हैं। वहीं जोकोविच 25वें ग्रैंडस्लैम की तलाश में हैं। अल्काराज अब तक एक बार भी ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं जीत पाए हैं। अल्काराज की नजर पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने पर होगी।

जोकोविच इतिहास रचने उतरेंगे

जोकोविच अब 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब से केवल एक जीत दूर हैं। यह उपलब्धि उन्हें टेनिस इतिहास में सबसे ऊंचे स्थान पर ले जा सकती है। न तो महिलाओं में और न ही पुरुषों में किसी ने 25 ग्रैंडस्लैम जीते हैं। महिलाओं में सबसे ज्यादा ग्रैंडस्लैम जीतने का रिकॉर्ड मार्ग्रेट कोर्ट के नाम है, जिन्होंने 24 ग्रैंडस्लैम जीते थे। जोकोविच गोल्डन ग्रोन से बस एक खिताब दूर हैं। अल्काराज ने अब तक छह ग्रैंडस्लैम जीते हैं। इनमें ऑस्ट्रेलियन ओपन को छोड़कर बाकी सभी खिताब हैं। अल्काराज पिछले साल भी ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन सिनर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। इस बार सिनर को जोकोविच सेमीफाइनल में हराकर बाहर कर चुके हैं, जबकि अल्काराज ने सेमीफाइनल में एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हराया था और अपना दम दिखाया था। यह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सबसे दिलचस्प मुकाबलों में से एक माना गया है।

टी-20 में भारत का तीसरा सबसे बड़ा स्कोर

ईशान की 42 बॉल में सेंचुरी

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। तिरुवनंतपुरम में भारत ने टी-20 में अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया। टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 271 रन बनाए। ओपनर ईशान किशन ने सिर्फ 42 गेंदों में शानदार शतक लगाया। कप्तान सूर्यकुमार यादव गेंदों के लिहाज से टी-20 में सबसे तेज 3000 रन बनाने वाले बैटर बने।शनिवार को लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने कड़ा मुकाबला किया, लेकिन 225 रन ही बना सकी। फिन एलन ने 38 गेंदों में 80 रन की तेज पारी खेली। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह ने 5 विकेट लिए। इसी के साथ भारत ने न्यूजीलैंड को 46 रन से हराते हुए पांच मैचों की टी-20 सीरीज 4-1 से जीत ली।

न्यूजीलैंड के खिलाफ 271 रन बनाकर भारत ने टी-20 में अपना तीसरा सबसे बड़ा स्कोर बना दिया। ओवरऑल फुल मेंबर (टेस्ट खेलने वाली) टीमों में यह पांचवां सबसे बड़ा स्कोर रहा।टी-20 इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर इंग्लैंड के नाम है, जिसने पिछले साल 2 विकेट खोकर 304 रन बनाए थे। वहीं भारत का अब तक का बेस्ट स्कोर 2024 में बांग्लादेश के खिलाफ हैदराबाद में बना 297/6 रन है।भारत ने 23 छक्के लगाए और टी-20 में अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। इससे पहले टीम ने 2024 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ जोहान्सबर्ग में भी 23 सिक्स लगाए थे।

गावस्कर ने बताया कौन होगा ओपनर!

संजू प्लेइंग-11 से होंगे बाहर

त्रिवेंद्रम (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच तिरुवनंतपुरम में खेले गए टी20 सीरीज के आखिरी मुकाबले ने सिर्फ रिकॉर्ड ही नहीं दिए, बल्कि टी20 वर्ल्ड कप प्लेइंग इलेवन को लेकर चल रही सबसे बड़ी बहस पर भी लगभग विराम लगा दिया। यह बहस थी- संजू सैमसन या ईशान किशन? और इस पर भारत के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने बेहद साफ शब्दों में अपनी राय रख दी।

ईशान किशन का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाया गया पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय शतक (103 रन) सिर्फ व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं था, बल्कि यह चयन समिति और टीम मैनेजमेंट के लिए एक टाइम पर आया बयान साबित हुआ। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में 271/5 का विशाल स्कोर खड़ा किया और ओपनिंग स्लॉट को लेकर चल रही असमंजस की स्थिति काफी हद तक खत्म हो गई।वहीं दूसरी ओर, संजू सैमसन के लिए यह सीरीज़ निराशाजनक रही। पांच मैचों में सिर्फ 46 रन, कोई बड़ी पारी नहीं और लगातार आत्मविश्वास की कमी साफ नजर आई। हालात तब और स्पष्ट हो गए जब आखिरी मैच में विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी भी ईशान किशन को सौंप दी गई। वर्ल्ड कप वर्ष में ऐसे बदलाव अक्सर प्रयोग नहीं, बल्कि संकेत माने जाते हैं।स्टार स्पोर्ट्स पर कमेंट्री के दौरान सुनील गावस्कर ने चयन को लेकर दो टूक बात कही।

रेसलमेनिया-42 की राह तय ट्राइबल चीफ की दमदार वापसी

रियाद, एजेंसी

रियाद में आयोजित डब्ल्यूडब्ल्यूई 2026 एक ऐसी रात बनकर सामने आया, जहां अतीत, वर्तमान और भविष्य का अनोखा संगम देखने को मिला। इस इवेंट ने जहां एक दिग्गज करियर का भावुक अंत दिखाया, वहीं दो ऐसे सुपरस्टार्स को भी जन्म दिया जो अब रेसलमेनिया-42 के मुख्य आकर्षण बनने जा रहे हैं। इस ऐतिहासिक रात का सबसे बड़ा नायक बने रोमन रेंस, जिन्होंने जीत के साथ रेसलमेनिया की राह अपने नाम कर ली।

मेंस रॉयल रंबल मुकाबला पूरी तरह रणनीति, ताकत और अनुभव की परीक्षा था। रोमन रेंस ऐसे समय में रिंग में उतरे, जब उनके पास साबित करने को कुछ नहीं था, लेकिन खोया हुआ साम्राज्य वापस पाने की भूख जरूर थी। मैच में कोडी रोड्स, ब्रॉक लेसनर जैसे दिग्गज मौजूद थे, लेकिन अंत में कहानी सिमटकर आई रोमन रेंस बनाम गुंथर पर अटक गई।

मेंस रॉयल रंबल के आखिर में 'द रिंग जनरल' गुंथर और ट्राइबल चीफ रोमन रेंस बचे। गुंथर ने इस दौरान अपना दबदबा बनाए रखा और कई बार रोमन रेंस को बाहर करने के बेहद करीब पहुंच गए। ऑस्ट्रियन पावरहाउस की ताकत के सामने रेंस लड़खड़ाते जरूर दिखे, लेकिन बड़े मुकाबलों का अनुभव आखिरकार काम आया। अंतिम पलों में एक जोरदार स्पीयर के साथ रोमन रेंस ने गुंथर को टॉप रोप के बाहर फेंक दिया और अपने करियर की दूसरी रॉयल रंबल जीत दर्ज की। इस जीत के साथ रोमन रेंस के सामने कई रास्ते खुल गए हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई अनडिस्प्यूटेड चैंपियनशिप जीतकर फिर से खुद को हेड ऑफ द टेबल साबित कर सकते हैं या फिर सीएम पंक के खिलाफ पहली बार सिंगल्स मुकाबले में उतरकर ब्लॉकबस्टर मैच दे सकते हैं। सीएम पंक फिलहाल वर्ल्ड हेवीवेट चैंपियन हैं। रोमन किसी भी रास्ते को चुनें, एक बात साफ है, रेसलमेनिया 42 की राह अब एक बार फिर ट्राइबल चीफ से होकर ही जाएगी।

वुमेंस रॉयल रंबल मुकाबला रात का सबसे अप्रत्याशित मैच साबित हुआ। निक्की बेला की जुड़वा बहन और दिग्गज रेसलर ब्री बेला की सरप्राइज वापसी ने दर्शकों में पुरानी यादें ताजा कर दीं। ब्री बेला ने चार साल बाद भी अपनी क्लास दिखा दी, लेकिन इस मैच की असली नायिका बनीं लिव मॉर्गन।

लिव मॉर्गन की ऐतिहासिक जीत

नंबर 14 पर एंट्री करने वाली लिव मॉर्गन ने हर चुनौती का डटकर सामना किया। लैश लीजेंड की आंधी में चार सुपरस्टार्स बाहर हुईं, लेकिन मॉर्गन टिके रहीं। आखिरी क्षणों में टिफनी स्ट्रैटन और सोल रूका के साथ त्रिकोणीय संघर्ष हुआ। स्ट्रैटन द्वारा रूका को बाहर करने के बाद, मॉर्गन ने बिजली की तेजी से ओब्लिवियन मूव लगाकर जीत अपने नाम की। यह जीत लिव मॉर्गन के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धियों में गिनी जा रही है।

एजे स्टाइल्स की भावुक विदाई

रात का सबसे भावनात्मक पल आया एजे स्टाइल्स बनाम गुंथर मुकाबले में। यह मैच स्टाइल्स के करियर पर दांव था। स्टाइल्स ने 450 स्प्लैश और स्टाइल्स क्लैश जैसे दांव खेले, लेकिन गुंथर की क्रूरता भारी पड़ी। गुंथर ने स्लीपर होल्ड लगाया और स्टाइल्स ने टैप आउट करने से इनकार करते हुए बेहोश होना चुना। घंटी बजते ही यह साफ हो गया कि एजे स्टाइल्स का डब्ल्यूडब्ल्यू करियर समाप्त हो चुका है। पूरा रियाद स्टेडियम खड़ा होकर इस 'फेनोमेनल सुपरस्टार' स्टाइल्स को सलाम करता नजर आया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें :
www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

दुमका में झामुमो का 47वां स्थापना दिवस समारोह

दुमका (नि. सं.)। झारखंड मुक्ति मोर्चा आज सोमवार, 2 फरवरी को अपने 47वें झारखंड दिवस के अवसर पर उपराजधानी दुमका के ऐतिहासिक गांधी मैदान में भव्य समारोह आयोजित कर रहा है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की उपस्थिति में होने वाला यह आयोजन न सिर्फ संगठनात्मक शक्ति का प्रदर्शन होगा, बल्कि राजनीतिक संदेशों के लिहाज से भी बेहद अहम माना जा रहा है। यह पहला अवसर है जब पार्टी अपने संस्थापक और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन के बाद उनके बिना स्थापना दिवस मना रही है, जिससे कार्यक्रम का भावनात्मक पक्ष और गहराता नजर आ रहा है। समारोह की तैयारियों की कमान दुमका विधायक बसंत सोरेन ने स्वयं संभाल रखी है। पूरा शहर झामुमो के झंडों, बैनरों और आकर्षक तोरण द्वारों से सजा हुआ है। हर चौक-चौराहे पर पार्टी का उत्साह और जोश साफ झलक रहा है। गांधी मैदान में विशाल मंच का निर्माण किया गया है, जहां से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कार्यकर्ताओं और आम जनता को संबोधित करेंगे। मंच पर उनके साथ कल्पना सोरेन सहित राज्य के कई मंत्री, सांसद और विधायक मौजूद रहेंगे। राजनीतिक गलियारों में मुख्यमंत्री के संबोधन को लेकर खासा उत्साह है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वे इस मंच से केंद्र सरकार के पास लंबित राज्य के 1.36 लाख करोड़ रुपये के बकाये, यूजीसी के नए नियमों और एसआईआर जैसे मुद्दों को लेकर केंद्र पर तीखा हमला कर सकते हैं।

गिरिडीह में दमखम दिखाने के लिए रवाना हुई दुमका की टीम

दुमका (नि. सं.)। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा आयोजित सीनियर इंटर डिस्ट्रिक्ट (प्लेट ग्रुप) टूर्नामेंट 2025-26 के लिए दुमका की टीम रविवार को गिरिडीह के लिए रवाना हो गई। टीम को जिला क्रिकेट संघ के सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने शुभकामनाओं के साथ विदा किया। टूर्नामेंट के कार्यक्रम के अनुसार, दुमका का मुकाबला 2 फरवरी को साहिबगंज, 5 फरवरी को गिरिडीह और 6 फरवरी को गोड्डा के साथ होना है। सचिव शावर्ण मनोज कुणाल ने बताया कि कप्तान शुभांसु वर्मा के नेतृत्व में एक संतुलित टीम का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि संघ द्वारा खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए पर्याप्त समय और बेहतर सुविधाएं दी गई हैं, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी ऊंचा है। दुमका की टीम में शुभांसु वर्मा (कप्तान), आनंद कुमार दुबे (विकेटकीपर), सौरव कुनार, विक्की कुमार, सचिन मुंडा, प्रीत सिंह, दीपक राज, विनय कुमार, प्रियांशु कुमार, विभु कुमार, अंकुश कुमार, राजेंद्र रॉय, समीर कुमार पंडित, लक्ष्मण कुमार यादव, चैतन्य बीर और आयुष कुमार सिंह शामिल हैं। टीम के मैनेजर के रूप में हर्ष कुमार सिन्हा साथ गए हैं। इस टीम को तैयार करने और रवानगी के अवसर पर सहायक सचिव दिवाकर शर्मा, उपाध्यक्ष रोहित तिवारी, कोषाध्यक्ष ललित पाठक और कार्यकारी सदस्य आनंद कश्यप "मोंटी" ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया।

केंद्रीय बजट का सीधा प्रसारण दुमका भाजपा कार्यालय में, कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना बजट भाषण

निज संवाददाता | दुमका

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा संसद भवन में प्रस्तुत किए गए केंद्रीय बजट 2026 का सीधा प्रसारण भारतीय जनता पार्टी दुमका के पुराने भाजपा कार्यालय में किया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी, मोर्चा प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे और बजट भाषण को सामूहिक रूप से सुना।

केंद्रीय बजट 2026 के प्रावधानों पर जानकारी साझा करते हुए दुमका जिला समिति के संयोजक एवं भाजपा प्रदेश परिषद सदस्य परितोष सोरेन ने कहा कि यह बजट देश की आर्थिक वृद्धि को गति देने वाला है। उन्होंने बताया कि बजट में पूंजीगत व्यय बढ़ाने का प्रावधान किया गया है, जिससे सड़क, रेल, आवास, शहरी एवं ग्रामीण बुनियादी ढांचे का विस्तार होगा और रोजगार सृजन के नए अवसर उत्पन्न होंगे। परितोष सोरेन ने आगे कहा कि कृषि एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए कृषि अवसंरचना, सिंचाई, भंडारण, किसान हितैषी योजनाओं तथा ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने से जुड़े महत्वपूर्ण प्रावधान शामिल किए गए हैं। शिक्षा, स्वास्थ्य और आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विकास की स्पष्ट दिशा तय की गई है, जिससे झारखंड और संथाल परगना क्षेत्र को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। भाजपा जिलाध्यक्ष रूपेश मंडल ने बजट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि केंद्रीय बजट 2026 युवाओं के भविष्य को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

इसमें कौशल विकास, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण, स्टार्ट-अप और एमएसएमई सेक्टर के विस्तार के लिए ठोस प्रावधान किए गए हैं। साथ ही निवेश को प्रोत्साहित करने, उद्योगों को मजबूत बनाने और डिजिटल अर्थव्यवस्था के विस्तार पर विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि बजट में महिलाओं के सशक्तिकरण, स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार, आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता, सामाजिक सुरक्षा तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए योजनाओं को शामिल किया गया है। केंद्रीय बजट 2026 आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को आगे बढ़ाने की दिशा में एक मजबूत कदम है, जिसमें नीतिगत और संरचनात्मक सुधारों को स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया गया है। इस अवसर पर भाजपा के जिला अध्यक्ष रूपेश कुमार मंडल, निवर्तमान जिलाध्यक्ष शगौरव कांत, पूर्व जिलाध्यक्ष परितोष सोरेन, निवास मंडल, मनोज साह सहित प्रदेश परिषद के सदस्य सुरेश मुर्मू, पवन केशरी, मनोज सिंह पहाड़िया, विवेकानंद राय, धर्मेंद्र सिंह, पंकज वर्मा, दिप्तांशु कोचगवे, रामकृष्ण हेम्ब्रम, फारूक अनवर, श्रीधर दास, ओम केशरी, संतोष साह, दिनेश सिंह, अजय वर्मा, रविंद्र कुमार, प्रवीण सिंह भदौड़िया, नरेश चंद्रवंशी, कुश कुमार पाल, लक्ष्मण पंडित, रूद्र गोराई सहित जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

केंद्रीय बजट: आम आदमी की जेब पर प्रहार और उम्मीदों पर तुषारापात— डॉ. अमरेन्द्र यादव

निज संवाददाता | दुमका

राष्ट्रीय जनता दल के जिलाध्यक्ष डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने वर्ष 2026 के केंद्रीय बजट को जनविरोधी बताते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह बजट आम जनता की उम्मीदों से कोसों दूर है और इसमें मध्यम वर्ग, गरीब, किसान व युवाओं के लिए कुछ भी ठोस नहीं है। बजट से देश के आम नागरिक को निराशा ही हाथ लगी है।

डॉ. यादव ने कहा कि आज आम आदमी कमरतोड़ महंगाई से परेशान है, लेकिन इसके बावजूद सरकार ने टैक्स स्लैब में किसी प्रकार की राहत नहीं दी। इससे स्पष्ट है कि सरकार आम जनता पर टैक्स का बोझ लगातार बढ़ा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के दौर में जहां जनता को सुरक्षा और सहूलियत की जरूरत थी, वहीं सरकार ने कॉर्पोरेट घरानों और अमीर वर्ग को प्राथमिकता देकर अपनी मंशा साफ कर दी है। राजद जिलाध्यक्ष ने कहा कि बजट में बेरोजगारी जैसी गंभीर समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस रोडमैप नहीं है। युवाओं को रोजगार देने की दिशा में कोई प्रभावी योजना सामने नहीं आई है। किसान और मजदूर वर्ग आज भी हाशिए पर हैं और उनके लिए सामाजिक सुरक्षा योजनाएं केवल कागजी साबित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के दावों और बजट की हकीकत में बड़ा अंतर है। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर बजट पूरी तरह कमजोर है, जिससे देश का आम नागरिक खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहा है। डॉ. अमरेन्द्र कुमार यादव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राष्ट्रीय जनता दल इस अमीर-हितैषी बजट का पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने दोहराया कि राजद सड़क से लेकर सदन तक जनता के हक और अधिकार की लड़ाई लगातार लड़ता रहेगा।

राढ़ी कायस्थ संगठन की बैठक में समाज विस्तार को लेकर अहम निर्णय

एक मार्च को होगा होली मिलन समारोह

बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई और समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

निज संवाददाता | दुमका

नगर के शास्त्री नगर, बंदरजोरी स्थित उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार दत्ता के आवास पर रविवार को अखिल भारतीय राढ़ी कायस्थ संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन को और अधिक सशक्त व सक्रिय बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई और कई अहम निर्णय सर्वसम्मति से लिए गए। बैठक में आगामी 1 मार्च को भव्य होली मिलन समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही संगठन की जड़ों को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रत्येक परिवार तक पहुंचने वाला व्यापक सदस्यता अभियान चलाने पर सहमति बनी। समाज में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महिला प्रकोष्ठ के गठन का फैसला लिया गया, वहीं सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक प्रकोष्ठ के गठन पर भी मुहर लगी।

बैठक में महिलाओं की उल्लेखनीय उपस्थिति ने संगठन की बढ़ती सक्रियता और एकजुटता को स्पष्ट रूप से दर्शाया। बैठक में संरक्षक अजय कुमार दास, संजय कुमार घोष और संजीव कुमार दास, अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार घोष, महासचिव उत्तम कुमार दास गुड्डू, कोषाध्यक्ष गोपाल सिंहा, उपाध्यक्ष उज्जवल कुमार दत्ता सहित धनंजय कुमार दास, प्रतुल रंजन दास, राजेश चंद्र दत्त, चंद्रशेखर सिन्हा, कृष्ण कुमार दत्ता, प्रवीन रंजन दास, बिट्टू कुमार दत्ता, रोशन चंद्र दत्त, अंशिका प्रिया दास, लक्ष्मी दत्ता और आरती कुमारी समेत कई सदस्य उपस्थित रहे। बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुई और समाजहित में मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया गया।

ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान जल्द होगा :तनवीर आलम

निज संवाददाता | पाकुड़

सदर प्रखंड अंतर्गत रहसपुर गांव में हाई स्कूल के समीप कांग्रेस पार्टी की ओर से एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के प्रदेश महासचिव तनवीर आलम उपस्थित रहे। उनके आगमन पर पार्टी कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया और तनवीर आलम जिंदाबाद के नारे लगाये। जनसभा में बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति देखने को मिली। मंच से संबोधित करते हुए तनवीर आलम ने कहा कि ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने ग्रामीणों से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। ग्रामीणों ने पेयजल, सड़क, नाली, बिजली, मंईयां सम्मान योजना, पेंशन सहित अन्य जनसमस्याओं को रखा। तनवीर आलम ने आश्वासन दिया कि सभी समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किये जायेंगे। उनहोंने कहा कि आप बेझिझक अपनी समस्याएं रखें, कांग्रेस पार्टी आम जनता के साथ खड़ी है और निश्चित रूप से समाधान होगा।

उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) को लेकर भी विस्तार से जानकारी दी और कहा कि कांग्रेस पार्टी आम जनता की मदद के लिए पूरी तरह तैयार है। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्रीकुमार सरकार ने की। बैठक के दौरान एसआईआर को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विस्तृत जानकारी दी गयी। साथ ही बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) को लेकर गंभीर चर्चा हुई और संगठन को बूथ स्तर पर और अधिक मजबूत करने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर मनरेगा को समाप्त करने की भाजपा की कथित साजिश पर भी चर्चा की गयी, जिसे गरीब, मजदूर और ग्रामीण जनता के हितों के खिलाफ बताया गया। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से प्रदेश सचिव सेमिनुल इस्लाम, प्रखंड अध्यक्ष मंसारूल हक, विधायक प्रतिनिधि गुलाम अहमद उर्फ बबलू, जिला प्रवक्ता मुख्तार हुसैन, अल्पसंख्यक जिला अध्यक्ष शाहिन परवेज, जिला कोषाध्यक्ष असद हुसैन, देवू विश्वास, जिला सचिव सलीम हुसैन, ओबीसी जिला अध्यक्ष आमिर हमजा, युवा महासचिव तस्लीम आरिफ, रामविलास महतो, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष शहनाज बेगम, युवा जिला अध्यक्ष बिलाल शेख, मीरजहान विश्वास, मुखिया प्रतिनिधि मोरफुल, मो. सिराजुद्दीन, नसीम आलम, लड्डू शेख सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एरो पार्क में फुटबॉल प्रतियोगिता का रोमांचक फाइनल, कारी इमरान बंशीपुर बनी विजेता

निज संवाददाता | बसंतराय (गोड्डा)

सिद्धू कान्हु युवा क्लब, कैथिया के तत्वावधान में एरो पार्क स्टेडियम में आयोजित दो दिवसीय फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला रोमांचक अंदाज में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले में रोमांच अपने चरम पर रहा, जहां पेनाल्टी शूटआउट में कारी इमरान बंशीपुर की टीम ने न्यू स्टार टीम कैथिया को पराजित कर खिताब पर कब्जा जमाया। फाइनल मुकाबला कारी इमरान बंशीपुर और न्यू स्टार टीम कैथिया के बीच खेला गया। दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया। निर्धारित समय तक मुकाबला 1–1 की बराबरी पर समाप्त हुआ। जिसके बाद मैच का फैसला पेनाल्टी शूटआउट से किया गया। पेनाल्टी शूटआउट में कारी इमरान बंशीपुर की टीम ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड प्रमुख अंजर अहमद, जिला परिषद सदस्य एहतेशामुल हक एवं बरूण यादव उपस्थित रहे। विजेता और उप विजेता टीम को ट्रॉफी व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर प्रखंड प्रमुख अंजर अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि खेल युवाओं को नशा और अपराध से दूर रखता है। ऐसे आयोजनों से ग्रामीण प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच मिलता है। वहीं जिला परिषद सदस्य एहतेशामुल हक ने कहा कि फुटबॉल जैसे खेल आपसी भाईचारे और अनुशासन को मजबूत करते हैं। भविष्य में ऐसे आयोजन और बड़े स्तर पर किए जाएंगे। बरूण यादव ने कहा कि कैथिया की धरती से निकले खिलाड़ी आने वाले समय में जिले और राज्य का नाम रोशन करेंगे। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे। दर्शकों ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन को सफल बनाने में सिद्धू कान्हु युवा क्लब के सदस्यों एवं स्थानीय युवाओं का सराहनीय योगदान रहा।

गोड्डा कॉलेज में ड्रेस कोड को लेकर बवाल

बीएड सेमेस्टर-1 की छात्रा मोना भारती ने कॉलेज के ड्रेस कोड पर कड़ी आपत्ति जताई।

निज संवाददाता | गोड्डा

ड्रेस कोड को लेकर शनिवार को गोड्डा कॉलेज गोड्डा में खूब गहमागहमी चली। वहीं कॉलेज की बी एड सेमेस्टर-1 की छात्रा मोना भारती ने कॉलेज के ड्रेस कोड को लेकर कड़ी आपत्ति जताई है। मोना भारती ने कहा कि उन्हें कॉलेज परिसर में प्रवेश से सिर्फ इसलिए रोका गया क्योंकि वो लड़कों जैसे कपड़े पहनकर कॉलेज आती हैं। मोना भारती का मानना है कि वो लड़कों जैसे ड्रेस कोड में रहने से सहज महसूस करती है। वहीं इस मामले पर कॉलेज के प्राचार्य डॉ. विवेकानंद सिंह का साफ तौर पर कहा कि छात्राओं को लड़कियों की तरह सूट पहनकर ही आना होगा।

ऐसे में अब छात्राओं का आरोप है कि जब आधिकारिक सूचना में जेंडर आधारित ड्रेस का कोई स्पष्ट प्रावधान ही नहीं, तो फिर जबरदस्ती का फरमान क्यों लगाया जा रहा है। छात्रा मोना ने कहा कि कक्षाओं में जेंडर इक्वलिटी, महिला सशक्तिकरण और समान अधिकार पढ़ाए जाते हैं, लेकिन व्यवहार में वही छात्रा बार-बार याद दिलाई जाती है कि उस लड़की को सीमा में रहना चाहिए। मोना भारती ने सीधे तौर पर महाविद्यालय प्रशासन पर आरोप मढ़ते हुए कहा कि ये विरोधाभास केवल पढ़ाई की नहीं है, ये शिक्षा-व्यवस्था हमारी आत्मा को चोट पहुँचाता है।

दस बजे दस मिनट अपने पूर्वज के नाम कार्यक्रम आयोजितं

गोड्डा (नि. सं.)। प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को शहीदों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के स्मृति एवं सम्मान में उनके परिजनों तथा स्वजनों द्वारा आयोजित देशव्यापी श्रद्धांजलि कार्यक्रम "दस बजे दस मिनट अपने पूर्वज के नाम" के तहत गोड्डा जिला मुख्यालय में भी उक्त कार्यक्रम का आयोजन होता रहा है। इसी कड़ी में रविवार को नियत समय पर स्थानीय शहीद स्मारक परिसर में अंग क्षेत्र के प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षाविद एवं समाज सुधारक स्व. पण्डित रणजीत झा के तृतीय सुपुत्र सह लोक मंच सचिव सर्वजीत झा "अंतेवासी" की अध्यक्षता तथा अखिल भारतीय शहीद एवं स्वतंत्रता सेनानी परिवार कल्याण महापरिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (झारखंड) सह ग्राम जमनी पहाड़पुर के स्वतंत्रता सेनानी स्व. छेदी प्रसाद झा के पुत्र दिवाकांत वत्स के संयोजन में आयोजित कार्यक्रम में शामिल है।

ड्रीम मेमोरियल स्कूल का नए भवन का हुआ भूमि पूजन

निज संवाददाता | अमड़ापाड़ा (पाकुड़)

अमड़ापाड़ा प्रखंड मुख्यालय में रविवार को नए शैक्षणिक संस्थान ड्रीम मेमोरियल स्कूल के भवन निर्माण को लेकर विधिवत भूमि पूजन किया गया। भूमि पूजन कार्यक्रम वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधि-विधान के साथ संपन्न हुआ, जिससे पूरे क्षेत्र में सकारात्मक और उत्साहपूर्ण वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर स्कूल के प्रिंसिपल आशीष रंजन, डायरेक्टर मनोरंजन कुमार और सहयोगी विनोद कुमार यजमान के रूप में उपस्थित रहे। स्थानीय पुरोहित अश्विनी तिवारी ने मंत्रोच्चार के साथ भूमि पूजन कर विद्यालय भवन निर्माण की नींव रखवाई। डायरेक्टर मनोरंजन कुमार ने बताया कि ड्रीम मेमोरियल स्कूल में प्रारंभिक चरण में वर्ग एक से लेकर वर्ग दस तक की पढ़ाई शुरू की जाएगी। भविष्य में विद्यालय को अपग्रेड कर इंटरमीडिएट स्तर तक संचालित करने की योजना है। उन्होंने बताया कि बच्चों को सीबीएसई अंग्रेजी पैटर्न के अनुसार गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी।

विद्यालय के लिए करीब दो एकड़ भूमि चिन्हित की गई है, जहां आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षा भवन, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और विषयवार अध्ययन कक्ष का निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए क्रिकेट और फुटबॉल के लिए खेल मैदान भी बनाए जाएंगे। भूमि पूजन कार्यक्रम के दौरान स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी मौजूद रहे।

अवैध नकली देशी और अंग्रेजी शराब फैक्ट्री का गोड्डा पुलिस ने किया उद्भेदन

मामले में सुंदरपहाड़ी थाना कांड संख्या 06/26 दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई

निज संवाददाता | गोड्डा

आगामी निगर निकाय चुनाव के मद्देनजर पुलिस अधीक्षक के आदेशानुसार अवैध शराब के विरूद्ध छापामारी का निर्देश दिया गया था। इसी क्रम में दिनांक 31 जनवरी 2026 को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम घटियारी में चामू मंडल के घर पर भारी मात्रा में नकली शराब का निर्माण एवं बिक्री किया जाएगा। सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु वरीय पदाधिकारी को सूचित किया गया। पुलिस अधीक्षक के द्वारा एक विशेष छापामारी दल का गठन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा के नेतृत्व में किया गया।

गठित टीम के द्वारा त्वरीत कार्रवाई करते हुए ग्राम घटियारी पहुँच कर चामू मंडल के घर पर छापामारी किया गया। छापामारी के क्रम में कई सामान जप्त किया गया। उक्त घटना के संदर्भ में सुन्दरपहाड़ी थाना कांड संख्या 06/26 दिनाक 01 फरवरी 2026 सुसंगत धाराओं के अंतर्गत दर्ज कर कांड में संलिप्त व्यक्तियों कि गिरफ्तारी हेतु छापामारी की जा रही है।

उक्त छापामारी में स्प्रिट 1400 लीटर, देशी शराब 400 लीटर, नकली शराब 45 बोतल, विभिन्न कम्पनियों का लॉगो 15 बंडल, झारखण्ड सरकार का लॉगो 3 बंडल, विभिन्न कम्पनी का ढक्कन करीब 1000 पीस, खाली बोतल 1500 पीस, बाखर एक बोला करीब 40 किलो, टेबलेट एक बोरा 40 किलो, कच्चा महुँआ 40 किलो, अवैध शराब बनाने का अन्य सामान, जावा महुँआ 1500 किलो व नकली शराब बनाने वाला अन्य सामग्री बरामद कर जब्त की गई।

उक्त छापामारी दल में अशोक कुमार रविदास, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गोड्डा, कुमार गौरव (प्रशि०), पुलिस उपाधीक्षक, गोड्डा, पुनि मधुसुदन मोदक, पुलिस निरीक्षक, सदर प्रभाग गोड्डा, पुनि दिनेश कुमार महली, पुनि सह थाना प्रभारी, नगर थाना, गोड्डा, पुअनि बिधान चन्द्र पटेल, थाना प्रभारी, सुन्दरपहाड़ी, मपुअनि गुलाब किस्पोट्टा, थाना प्रभारी, महिला थाना, पुअनि बलुएल लकड़ा, सुन्दरपहाडी थाना, सुन्दरपहाडी थाना एवं राजाभिट्ठा थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिस बल मौजूद थे।

हिजला मेला : ओल-चिकी लिपि और आदिवासी परंपराओं के संरक्षण की उठी सशक्त मांग

निज संवाददाता | दुमका

राजकीय जनजातीय हिजला मेला महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर हिजला गांव में ग्रामीणों की रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। मंझी बाबा इमानुवेल हांसदा की अध्यक्षता में हुई इस कुल्ही दुरुप (बैठक) में मेला आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, सांस्कृतिक पहचान और मूल परंपराओं के संरक्षण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान ग्रामीणों ने पूर्व में उपायुक्त सह अध्यक्ष एवं अनुमंडल पदाधिकारी सह सचिव, हिजला मेला समिति को सौंपे गए लिखित आवेदन की मांगों पर पुनः विचार किया। ग्रामीणों का कहना था कि हिजला मेला संताल समाज की धार्मिक आस्था, संस्कृति और रीति-रिवाजों से जुड़ा हुआ है, इसलिए मेला आयोजन में संताली भाषा की ओल-चिकी लिपि को प्राथमिकता देना आवश्यक है। बैनर, पोस्टर, स्मारिका, आमंत्रण पत्र, प्रदर्शनी में प्रदर्शित वस्तुओं की जानकारी तथा मेला परिसर के कला मंचों के नाम ओल-चिकी लिपि में भी अंकित किए जाने की मांग प्रमुखता से रखी गई। ग्रामीणों ने यह भी स्पष्ट किया कि मेला परिसर एवं पवित्र स्थल दिसोम मरांग बुरु थान में किसी अन्य धर्म से संबंधित फोटो, बैनर, प्रचार सामग्री या दुकान लगाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे सामाजिक समरसता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, माननीय दुमका विधायक बसंत सोरेन की पहल पर नवनिर्मित दिसोम मरांग बुरु थान के फोटो को सभी होर्डिंग और बैनरों में प्रदर्शित करने की मांग की गई।

बैठक में हिजला मेला समिति में गांव के प्रतिनिधियों को शामिल करने, मांझी थान और जाहेर थान के सौंदर्यीकरण, स्थायी घेराबंदी और मेला अवधि में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा गांव में लंबे समय से खराब पड़े सोलर चालित जल मीनार, चापाकल, नल जल आपूर्ति और बिजली व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग उठी। मेला परिसर में स्थित पानी टंकी में लोहे का नल लगाकर उसे स्थायी रूप से चालू रखने की बात भी कही गई।

ग्रामीणों ने पिछले वर्ष 2025 के हिजला मेला के दौरान मंझी आवास (पुआल का घर) एवं गांव के स्वयंसेवकों के बकाया भुगतान की मांग दोहराई। साथ ही मेला के दौरान और मेला समाप्ति के बाद विशेष साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की आवश्यकता बताई गई। ग्रामीणों का कहना था कि मेला के बाद फैली गंदगी और पॉलीथिन के कारण मवेशियों के बीमार होने और खेतों के खराब होने की घटनाएं सामने आती हैं।